THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

जम्मू में शौर्य चक्र विजेता के घर आतंकी हमला

जम्मू, 22 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू के राजौरी के घोंधा में सोमवार (22 जनवरी) सुबह आतंकियों ने एक शौर्य चक्र विजेता के घर पर हमला किया। घटना सुबह 3:10 बजे हुई। हमले की खबर लगते ही 63 आरआर आर्मी कैंप से आई टुकड़ी ने जवाबी कार्रवाई की और एक आतंकी को मार गिराया। आतंकी की पहचान नहीं हो पाई है।

शौर्य चक्र विजेता की पहचान परशोत्तम कुमार के रूप में हुई है। उन्हें पिछले महीने दो आतंकियों को मारने के बाद यह सम्मान मिला था। परशोत्तम कुमार विलेज डिफेंस गार्ड भी हैं। आतंकी हमले में एक जवान और परशोत्तम कुमार के चाचा घायल हुए हैं। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वर्ष-29 अंक : 121 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रवण कृ.2 2081 मंगलवार, 23 जुलाई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ढाई घंटे मेरी आवाज दबाने की कोशिश

मोदी : संसद दल नहीं, देश के लिए है

विपक्ष ने पिछले सत्र में प्रधानमंत्री का गला घोंटा

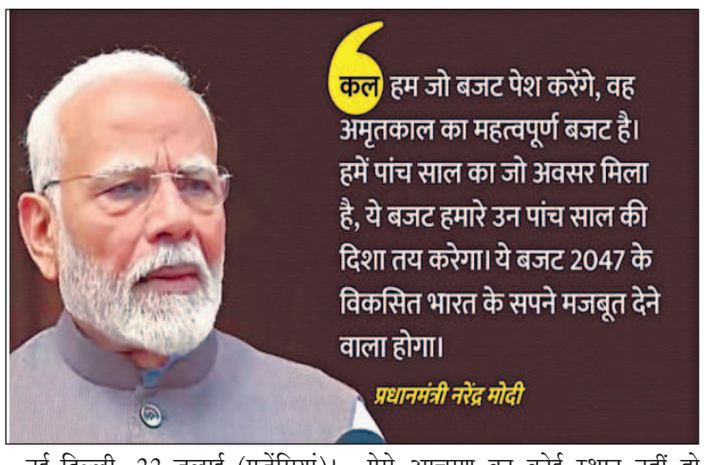

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में पहला बजट पेश करने से पहले सोमवार (22 जुलाई) को मीडिया को संबोधित किया। मोदी ने बजट सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे पर बात की। उन्होंने कहा कि यह बजट अगले पांच साल की दिशा तय करेगा और 2047 में विकसित भारत के सपने को पूरा करने की नींव रखेगा।

मोदी ने जून में सरकार बनने के बाद लोकसभा के पहले सत्र में विपक्ष के हंगामे की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संसद दल के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए है। 140 करोड़ देशवासियों ने बहुमत के साथ जिस सरकार को चुना, पहले सत्र में उसकी आवाज को कुचलने का अलोकतांत्रिक प्रयास हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा, विपक्ष ने अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए संसद के समय का इस्तेमाल किया। देश के प्रधानमंत्री का गला घोंटने का प्रयास किया। ढाई घंटे मेरी आवाज दबाने की कोशिश की। लोकतांत्रिक परंपराओं में ऐसे आचरण का कोई स्थान नहीं हो सकता। इसका कोई पश्चाताप तक नहीं है।

> सावन के दिन सत्र की शुरूआत :

मोदी बोले- आज सावन का पहला सोमवार है। इस पवित्र दिवस पर एक महत्वपूर्ण सत्र की शुरूआत हो रही है। आज संसद का मानसून सत्र आरंभ हो रहा है। देश बहुत बारीकी से देख रहा है कि संसद का यह सत्र सकारात्मक हो, सृजनात्मक हो और देशवासियों के सपनों को सिद्ध करने के लिए एक मजबूत नींव रखने वाला हो।

> 60 साल बाद कोई सरकार तीसरी बार वापस आई :

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के लोकतंत्र की जो गौरव यात्रा है, उसमें यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव के तौर पर देख रहा हूं। व्यक्तिगत तौर पर मुझे और साथियों को गर्व का विषय है कि 60 साल बाद कोई सरकार तीसरी बार वापस आई और तीसरी पारी के पहले बजट का सौभाग्य प्राप्त हो। यह भारत की अत्यंत गौरवपूर्ण घटना के तौर पर देश देख रहा है।

> यह बजट अमृतकाल का महत्वपूर्ण बजट है :

मोदी ने कहा, मैं देशवासियों को जो गारंटी देता रहा हूं, उन गारंटियों को जमीन पर उतारना इस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। कल हम जो बजट पेश करेंगे, वह अमृतकाल का महत्वपूर्ण बजट है। हमें पांच साल का जो अवसर मिला है, ये बजट हमारे उन पांच साल की दिशा तय करेगा।

ये बजट 2047 के विकसित भारत के सपने मजबूत देने वाला होगा। हर देशवासी के लिए बड़े गर्व की बात है कि भारत बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला देश है। पिछले 3 सालों में लगातार 8 प्रतिशत ग्रोथ के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। 2047 में जब आजादी के 100 साल होंगे तब विकसित भारत का सपना पूरा करेगा।

> चुनाव लड़ चुके, अब देश के लिए लड़ने की बारी :

पीएम ने कहा- मैं देश के सभी सांसदों से, वो किसी भी दल के क्यों न हो, कहना चाहता हूं कि जनवरी से लेकर अब तक हमारे पास जितना सामर्थ्य था, जितनी लड़ाई लड़नी थी, लड़ ली। किसी ने जनता को राह दिखाने का प्रयास किया, तो किसी ने गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन अब वो दौर खत्म हो चुका है। जनता ने अपना फैसला सुना दिया है।

अब पार्टी लाइन से ऊपर उठकर देश के लिए खुद को समर्पित करें और संसद के इस गरिमामय मंच का अगले 4.5 साल तक उपयोग करें। जनवरी 2029 के चुनावी साल में आप कोई भी खेल खेल लें, लेकिन तब तक हमें किसानों, युवाओं और देश के सशक्तिकरण के लिए अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

> नकारात्मक राजनीति ने संसद का समय बर्बाद किया :

मोदी ने लोकसभा के पिछले सत्र का जिक्र करते हुए कहा, मुझे आज बहुत दुख के साथ कहना है कि कुछ सांसद 5 साल के लिए आए। कुछ को 10 साल का मौका मिला। हालांकि, पिछले सत्र में कई को अपने क्षेत्र की बात करने का मौका नहीं मिला। क्योंकि कुछ दलों की नकारात्मक राजनीति ने देश की संसद के महत्वपूर्ण समय को अपनी विफलताएं ढांकने के लिए दुरूपयोग किया।

पीएम मोदी वैचारिक आधार पर कर्मचारियों को विभाजित करना चाहते हैं

> आरएसएस पर बैन हटाए जाने पर खड़गे बोले

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर लगे 58 साल पुराने प्रतिबंध को हटा लिया है। अब सरकारी कर्मचारी आरएसएस की गतिविधियों में शामिल हो सकेंगे। इस फैसले को लेकर कांग्रेस और भाजपा में जुबानी जंग छिड़ गई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैचारिक आधार पर कर्मचारियों का राजनीतिकरण करना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि 1947 में आज ही के दिन भारत ने अपना राष्ट्रीय ध्वज अपनाया था। आरएसएस ने तिरंगे का विरोध किया था और सरदार पटेल ने उन्हें इसके खिलाफ चेतावनी दी थी। उन्होंने आगे कहा, चार फरवरी 1948 को गांधी जी की हत्या के बाद सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया था। पीएम मोदी ने 58 साल बाद सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर 1966 में लगा प्रतिबंध हटा दिया है। हम जानते हैं कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने सभी संवैधानिक और स्वायत्त संस्थानों पर संस्थागत रूप से कब्जा करने के लिए संघ का उपयोग किया है। खड़गे ने कहा, पीएम मोदी सरकारी कर्मचारियों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबंध हटा कर सरकारी कार्यालयों के कर्मचारियों को विचारधारा के आधार पर विभाजित करना चाहते हैं।

कांवड़ रूट की दुकानों पर नेमप्लेट जरूरी नहीं

> सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार का फैसला रोका

> भोजन शाकाहारी है या मांसाहारी यह बताएं

नई दिल्ली/लखनऊ, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानदारों को अपनी पहचान बताने को लेकर कई राज्य सरकारों के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने सोमवार, 22 जुलाई को कहा कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं है। होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वह किस तरह का खाना यानी, शाकाहारी या मांसाहारी परोस रहे हैं। लेकिन उन्हें अपना नाम लिखने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

अदालत ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक जवाब देने को कहा है। तीनों राज्यों में कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकान मालिकों को अपना नाम लिखने का आदेश दिया गया था। इसके खिलाफ एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नाम के एनजीओ ने 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिकाकर्ता के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि अल्पसंख्यकों की पहचान के जरिए उनका आर्थिक बहिष्कार किया जा रहा है। यह चिंताजनक है। सुप्रीम कोर्ट में मामले पर 26 जुलाई को अगली सुनवाई होगी।

यूपी में नाम लिखने का आदेश दो स्तर से जारी हुआ

17 जुलाई को मुजफ्फरनगर के एसएसपी अभिषेक सिंह ने कहा कि जिले के करीब 240 किमी एरिया में कांवड़ मार्ग पड़ता है। सभी होटल, ढाबा, दुकान और ठेले, जहां से कांवड़िए खाने का सामान खरीद सकते हैं, सभी को अपनी दुकान के बाहर मालिक का नाम और नंबर साफ अक्षरों में लिखना पड़ेगा। ऐसा करना इसलिए जरूरी था, ताकि कांवड़ियों में कोई कन्फ्यूजन न रहे और कानून व्यवस्था में बाधा न आए। सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए ये कदम उठाना जरूरी था।

राहुल ने परीक्षा प्रणाली को बकवास बताया तो शिक्षा मंत्री ने याद दिलाया इतिहास

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में मानसून सत्र के दौरान नीट पेपर लीक मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने सरकार को इस मुद्दे पर खूब घेरा। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के लाखों छात्रों से जुड़े मुद्दे पर कुछ नहीं हो रहा है। यह बेहद चिंता का विषय है। भारत की परीक्षा प्रणाली बकवास है। विपक्ष के नेता के इस बयान की केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने निंदा की। उन्होंने शिक्षा सुधार के लिए 2010 में कांग्रेस सरकार की ओर से लाए गए बिल को लेकर पलटवार किया। सदन में नीट के मुद्दे को उठाते हुए नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भारत की परीक्षा प्रणाली धोखे से भरी है।

लाखों लोग मानते हैं कि अगर आप अमीर हैं और आपके पास पैसा है, तो आप भारतीय परीक्षा प्रणाली को खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर नीट पेपर लीक होना सिस्टम की चूक थी तो उसे सुधारने के लिए क्या किया गया? मंत्री खुद को छोड़कर सबको दोषी ठहरा रहे हैं। लाखों छात्रों परेशान हैं कि देश में क्या चल रहा है। इस पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मैं देश की परीक्षा प्रणाली को बकवास कहने की निंदा करता हूं। जिन्होंने रिमोट से सरकार चलाई है। 2010 में कांग्रेस सरकार में शिक्षा मंत्री कपिल सिब्बल शिक्षा सुधार को लेकर तीन बिल लाए थे। जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुचित प्रथाओं जैसे कैपिटेशन शुल्क की मांग करना, योग्यता बिना छात्रों को प्रवेश देना, शुल्क की रसीद जारी न करना, छात्रों को गुमराह करने से रोकना शामिल था। तो किसके दबाव में कांग्रेस सरकार और नेता विपक्ष ने बिल लागू नहीं होने दिया और हमसे प्रश्न पूछते हैं। हमारी सरकार परीक्षा प्रणाली को बेहतर करने और निजी संस्थानों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुधार के काम हो रहे हैं।

दुबई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार हुए गायक राहत फतेह अली खान

पुलिस स्टेशन ले जाया गया

दुबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मशहूर गायक राहत फतेह अली खान को दुबई एयरपोर्ट पर विमान में चढ़ने से रोका गया है। विमान में चढ़ने से रोकने के बाद उन्हें दुबई पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हिरासत में लेने के बाद पुलिस उन्हें दुबई पुलिस स्टेशन ले गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, राहत फतेह अली खान के पूर्व मैनेजर और मशहूर शोबिज प्रमोटर सलमान अहमद ने दुबई में उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इसके बाद ही यह कार्रवाई की गई है। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार नहीं किया गया है।

राहत विभिन्न संगीत कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने के लिए दुबई में आए थे। इस दौरान उन्हें दुबई एयरपोर्ट से ही हिरासत में ले लिया गया। राहत ने कुछ महीने पहले एक विवाद के बाद अहमद को नौकरी से निकाल दिया था। इसके बाद से वह कई मौके पर गायक के खिलाफ कठोर कदम उठाने की बात कर रहे थे, जिसके बाद राहत और अहमद दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ केस भी दर्ज कराया था। गौरतलब है कि एफआईई ने इस साल जनवरी में उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग और कर चोरी की जांच शुरू की थी।

नीट के विवादित सवाल की जांच के आदेश

❊ सुप्रीम कोर्ट ने कहा-आईआईटी दिल्ली के डायरेक्टर एक्सपर्ट पैनल बनाएं ❊ आज 12 बजे तक रिपोर्ट दें

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। नीट मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिजिक्स के 2 सही ऑप्शन वाले क्वेश्चन नंबर 19 की पड़ताल होनी चाहिए। 2 सही ऑप्शन देने से 44 स्टूडेंट्स को बोनस मार्क्स मिले और 4.2 लाख कैंडिडेट्स को नुकसान हुआ है। इस पर आईआईटी दिल्ली के एक्सपर्ट्स की राय लेनी चाहिए। कोर्ट ने आदेश दिया कि आईआईटी दिल्ली के डायरेक्टर 2 जवाबों वाले सवाल की जांच के लिए एक 3 मेंबर्स की एक्सपर्ट कमेटी बनाएं। एक्सपर्ट टीम उनमें से एक सही ऑप्शन चुनकर आज 12 बजे तक रजिस्ट्रार को अपनी राय भेजें।

नीट गड़बड़ी के मामले में सुप्रीम कोर्ट में 40 से ज्यादा याचिकाओं पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच के सामने सुनवाई खत्म हुई। यह चौथी सुनवाई थी। अगली सुनवाई कल यानी मंगलवार को होगी। इसके अलावा, सीजेआई ने याचिकाकर्ताओं से आज शाम तक आधे पेज में नीट यूजी रीटेस्ट के पक्ष में तर्क का रिटन सबमिशन ई-मेल करने को कहा है। सुनवाई के दौरान एनटीए ने माना कि 3300 से ज्यादा स्टूडेंट्स को गलत पेपर दिया गया था। इन्हें एसबीआई की जगह केनरा बैंक का पेपर बांटा गया था।

सीजेआई ने कहा, आरोपियों के बयान अलग-अलग हैं। अगर पेपर लीक (4 मई) की रात को हुआ है, तो जाहिर है कि लीक ट्रांसपोर्टेशन के दौरान नहीं, बल्कि स्ट्रॉन्ग रूम वॉल्ट से पहले हुआ था। सीनियर एडवोकेट नरेंद्र हुड्डा के साथ संजय हेगड़े, मैथ्यूज नेदुम्परा याचिकाकताओं की ओर से, जबकि सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता एनटीए और केन्द्र की ओर से पक्ष रख रहे हैं।

इकोनॉमिक सर्वे-सिलेंडर सस्ता होने से ईंधन महंगाई घटी

> जीडीपी ग्रोथ 7 प्रतिशत रहने का अनुमान > हर साल 78.5 लाख नौकरियों की जरूरत

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। इकोनॉमिक सर्वे में कहा गया है कि सरकार ने एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की। इससे रिटेल ईंधन महंगाई दर एफवाई24 में नीचे बनी रही। वहीं इसमें वित्त वर्ष 2025 के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.5 से 7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

इकोनॉमिक सर्वे में ये भी कहा गया है कि बढ़ती वर्कफोर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए सालाना लगभग 78.5 लाख नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने आज यानी, सोमवार 22 जुलाई को लोकसभा में इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। वित्त मंत्रालय का आर्थिक मामलों का विभाग हर साल केंद्रीय बजट से ठीक पहले संसद में इकोनॉमिक सर्वे पेश करता है। इसे संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाता है। सर्वे में पिछले 12 महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए डेवलपमेंट की रिव्यू होता है।

> इकोनॉमिक सर्वे से जुड़ी बड़ी बातें :

ग्लोबल एनर्जी प्राइस इंडेक्स में एफवाई24 में गिरावट आई। सरकार ने एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की। इससे रिटेल ईंधन महंगाई दर एफवाई24 में नीचे बनी रही। अगस्त 2023 में, एलपीजी कीमतों में 200 रुपये/सिलेंडर की कटौती की गई थी। वहीं मार्च 2024 में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपए/लीटर की कटौती की।

एग्रीकल्चर सेक्टर को खराब मौसम, घटते जलाशयों और फसलों के नुकसान के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसका असर कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर पड़ा। इससे वित्त वर्ष 24 में खाद्य महंगाई बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो गई। 2023 में ये 6.6 प्रतिशत थी।

पीएम-सूर्य घर योजना से 30 गीगावॉट सौर कैपेसिटी जुड़ने की उम्मीद है। इस पहल का उद्देश्य सोलर वैल्यू चैन में लगभग 17 लाख नौकरियां पैदा करना है। पीएम-सूर्य घर योजना इस साल फरवरी में 75,021 करोड़ रुपये की लागत के साथ शुरू की गई थी।

इंडियन इकोनॉमी को बढ़ती वर्कफोर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए नॉन-फार्म सेक्टर में 2030 तक सालाना औसतन लगभग 78.5 लाख नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। सर्वे में ये भी बताया गया है कि 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम है, फिर भी कई लोगों के पास आवश्यक स्किल का अभाव है। अभी, केवल 51.25 प्रतिशत युवा ही रोजगार योग्य है।

रिटेल इन्वेस्टर्स के फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग में बढ़ते पार्टिसिपेशन को लेकर इकोनॉमिक सर्वे में कहा गया है कि इस तरह की स्पेकुलेटिव ट्रेडिंग का भारत जैसे विकासशील देश में कोई स्थान नहीं है। इसमें कहा गया है कि ये पूरी इकोनॉमी के लिए हानिकारक हो सकता है। एफवाई26 तक राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.5 प्रतिशत या उससे कम होने की उम्मीद है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में पेश अंतरिम बजट में भी ये बात बताई थी। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा 0.7 प्रतियत कम होकर 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5 से 7 प्रतिशत तक बताया गया है। वहीं इसमें बताया गया है कि वित्त वर्ष 2024 में भारत की रियल जीडीपी 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी। ये लगातार तीसरा साल है जब जीडीपी 7 प्रतिशत से ज्यादा दर्ज की गई।

> वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत रही :

सरकार ने 31 मई को पूरे साल यानी, वित्त वर्ष 2024 के लिए जीडीपी का प्रोविजनल एस्टिमेट जारी किया था। एफवाई24 में जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत रही थी। एफवाई23 में जीडीपी ग्रोथ 7 प्रतिशत थी। वहीं आरबीआई ने एक महीने पहले एफवाई25 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत किया था। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 का महंगाई अनुमान 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा था।

पहला सावन सोमवार : काशी विश्वनाथ में 2 लाख, महाकाल में डेढ़ लाख भक्तों ने दर्शन किए

वाराणसी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सावन का आज पहला सोमवार है। सभी ज्योतिर्लिंगों में भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए रविवार रात से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी हैं।

मध्यप्रदेश के उज्जैन महाकाल मंदिर में 3 लाख श्रद्धालु पहुंचने की उम्मीद है। दोपहर तक करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। शाम 4 बजे बाबा महाकाल की सवारी निकाली गयी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में करीब 2 लाख भक्तों ने दर्शन और जलाभिषेक किया। इस बार मंदिर में प्रवेश के लिए दो-तीन नए रास्ते बनाए गए हैं। वाराणसी के गौदोलिया में कांवड़ यात्रियों का स्वागत मुस्लिम समाज ने किया। इन लोगों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए। इधर, मुजफ्फरनगर में कांवड़ियों ने पुलिस पर कुर्सियां फेंकी। विवाद कांवड़ खंडित होने के कारण हुआ।

'भारत को कमजोर करने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे'

> ममता बनर्जी के बयान पर भड़की भाजपा

कोलकाता, 22 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है और आरोप लगाया है कि सीएम राज्य में घुसपैठ को जायज ठहरा रही हैं। भाजपा ने यह आरोप ममता बनर्जी के उस बयान के बाद लगाया है, जिसमें ममता बनर्जी ने कहा कि वह बांग्लादेश के हिंसा प्रभावित लोगों को राज्य में शरण देने के लिए तैयार हैं। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत की एकता को कमजोर करने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

> शरण देने का अधिकार सिर्फ केंद्र के पास :

ममता बनर्जी ने ये भी कहा कि वह चाहती हैं कि बंगाल के भारत के साथ अच्छे संबंध रहें। इस बयान पर हमला करते हुए रविशंकर प्रसाद ने हैरानी जताई और कहा कि उनका कहने का क्या मतलब है? बंगाल तो भारत का ही हिस्सा है। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच कोलकाता में एक रैली के दौरान ममता बनर्जी ने कहा था कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच हिंसा पीड़ितों को शरण देने के लिए बंगाल के दरवाजे खुले हैं। ममता बनर्जी के इस बयान पर भाजपा नेता ने कहा कि किसी को शरण देने का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार के पास है और राज्य सरकार इस पर फैसला नहीं ले सकती। रविशंकर प्रसाद ने तंज कसते हुए कहा कि टीएमसी की नेता नागरिकता संशोधन कानून का विरोध कर रही हैं, जो पड़ोसी देशों में धर्म के आधार पर सताए गए लोगों को नागरिकता देता है।

आरएसएस की गतिविधियों में भाग ले सकेंगे सरकारी कर्मचारी

> केंद्र ने 1966 में लगा बैन हटाया > जयराम रमेश बोले-नौकरशाही निक्कर में भी आ सकती है

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होन पर लगे बैन को हटाया है। 1966 में तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने यह बैन लगाया था। 58 साल बाद केंद्र सरकार ने इसे रद्द किया। देर रात कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि पीएम मोदी और आरएसएस के बीच संबंधों में कड़वाहट आई है। 58 साल का प्रतिबंध हटाया गया है। मेरा मानना है कि नौकरशाही अब निक्कर में भी आ सकती है।

रमेश ने कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय का 9 जुलाई को जारी कार्यालय के मेमोरेंडम को शेयर किया है। इसमें सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने से संबंधित जानकारी दी गई है। रमेश ने 1966 के आदेश की फोटो भी शेयर की है। रमेश के इस दावे पर बीजेपी आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने केंद्र सरकार के आदेश का स्क्रीनशॉट शेयर किया। उन्होंने लिखा 58 साल पहले जारी एक असंवैधानिक निर्देश को मोदी सरकार ने वापस ले लिया है।

जयराम ने लिखी यह बात...

रमेश ने लिखा, "फरवरी 1948 में गांधीजी की हत्या के बाद सरदार पटेल ने RSS पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद अच्छे आचरण के आश्वासन पर प्रतिबंध को हटाया गया। इसके बाद भी संघ ने नागपुर में कभी तिरंगा नहीं फहराया। 1966 में, आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों पर प्रतिबंध लगाया गया था - और यह सही निर्णय भी था। यह 1966 में बैन लगाने के लिए जारी किया गया आधिकारिक आदेश है।" रमेश ने आगे लिखा, "4 जून 2024 के बाद स्वयंभू नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री और आरएसएस के बीच संबंधों में कड़वाहट आई है। 9 जुलाई 2024 को, 58 साल का प्रतिबंध हटा दिया गया जो अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान भी लागू था। मेरा मानना है कि नौकरशाही अब निक्कर में भी आ सकती है।"

आरएसएस की विचारधारा राष्ट्रवाद के खिलाफ-ओवैसी

इसी मामले में एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी का बयान भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद सरदार पटेल और नेहरू की सरकार ने आरएसएस पर बेन लगा दिया था। उनका बेन हटाने पर शर्त रखी गई थी कि वे राजनीति में भाग नहीं लेंगे और संविधान का सम्मान करेंगे। लेकिन एनडीए सरकार अब सरकारी कर्मचारियों को आरएसएश की गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति दे रही है। हिंदू राष्ट्र बनाना आरएसएस का कोर एजेंडा है। जो विविधता की बात करने वाले भारतीय राष्ट्रवाद के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि सभी सांस्कृतिक संगठनों को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

असंवैधानिक आदेश को मोदी सरकार ने वापस लिया-अमित मालवीय

बीजेपी आईटी सेल हेड अमित मालवीय ने लिखा "58 साल पहले 1966 में जारी असंवैधानिक आदेश जिसमें आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों पर प्रतिबंध लगाया गया था।

इसे मोदी सरकार द्वारा वापस ले लिया गया है। इस आदेश को पहले ही पारित नहीं किया जाना चाहिए था।

जनता पार्टी ने फैसला पलटा था

सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस से जुड़ने पर रोक का पहला आदेश 1966 में तत्कालीन केंद्र सरकार ने जारी किया था। इसके पीछे तर्क दिया गया था कि आरएसएस राजनीतिक रूप से प्रभावित है। केंद्र सरकार ने आगे कहा था कि आरएसएस की वजह से कर्मचारियों की तटस्थता प्रभावित हो सकती है। इसे धर्मनिरपेक्ष समाज के लिए उचित नहीं माना गया।

केंद्र सरकार ने आदेश में सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 का हवाला देते हुए बैन लगाया था। देश में जब जनता पार्टी की सरकार 1977 में बनी तो इस कानून को निरस्त कर दिया गया था, लेकिन जब 1980 में इंदिरा गांधी फिर से सत्ता में लौटीं तो इस कानून को दोबारा प्रभाव में ला दिया गया था। तब से ये तमाम राज्यों में कर्मचारियों के सर्विस रूल पर प्रभावी है।

दो करोड़ कीमत की विदेशी करेंसी के साथ एक गिरफ्तार, कोई सबूत नहीं दिखा पाया आरोपी

जालंधर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार देर रात संत नगर के पास रूटीन नाकाबंदी के दौरान करीब दो करोड़ रुपये की विदेशी करेंसी के साथ होशियारपुर के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कमिश्नरेट पुलिस देर रात तक उससे जांच और पूछताछ में जुटी रही। गिरफ्तार आरोपी की पहचान होशियारपुर निवासी पुनीत सूद उर्फ गांधी के रूप में हुई है।

पुलिस पूछताछ में उक्त व्यक्ति पैसे का कोई सबूत नहीं दिखा पाया था, जिसके चलते पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर हवाला से जोड़कर जांच शुरू कर दी है। क्योंकि बरामद की गई सारी नकदी विदेशी मुद्रा में थी। पुलिस ने उसके पास से एक क्रेटा कार भी बरामद की है। देर रात तक आरोपी पुलिस को कोई ठोस दस्तावेज नहीं दिखा पाया, अब पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक संत नगर के पास नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने शक के आधार पर एक काले रंग की क्रेटा कार को रोका और उसकी तलाशी ली तो उसमें से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। सूत्रों की मानें तो कमिश्नरेट पुलिस न्यू बारादरी थाने में आरोपी से पूछताछ कर रही है। देर रात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। जानकारी के मुताबिक जो विदेशी मुद्रा उक्त व्यक्ति से बरामद हुई है उसकी की बाजार कीमत करीब दो करोड़ रुपये है। हालांकि सीपी स्वप्न शर्मा ने ऐसे किसी मामले से इनकार किया है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है अभी केस एजेंसियां के पास नहीं भेजा है।

नीट डाटा को लेकर आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट और निदेशक पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। नीट यूजी परीक्षा के कथित पेपरलीक मामले पर आईआईटी मद्रास ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। सरकार ने बताया कि इस रिपोर्ट के अनुसार, मेडिकल में प्रवेश के लिए होने वाली नीट यूजी परीक्षा में कोई धांधली नहीं हुई है।

आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट पर सवाल उठ रहे हैं और नीट मामले में याचिका दायर करने वाले एक याचिकाकर्ता ने आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट पर सवाल उठाए। इस मामले में हितों के टकराव का मामला भी उठा, लेकिन परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए ने आरोपों से इनकार कर दिया। दरअसल नीट यूजी मामले में एक याचिकाकर्ता ने कहा कि आईआईटी मद्रास का डाटा एनालिस्ट रिपोर्ट विश्वसनीय नहीं है क्योंकि आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामाकोटी, नीट परीक्षा का आयोजन करने वाली सरकारी एजेंसी एनटीए के भी सदस्य हैं। ऐसे में हितों का टकराव संभव है। इसके जवाब में एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामाकोटी का एनटीए का सदस्य होना हितों का टकराव नहीं कहा जा सकता। एनटीए ने अदालत को बताया कि आईआईटी मद्रास के निदेशक एनटीए की प्रशासनिक निकाय के सदस्य हैं। एनटीए का मुख्य काम एजेंसी की प्रबंधन निकाय द्वारा किया जाता है और प्रशासनिक निकाय सिर्फ नीतिगत मामलों पर काम करती है।

एनटीए ने ये भी कहा कि आईआईटी मद्रास के निदेशक ने एनटीए की प्रशासनिक निकाय की बैठकों में शामिल होने के लिए एक अन्य प्रोफेसर को नियुक्त किया था, लेकिन वे प्रोफेसर भी बीते साल दिसंबर से एनटीए की बैठकों में शामिल नहीं हो रहे थे। वी कामाकोटी ने भी दिसंबर 2022 के बाद से एनटीए की किसी बैठक में शिरकत नहीं की है। ऐसे में हितों का टकराव का आरोप गलत है।

आईआईटी मद्रास ने अपनी रिपोर्ट में नीट में धांधली की आशंका को किया था खारिज

गौरतलब है कि आईआईटी मद्रास ने नीट यूजी डाटा मामले पर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। इस रिपोर्ट में आईआईटी मद्रास ने परीक्षा में धांधली की आशंका को खारिज किया है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट का हवाला दिया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री टेनी के बेटे आशीष मिश्रा को जमानत

दिल्ली या लखनऊ में रहने का निर्देश

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के लखीमपुर-खीरी हिंसा मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को जमानत दी। कोर्ट ने जमानत अर्जी मंजूर करने के बाद उन्हें दिल्ली या लखनऊ में रहने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने अधीनस्थ अदालत को मामले की सुनवाई में तेजी लाने और समयसीमा तय करने का निर्देश दिया। बता दें कि लखीमपुर खीरी हिंसा आठ लोगों की जान चली गई थी।

इसके बाद उनके दिल्ली या लखनऊ जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले साल 25 जनवरी को शीर्ष अदालत ने हिंसा की दुर्भाग्यपूर्ण भयावह घटना में आशीष मिश्रा को अंतरिम जमानत दी थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने मामले में किसानों को भी जमानत दी और ट्रायल कोर्ट को सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अंतरिम आदेश को निरपेक्ष बनाया गया है। हमें सूचित किया गया है कि 117 गवाहों में से अब तक सात की जांच की जा चुकी है। हमारे विचार में मुकदमे की कार्यवाही में तेजी लाने की जरूरत है। हम ट्रायल कोर्ट को निर्देश देते हैं कि वह लंबित अन्य समयबद्ध या जरूरी मामलों को ध्यान में रखते हुए समय-सारिणी तय करे, लेकिन लंबित विषय को प्राथमिकता दे।

क्या है मामला?

जिले में हिंसा तब भड़की थी, जब किसानों ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के क्षेत्र के दौरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान चार किसानों को एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन ने कुचल दिया था। इसके बाद एक ड्राइवर और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो कार्यकर्ताओं को गुस्साए किसानों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला था। इस हिंसा में एक पत्रकार की भी मौत हुई थी।

'ऐसे गैंग से रहें सावधान...', श्रावण मास पर वीएचपी ने किया पोस्ट

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। 22 जुलाई यानी आज से सावन की शुरुआत हो चुकी है और आज ही सावन का पहला सोमवार है. ऐसे में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि आज पवित्र श्रावणी मास यानि सावन की शुरुआत ही सोमवार से हो रही है. शिव आराधना, भक्ति, शक्ति, स्नान, ध्यान, ज्ञान और दान के प्रारंभ की इस प्रतिपदा पर सभी को शुभ कामनाएं. सभी भक्तों पर भगवान भोले नाथ जी की कृपा सदैव बरसती रहे।

विनोद बंसल ने आगे कहा, इस दौरान हमें उस थुक-थुक गैंग से सावधान रहना होगा, जो षड्यंत्र पूर्वक इस पवित्र माह में भी हमारी पूजन सामग्री, प्रसाद और अन्य खाद्य पदार्थों में थूक कर, चाट कर, मूत्र कर भक्तों को बेचने से बाज नहीं आते या अपनी पहचान छुपाकर भक्तों को धोखा देते हैं।

नई मुश्किल में अमृतपाल सिंह

खडूर साहिब के सांसद के चुनाव को हाईकोर्ट में चुनौती

जानकारियां छिपाने का आरोप

चंडीगढ़, 22 जुलाई (एजेंसियां)। खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह के चुनाव को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। ये याचिका अमृतपाल के खिलाफ आजाद चुनाव लडे. विक्रमजीत सिंह ने दाखिल की है। विक्रमजीत सिंह ने याचिका में आरोप लगाए हैं कि खडूर साहिब सीट से लड़ने अमृतपाल सिंह ने अपने नामांकन पत्र में कई अहम जानकारियां छिपाई हैं। उन्होंने अपने चुनाव पर आए खर्च का भी पूरा ब्योरा नहीं दिया है। चुनाव के दौरान उनके समर्थन में रोजाना कई मीटिंगें होती थी और वाहनों और चुनावी मैटिरियल का इस्तेमाल होता था, इसका भी कोई ब्योरा नहीं दिया गया है। जो खर्च हुआ, वह कहां से किया गया ये बताया नहीं गया। याचिका में कहा गया है कि अमृतपाल को मिली फंडिंग के बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी गई।

उनके चुनाव प्रचार में धार्मिक स्थलों का भी प्रचार में इस्तेमाल किया गया। बिना इजाजत लिए सोशल मीडिया पर उनकी प्रमोशन की गई है। ऐसे कई आरोप लगा उनके चुनाव को रद्द करने की हाई कोर्ट से मांग की गई है, जिस पर हाईकोर्ट जल्द ही सुनवाई कर सकता है।

जमीनी विवाद को लेकर भाई ने मां,पत्नी समेत परिवार के पांच सदस्यों का किया कत्ल

शवों को जलाकर हुआ फरार

अंबाला, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अपने ही भाई के परिवार की हत्या करने वाला शख्स रिटायर्ड फौजी बताया जा रहा है। जो हत्या के बाद मौका ए वारदात से फरार हो गया। हत्यारोपी की बहन के मुताबिक परिवार में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। घटना अंबाला के नारायणगढ़ के गांव रातोर की है। बताया जा रहा है कि रिटायर्ड फौजी ने रविवार देर रात हत्या को अंजाम दिया और देर रात तीन बजे शवों को जलाने की भी कोशिश की। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने धारदार हथियार से जिन लोगों की हत्या की है। उसमें मां, भाई, भाई की पत्नी और उसके दो बच्चे शामिल है। मृतकों की पहचान 35 वर्षीय हरीश कुमार, 32 वर्षीय सोनिया, 65 वर्षीय सरोपी देवी, पांच वर्षीय यशिका और छह महीने का मयंक के रूप में हुई है। इसके अलावा दो लोग गंभीर रुप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए चंडीगढ़ रेफर किया गया है।

मृतक की बहन ने बताया कि परिवार में पिछले कुछ समय से जमीन को लेकर झगड़ा चल रहा था। ये घटना क्यों की गई है, इस बारे में मुझे भी ज्यादा जानकारी नहीं है। पुलिस के अनुसार, इस हत्याकांड के पीछे की वजह जमीनी विवाद बताई जा रही है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार है। अंबाला के एसपी ने घटनास्थल का मुआइना किया और पुलिस ने अधजले शवों को कब्जे में लेकर अंबाला कैंट हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बता दें कि आग की चपेट में आने से एक बच्ची करीब 90 फीसदी जल गई और उसका इलाज चल रहा है।

'देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था होगी मजबूत'

> कांग्रेस-बीजेपी की जुबानी जंग के बीच आरएसएस ने फैसले को सराहा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर लगे 58 साल पुराने प्रतिबंध को हटा लिया है। अब सरकारी कर्मी आरएसएस की गतिविधियों में शामिल हो सकेंगे।

इस फैसले को लेकर जहां कांग्रेस और भाजपा में जुबानी जंग छिड़ गई है। वहीं, आरएसएस ने इस फैसले का स्वागत किया है। संघ का कहना है कि इस फैसले से देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी।

अतीत की सरकारों पर हमला

इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछली सरकारों पर अतीत में प्रतिबंध लगाकर अपने स्वयं के राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाने का भी आरोप लगाया। उसका कहना है कि अतीत में सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों को आरएसएस के साथ जुड़ने से रोकने के कई उदाहरण हैं।

फैसला उचित : आंबेकर

प्रतिबंध हटाए जाने संबंधी एक सरकारी आदेश के सार्वजनिक होने और कई विपक्षी नेताओं द्वारा इस कदम की आलोचना किए जाने के एक दिन बाद आरएसएस प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने कहा, 'सरकार का मौजूदा फैसला उचित है और भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करता है।'

पिछले 99 वर्षों से संघ समाज की सेवा में लगा

आंबेकर ने आगे कहा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 99 वर्षों से सतत राष्ट्र के पुनर्निर्माण एवं समाज की सेवा में निरंतर लगा हुआ है। राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता-अखंडता एवं प्राकृतिक आपदा के समय में समाज को साथ लेकर संघ के योगदान के चलते समय-समय पर देश के विभिन्न प्रकार के नेतृत्व ने संघ की भूमिका की प्रशंसा भी की है।'

निराधार ही लगाया गया था प्रतिबंध

उन्होंने आगे कहा, 'अपने राजनीतिक स्वार्थों के चलते तत्कालीन सरकार द्वारा शासकीय कर्मचारियों को संघ जैसे रचनात्मक संगठन की गतिविधियों में भाग लेने के लिए निराधार ही प्रतिबंधित किया गया था।

शासन का वर्तमान निर्णय समुचित है और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है।'

खबरें जरा हटके

दुर्लभ है ये मछली, 2 साल में मिलती है वजन 15 किलो, स्वाद में सबसे अलग-कीमत सुन चौंक जाएंगे

दक्षिण भारत हो या बंगाल बिहार, मछली इन प्रदेशों का प्रिय भोज है. हालांकि मछली के शौकीन तो पूरे भारत में हैं. मछली कई तरह की होती हैं. लेकिन मछली अपने स्वाद आकार और कीमत के कारण बाकी सब से अलग है. ये मछली दो साल के अंतराल में आती है. मछली के काफी प्रकार होते हैं. लेकिन लोग इस मछली के बारे में कम ही जानते होंगे. ये है मोए मछली. ज्यादा कांटे होने की वजह से लोग इसे नहीं खरीदते हैं. लेकिन जो लोग इसके बारे में जानते हैं या मछली खाने के शौकीन हैं वो जरूर मोए मछली खरीदते हैं. इसका स्वाद सभी मछलियों से अलग होता है.

कैसी है मोए मछली

मोए मछली एक भारी भरकम जलीय जीव है. इसका वजन 5 किलो से 15 किलो तक है. ये बाजार में काफी कम मात्रा में पायी जाती है. स्थानीय मंडी में इसकी कीमत 500 से1000 हजार रुपये तक होती है. खास बात ये कि 2 साल के अंतराल पर बाजार में यह मछली आती है. हाजीपुर मच्छी बाजार में इन दिनों मोए मछली दिख रही है. यह हाजीपुर में पकड़ी जाती है लेकिन इसका सबसे ज्यादा बाजार कोलकाता और सिलीगुड़ी में होता है. यहां पहुंचते ही यह मछली झट से बिक जाती है.

15 किलो की मछली

मछली व्यवसायी हीरा साहनी बताते हैं ये मछली स्वाद में बहुत स्वादिष्ट होती है. यह सबसे महंगी मछली होती है और हर जगह नहीं मिलती. हाजीपुर में भी दो साल में मिलती है वो भी सिर्फ एक या दो बार. इसका वजन 5 किलो से लेकर15 किलो तक होता है. इसकी सिलीगुड़ी में ज्यादा डिमांड है. कीमत ऊंची होने के कारण वहां आराम से बिकती है. वो कहते हैं गंगाजी से मछली का जीरा लाए थे. इसे तैयार करने में 1 साल लगा. अब इसे बाजार लाये हैं.

खौलते पानी का झील, जिसमें गलती से गिरा शख्स, चंद मिनट में मर गया, बहन ने कैद किया था खौफनाक वीडियो!

कई ऐसे जुनूनी लोग हैं, जो अपने जुनून को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक चले जाते हैं. ऐसे में कई बार उन्हें मौत का सामना भी करना पड़ जाता है. ऐसा ही एक मामला अमेरिका में सामने आया था, जब एक लड़का अपनी बहन के साथ तैराकी के लिए अवैध तरीके से येलोस्टोन नेशनल पार्क में चला गया. उस दौरान वो गलती से उबलते हुए पानी में गिर गया और देखते ही देखते उसकी मौत हो गई. हैरत की बात ये थी कि पूरे घटना का वीडियो उसकी बहन ने कैद कर लिया था. यूं तो ये घटना साल 2016 की है, लेकिन हाल ही में इसकी फाइनल रिपोर्ट आई, जिसमें पूरे घटना का जिक्र है.

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के रहने वाले 23 साल के कोलिन स्कॉट अपनी बहन सैबल के साथ तैराकी के लिए कोई जगह तलाश रहे थे. ऐसे में ये दोनों भाई-बहन अवैध तरीके से येलोस्टोन नेशनल पार्क के उस एरिया में चले गए, जहां पर जाना प्रतिबंधित था. वहां बोर्डवॉक पर साफ-साफ खतरे का निर्देश भी लिखा हुआ था. चेतावनी वाले बोर्ड को पढ़ने के बावजूद ये लोग आगे बढ़ते चले गए. इस दौरान ये लोग वीडियो भी बना रहे थे. जब बोर्डवॉक से ये दोनों उतर रहे थे, तभी कॉलिन का पैर फिसल गया और वो सीधे खौलते पानी के झरने में जा गिरा. चूकि उस झरने का पानी अम्लीय होने के साथ-साथ खौल रहा था, ऐसे में कॉलिन की तुरंत मौत हो गई और उसकी बॉडी भी गल गई. 2016 की इस घटना के रिपोर्ट में लिखा है, "स्मार्टफोन ने उस क्षण को रिकॉर्ड कर लिया, जब वह फिसलकर पूल में गिर गया. सैबल अपने भाई को बचाने का प्रयास भी करती नजर आई. वो तुरंत भागकर पार्क के रेंजर्स के पास गई. जब वो वापस लौटी तो काफी देर हो चुकी थी.

खाते-खाते मर गई लड़की, लाखों लोगों ने लाइव देखी मौत!

300 किलो हो चुका था वज़न, एक बार में खा जाती थी 10किलो खाना ...

हर कोई अपने मुताबिक अपनी ज़िंदगी को सेट करता है. अपनी पढ़ाई और प्रतिभा के मुताबिक वो अपने लिए कुछ ऐसा क्षेत्र चुनता है, जिसमें उसका मन भी लगे और ज़िंदगी जीने के लिए पैसे भी मिलते रहें. कोई एक्टिंग, कोई सिंगिंग, कोई खेल तो कोई दूसरा प्रोफेशन चुनकर अपने लिए अच्छी लाइफस्टाइल तैयार करता है. हालांकि आजकल सोशल मीडिया के आने के बाद लोगों के शौक और पैसे कमाने के तरीके भी बदले हैं. दुनिया में लोगों ने पैसे कमाने से अलग-अलग तरीके अपना रखे हैं. पैन शाओटिंग नाम की एक लड़की इसी कोशिश में लाखों लोगों के सामने खाते-खाते मर गई. ये 24 साल की लड़की चीन की रहने वाली है और वो खाते हुए लाइव स्ट्रीमिंग करती थी. हाल ही में उसकी एक स्ट्रीमिंग के दौरान ही उसकी मौत हो गई. पैन शाओटिंग एक मुकबांग लाइव स्ट्रीमर थी, यानि वो एनफ्लुएंसर्स, जो कैमरे के सामने तरह-तरह का खाना खाकर लोगों का मनोरंजन करते हैं. वो पहले एक वेट्रेस थी और उसने साइड हसल के तौर पर ये काम शुरू किया था. जब उसकी पॉपुलैरिटी बढ़ने लगी, तो उसने अपनी नौकरी छोड़कर फुल टाइम यही काम शुरू कर दिया. उसके घरवालों को उसकी सेहत की चिंता होने लगी तो उसने अपनी स्ट्रीमिंग के लिए अलग से स्टूडियो ले लिया. उसे इस काम से अच्छा पैसे और गिफ्ट्स मिलते थे. पैन शाओटिंग ने करियर बढ़ने के साथ ही अपने चैलेंज भी एक्स्ट्रीम कर दिए. उसे अपने इस प्रोफेशन की वजह से कई बार अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ा. मौत के वक्त उसका वज़न 300 किलो यानि 3 क्विंटल हो चुका था.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 23 जुलाई, 2024

सुविचार

दुख और विपदा जीवन के दो ऐसे मेहमान हैं, जो बिना निमंत्रण के ही आते हैं।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की

तेलंगाना को केंद्रीय सहायता और लंबित बकाया राशि जारी करने की मांग की

नई दिल्ली, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना के तहत प्रतिष्ठित मूसी रिवरफ्रंट विकास परियोजना के लिए 10,000 करोड़ रुपये आवंटित करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को 55 किलोमीटर लंबे मूसी नदी विकास परियोजना के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी, जिसे देश में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर शुरू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आज (सोमवार) दिल्ली में केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, हरदीप सिंह पुरी और प्रहलाद जोशी से मुलाकात की। आधिकारिक बैठक में सीएम ने केंद्रीय मंत्रियों के ध्यान में विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दे लाए। सीएम रेवंत रेड्डी ने जल शक्ति मंत्री को बताया कि राज्य सरकार ने हैदराबाद में गंदे पानी से भरी और दुर्गंध फैलाने वाली मूसी नदी को साफ करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने पाटिल से मूसी सफाई परियोजना, बाढ़ के पानी की नहरों के निर्माण, नदी के स्तर को ऊपर

उठाने और नदी के सौंदर्यीकरण के लिए केंद्रीय सहायता बढ़ाने की अपील की। चूंकि केंद्र राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना के तहत दक्कन के पठार में नदियों के संरक्षण और विकास की योजना बना रहा है, इसलिए सीएम ने केंद्रीय मंत्री से मूसी सफाई परियोजना के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री से हैदराबाद में उस्मान सागर और हिमायत सागर जल निकायों को गोदावरी नदी के पानी से भरने के लिए जलाशयों के निर्माण के लिए 6,000 करोड़ रुपये मंजूर करने का भी अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रसिद्ध दो जल निकाय हैदराबाद की प्यास बुझाएंगे और गोदावरी के पानी से मूसी नदी को भरकर उसे पुनर्जीवित भी करेंगे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सीआर पाटिल से जल जीवन मिशन के तहत तेलंगाना को धनराशि जारी करने की अपील की। 2019 के आंकड़ों के अनुसार, 77.60 प्रतिशत घरों में नल का पानी मिल रहा है और राज्य सरकार द्वारा हाल ही में किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि 7.85 लाख घर नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित पेयजल आपूर्ति से वंचित हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि पीएमएवाई (शहरी) और ग्रामीण के तहत निर्मित घरों के साथ-साथ 7.85 लाख घरों में नल का पानी कनेक्शन प्रदान करने के लिए 16,100 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के ध्यान में लाया कि 2019 में शुरू किए गए जल जीवन मिशन के माध्यम से राज्य को अभी तक धनराशि जारी नहीं की गई है और इस वर्ष से धनराशि तुरंत जारी करने का अनुरोध किया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, राज्य के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी, खम्मम के सांसद रामसहायम रघुरामी रेड्डी, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, मुख्यमंत्री के सचिव चंद्रशेखर रेड्डी, तेलंगाना भवन के रेजिडेंट कमिश्नर गौरव उप्पल भी मौजूद हैं। सीएम रेवंत रेड्डी ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से तेलंगाना में तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को 500 रुपये की गैस आपूर्ति सब्सिडी का अग्रिम भुगतान करने की सुविधा प्रदान करने की अपील की। सीएम ने संसद में पेट्रोलियम मंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि उनकी सरकार ने महालक्ष्मी योजना के तहत 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति शुरू की है और राज्य से ओएमसी को सब्सिडी का अग्रिम भुगतान करने का अनुरोध किया है। गैस एजेंसियों से पहले ही सब्सिडी राशि का अग्रिम भुगतान करके 500 रुपये में गैस सिलेंडर की आपूर्ति करने का अनुरोध किया गया था, लेकिन आपूर्ति करने वाली कंपनियों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी। वर्तमान में, उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए पूरी राशि का भुगतान करने के बाद ही सब्सिडी मिल रही है और इससे गरीब लाभार्थियों के लिए समस्याएं पैदा हो रही हैं, सीएम ने केंद्रीय मंत्री से ओएमसी को गैस सिलेंडर पर सब्सिडी के अग्रिम भुगतान की उनकी मांग को स्वीकार करने का निर्देश देने का आग्रह किया।

अपराध मुक्त समाज के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : सुधीर बाबू

पुलिस को सिविल विवादों से दूर रहने की सलाह

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने आज कमिश्नर कार्यालय, नेरडमेट में डीसीएसपी, एडिशनल डीसीएसपी, एसीएसपी और इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों के साथ एक विशेष समीक्षा बैठक की। सभा को संबोधित करते हुए कमिश्नर ने राचकोंडा के पुलिस कर्मियों को अपनी महान जिम्मेदारियों का पालन करने और नागरिकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करना जारी रखने का निर्देश दिया। सीपी ने अधिकारियों को जांच की प्रक्रिया में उन्नत तकनीक अपनाने और सीसीटीवी कैमरों का उपयोग करने का निर्देश दिया। सीपी ने अधिकारियों को अंतरराज्यीय गिरोहों का पता लगाने और राचकोंडा में पिछले इतिहास वाले अपराधियों की गतिविधियों के बारे में सतर्क रहने और उन्हें फिर से अपराध करने से रोकने के लिए एहतियाती उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे विभिन्न समस्याओं को लेकर पुलिस के पास आने वाले पीड़ितों के साथ मित्रवत व्यवहार करें। उन्होंने स्पष्ट पुलिसिंग के महत्व पर प्रकाश डाला तथा पीड़ितों तक कम से कम समय में पहुंचने के आदेश दिए। अधिकारियों को पैदल गश्त बढ़ाने तथा साइकिल से भी गश्त करने के निर्देश दिए। सीपी ने कहा कि उच्च अधिकारी नियमित अंतराल पर थानों का निरीक्षण करें तथा अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रयासों को पुरस्कृत किया जाएगा तथा उन्हें अनदेखा नहीं किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि विशेष विशेषज्ञता, रुचि तथा अनुभव वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को संबंधित विभागों में भी काम करने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने पुलिस को दीवानी विवादों में न उलझने की चेतावनी दी। उन्होंने पुलिस कर्मियों को अपने कर्तव्यों के प्रति पारदर्शी, ईमानदार व जवाबदेह होने तथा कानून के दायरे में काम करने की सलाह दी। सीपी ने कर्मचारियों, जांच अधिकारियों व न्यायालय निगरानी अधिकारियों को अधिकतम सजा दर प्राप्त करने के लिए प्रभावी ढंग से काम करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को जांच में तेजी लाने तथा अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए पुख्ता सबूत एकत्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों को दुर्घटना विश्लेषण एवं रोकथाम दल गठित करने तथा अन्य सरकारी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर निवारक उपाय करने के निर्देश दिए। सीपी ने दोहराया कि समाज से नशे की बुराई को समाप्त करने की आवश्यकता है तथा कहा कि नशे तथा अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थों के सेवन से युवाओं का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य नष्ट हो रहा है, जिसका असर अंततः उनके भविष्य पर पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों को नशे की आपूर्ति श्रृंखला में शामिल व्यक्तियों पर पीडी अधिनियम लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसओटी कर्मचारियों के अलावा एसओटी में काम करने का पूर्व अनुभव रखने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशे की आपूर्ति करने वाले गिरोहों को रोकना अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। सीपी ने अधिकारियों को युवाओं में नशे के सेवन के दुष्परिणामों के बारे में जागरूकता लाने तथा उन्हें नशे की ओर प्रवृत्त होने से रोकने के लिए कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

सीपी ने अधिकारियों को बाजार में नकली बीजों की बिक्री को नियंत्रित करने के लिए छापेमारी करने के निर्देश दिए। सीपी ने उल्लेख किया कि बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाने की आवश्यकता है तथा विभिन्न ऑनलाइन धोखाधड़ी के माध्यम से पीड़ितों द्वारा खोए गए धन की वसूली के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है।

लाइनमैन की करंट लगने से मौत

मेदक, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह अल्लादुर्गम के वेंकटरावपेट गांव में ट्रांसफार्मर पर काम करते समय एक लाइनमैन की बिजली गिरने से मौत हो गई। रेड्डीपल्ली निवासी टी गणेश (32) कथित तौर पर सबस्टेशन से अनुमति लिए बिना ट्रांसफार्मर पर काम कर रहे थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया। अल्लादुर्गम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पोन्नम ने केंद्रीय बजट में तेलंगाना के लिए अधिक धनराशि आवंटित करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने केंद्र से केंद्रीय बजट में पर्याप्त धनराशि आवंटित करके तेलंगाना राज्य के विकास के लिए अपना सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया है।

सोमवार को यहां सचिवालय मीडिया सेंटर में मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि पिछले दस वर्षों में तेलंगाना के

साथ अन्याय हुआ है और तेलंगाना राज्य से संबंधित बकाया कुछ वर्षों से लंबित है। "केंद्रीय बजट में पर्याप्त धनराशि आवंटित की जानी चाहिए और तेलंगाना राज्य के सभी जिलों के साथ न्याय किया जाना चाहिए।

स्मार्ट सिटी परियोजना, पेंशन और राशन कार्ड के कोटे में वृद्धि, इंदिराम्मा घर, नवोदय और सैनिक स्कूल, बय्यारम स्टील फैक्ट्री और सिंचाई परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन सहित कई लंबित मांगों को तुरंत संबोधित किया जाना चाहिए।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी से बजटीय आवंटन बढ़ाने और तेलंगाना राज्य से संबंधित सभी लंबित मुद्दों को हल करने के लिए पहल करने का भी आग्रह किया। हम तेलंगाना राज्य के विकास के लिए विपक्षी दलों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं।

बारिश के बीच स्कूल की छुट्टी की अपील

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में लगातार हो रही बारिश के कारण हैदराबाद के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के माता-पिता अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए 3 दिन की स्कूल छुट्टी की मांग कर रहे हैं। हैदराबाद में पिछले सप्ताह लगातार बारिश हुई, जिसके कारण बड़े पैमाने पर बाढ़ और व्यवधान उत्पन्न हो गया। हैदराबाद में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश के पूर्वानुमान के कारण येलो अलर्ट जारी किया गया है। तेलंगाना में भारी बारिश के बीच कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। अभिभावकों का तर्क है कि वर्तमान मौसम की स्थिति के कारण गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, जिसमें परिवहन मार्ग की समस्या और हैदराबाद में स्कूलों से आने-जाने वाले छात्रों के लिए संभावित स्वास्थ्य संबंधी खतरा शामिल है।

हैदराबाद के एक स्कूल में दूसरी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र के माता-पिता ने कहा कि लगातार बारिश के बीच हर रोज स्कूल जाना हमारे बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। तेलंगाना सरकार को बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पहले से ही छुट्टी घोषित कर देनी चाहिए।

बिजली गिरने से एक ही परिवार के 3 की मौत

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सनथनगर स्थित अपार्टमेंट में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई।

यह घटना सनथनगर के चेक कॉलोनी स्थित आकृति अपार्टमेंट में हुई। पीड़ितों की पहचान 54 वर्षीय पी वेंकटेश, 50 वर्षीय माधवी और 30 वर्षीय हरि के रूप में हुई है। पुलिस को उम्मीद है कि परिवार का एक सदस्य पहले बिजली के झटके से झुलस गया और अन्य सदस्यों की मौत पीड़ित को बचाने के प्रयास में हुई।

पांचवीं कक्षा की छात्रा का उत्पीड़न

शिक्षक और स्कूल के खिलाफ शिकायत दर्ज

मंचेरियल, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विद्यार्थी उद्यम वेदिका के सदस्यों ने अधिकारियों से ऑक्सफोर्ड हाई स्कूल के एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की, उन्होंने नासपुर मंडल के कोल केमिकल कॉम्प्लेक्स (सीसीसी) कॉलोनी में एक छात्रा के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। उन्होंने सोमवार को यहां कलेक्टर कुमार दीपक के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। चिप्पाकुर्थी श्रीनिवास ने शिकायत में कहा कि यह खेदजनक है कि जिले में एक छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न हुआ।

श्रीनिवास ने मांग की कि शिक्षक बेनी पर पहले से ही कक्षा 5 की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप है। उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए और स्कूल की मान्यता रद्द की जानी चाहिए। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी यादैया को घटना की जांच करने और दोषी पाए जाने पर स्कूल के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

तेलंगाना आएंगे कांग्रेस के शीर्ष नेता

मुख्यमंत्री ने किया आमंत्रित * कृषि ऋण माफी कार्यक्रम में होंगे शामिल

नई दिल्ली, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को यहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की और उन्हें राज्य के कृषि ऋण माफी कार्यक्रम पर केंद्रित वारंगल में एक सार्वजनिक बैठक के लिए आमंत्रित किया। बैठक में, जो राज्य सरकार द्वारा 18 जुलाई को ऋण माफी योजना के प्रथम चरण की शुरूआत के तुरंत बाद हो रही है, रेड्डी ने वारंगल के प्रतीकात्मक महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वारंगल में प्रस्तावित सार्वजनिक बैठक के लिए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से भी मुलाकात की। तेलंगाना सरकार पहले ही किसानों के बैंक खातों में 6,098 करोड़ रुपये जमा कर चुकी है, जिसमें प्रारंभिक चरण में 1 लाख रुपये तक का ऋण शामिल है। यह योजना तीन चरणों में लागू की जाएगी, दूसरे चरण में जुलाई के अंत तक 1.5 लाख रुपये तक के ऋण देने का लक्ष्य है, तथा अंतिम चरण में अगस्त में 2 लाख रुपये तक के ऋण देने का लक्ष्य है।

राज्य में तीन दिनों तक बारिश की संभावना : शांति कुमारी

जिलाधिकारियों समेत अन्य अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि सभी जिलों के कलेक्टर सतर्क रहें क्योंकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन दिनों तक राज्य में बारिश की संभावना है। राज्य के मुख्यमंत्री पिछले एक सप्ताह से राज्य में हो रही भारी बारिश की लगातार समीक्षा कर रह हैं और जिलों में किसी भी तरह की जान-माल की हानि को रोकने के लिए उपाय करने का आदेश दिया है. कलेक्टरों को पहले से ही पुनर्वास केंद्र स्थापित करने के लिए कदम उठाने और पुलिस, सिंचाई, पंचायत राज, अग्निशमन विभाग, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य विभागों के साथ समन्वय में काम करने की सलाह दी गई थी।

इस टेलीकांफ्रेंस में डीजीपी जितेंद्र और योजना विभाग के प्रधान सचिव संदीप सुल्तानिया भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि राज्य में बारिश के कारण कई तालाब और पोखर भर गये हैं, इनके कटने से पहले एहतियाती कदम उठाये जाने चाहिए। उन्होंने कहा, पहले से ही एहतियात के तौर पर भद्राद्रि कोत्तागुडेम और मुलुगु जिलों में एनडीआरएफ टीमें गठित की गई हैं।

उन्होंने कहा कि सभी जिलों में विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किये जाएं। सीएस ने जिला कलेक्टरों को सलाह दी कि यदि उन्हें किसी तत्काल सहायता की आवश्यकता

हो तो वे किसी भी समय उनसे संपर्क करें। एहतियाती कदम मुख्य रूप से निचले इलाकों, तालाब के तटबंधों और अन्य क्षेत्रों में उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि उन क्षेत्रों में उपयुक्त बंदो बस्तु की स्थापना की जानी चाहिए ताकि कोई भी गंदे नालों को पार न कर सके। डीजीपी जितेंद्र ने बताया कि राज्य के सभी पुलिस कमिश्नर और एसपी जिला कलेक्टर और अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ समन्वय में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है और सभी पुलिस अधिकारी मैदानी स्तर पर निगरानी कर रहे हैं. योजना विभाग के प्रधान सचिव संदीप सुल्तानिया ने बताया कि अगले तीन दिनों तक राज्य के कई जिलों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश की संभावना है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री की कार की टक्कर से महिला की मौत

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हनुमाकोंडा जिले में पूर्व बीआरएस विधायक टी राजैया की कार की कथित तौर पर टक्कर लगने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब महिला शनिवार रात जिले के माडीकोंडा में चार लेन वाली सड़क पार कर रही थी। कार को ड्राइवर चला रहा था। कार में बैठे राजैया ने कुछ दूरी पर जाकर कार रुकवा ली, क्योंकि उनकी मौजूदगी से कोई अप्रिय स्थिति पैदा हो सकती थी। पीड़िता के पति ने मडीकोंडा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सीएम रेवंत, श्रीधर बाबू अगस्त में शुरू करेंगे दूसरा वैश्विक दौरा

निवेश पर रहेगा लक्ष्य

दूसरी यात्रा सियोल से होगी शुरू

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, आईटी मंत्री श्रीधर बाबू और अन्य कैबिनेट मंत्रियों के साथ, 3 से 11 अगस्त तक तेलंगाना में निवेश के लिए दूसरे दौर के अंतर्राष्ट्रीय दौरे पर जाएंगे। रेवंत रेड्डी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली यात्रा स्विट्जरलैंड के दावोस और जनवरी 2024 में यूनाइटेड किंगडम की गई थी। दूसरे अंतर्राष्ट्रीय यात्रा कार्यक्रम में दक्षिण कोरिया का सियोल तथा अमेरिका के न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क और डलास शहर शामिल हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी के अलावा, तेलंगाना में इलेक्ट्रिक वाहनों, जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा के विकास के लिए निवेश की योजना बनाई गई है। एक सूत्र ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी तेलंगाना सरकार की प्राथमिकताओं की सूची में है। सितंबर में तेलंगाना सरकार द्वारा एक वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा और उस उद्यम के लिए अधिकतम संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय यात्राओं से घरेलू राजनीतिक प्रभाव :

राजनीतिक रूप से, इस बात पर काफी चर्चा हो रही है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी किस प्रकार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं और इसका राज्य के राजनीतिक माहौल पर क्या प्रभाव पड़ेगा? राजनीतिक पंडित सवाल उठा रहे हैं कि क्या भारत राष्ट्र समिति के पूर्व आईटी मंत्री केटी रामाराव के कामकाज और कांग्रेस की यात्राओं के बीच तुलना की जा रही है। एक सूत्र ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री की मौजूदगी निवेशकों का भरोसा बढ़ाती है और उन्हें प्रगति के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता दिखाती है। इससे तत्काल निर्णय लेना भी आसान हो जाता है।

ऐसी अफवाहें हैं कि यह दिखाने का भी प्रयास किया जा रहा है कि न केवल बीआरएस बल्कि कांग्रेस को भी निवेश मिल सकता है। एक सूत्र ने कहा कि यह एक राजनीतिक प्रचार है। केटीआर या पिछली बीआरएस सरकार के साथ प्रतिस्पर्धा करने का कोई सवाल ही नहीं है। कांग्रेस सरकार को राज्य की आर्थिक स्थिति का स्पष्ट अंदाजा है और उसका प्रयास राज्य को वित्तीय संकट से बाहर निकालना है।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि हमने अपने चुनाव घोषणापत्र में रोजगार का वादा किया है। हमें बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने के लिए नई कंपनियों और व्यवसायों की स्थापना की आवश्यकता है। इसका फोकस राज्य में नए और विकासशील क्षेत्रों के लिए निवेश लाने पर होगा। एक सूत्र ने बताया कि कवर किए जाने वाले क्षेत्रों के आधार पर निर्णय लिया जाएगा। टीम में सीएम रेवंत रेड्डी के दल के अलावा मंत्री और अधिकारी भी शामिल होंगे।

सामुदायिक भवनों में बुनियादी ढांचा बनाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए : जीएचएमसी आयुक्त

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त अम्रपाली काटा ने संबंधित अधिकारियों को शहर में मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने और बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए सख्त सावधानी बरतने का निर्देश दिया है। सोमवार सुबह कमिश्नर आम्रपाली ने जोनल कमिश्नरों और एडिशनल कमिश्नरों के साथ टेलीकांफ्रेंस की और कई मुद्दों पर दिशा-निर्देश दिए। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए मच्छरों के प्रजनन वाले स्थानों पर गंबूजिया और तेल की गोलियां लगाने का आदेश दिया गया। मच्छरों की रोकथाम के लिए प्रत्येक शुक्रवार को सूखा दिवस मनाने और बरसात के मौसम में डेंगू, चिकन गुनिया, टाइफाइड, डायरिया, विषाक्त बुखार जैसी मौसमी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए लोगों के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाने की सलाह दी गई है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे लोगों को बिना किसी असुविधा के स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं और यदि मलेरिया, डायरिया और डेंगू जैसी बीमारियों का प्रकोप हो तो ऐसे

क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवारक उपाय करें। साफ-सफाई ठीक से हो इसके लिए नियमित रूप से निगरानी करने की सलाह दी जाती है ताकि साफ-सफाई की समस्या उत्पन्न न हो। सभी संबद्ध विभागों के पदाधिकारियों को समन्वय बनाकर काम करने का आदेश दिया गया। अधिकारियों को तत्काल गड्ढों को भरने का निर्देश दिया गया ताकि जनता को परेशानी न हो। संबंधित अधिकारियों को अन्नपूर्णा भोजन केंद्रों पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया है। संबंधित अधिकारियों को सामुदायिक भवनों की मरम्मत और न्यूनतम सुविधाओं के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने की सलाह दी गई है।

बीआरएसएलपी की बैठक आज होगी

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा सत्र के संदर्भ में भारत राष्ट्र समिति विधायक दल (बीआरएसएलपी) की बैठक मंगलवार को तेलंगाना भवन में होगी। पार्टी नेतृत्व, जिसने सभी विधायकों और एमएलसी को बैठक में उपस्थित होने का आदेश जारी किया था, बजट सत्र में अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा करेगा। राज्य विधानसभा का बजट सत्र मंगलवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के उद्घाटन भाषण के साथ शुरू होगा। राज्यपाल के भाषण के पूरा होने के बाद, सत्र अगले दिन के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार की अध्यक्षता में होने वाली बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की बैठक में विधानसभा की तारीखों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

बिहार को नहीं मिलेगा विशेष राज्य का दर्जा

> लोकसभा में सरकार ने 2012 की रिपोर्ट का हवाला देकर मांग खारिज की

पटना, 22 जुलाई (एजेंसियां)। विशेष राज्य के दर्जे की मांग पर नीतीश सरकार को केंद्र से करारा झटका लगा है। केंद्र ने साफ किया है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता। जदयू सांसद रामप्रीत मंडल के सवाल पर केंद्र की तरफ से 22 जुलाई को संसद में जवाब दिया गया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने अपने जवाब में कहा कि विशेष राज्य का दर्जे के लिए राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) की तरफ से कुछ जरूरी पैमाने तय किए गए हैं। इसके तहत पहाड़, दुर्गम क्षेत्र, कम जनसंख्या, आदिवासी इलाका, अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर, प्रति व्यक्ति आय और कम राजस्व के आधार पर ही राज्य को विशेष राज्य का दर्जा दिया जा सकता है।

बिहार की मांग के बाद केंद्र की यूपीए सरकार ने 2012 में इसके अध्ययन के लिए मंत्रियों के ग्रुप का भी गठन किया था। इसकी रिपोर्ट में कहा गया था कि एनडीसी के क्राइटेरिया के तहत बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दे पाना संभव नहीं है। इसी को आधार बनाकर केंद्र ने एक बार फिर से बिहार सरकार की इस मांग को खारिज कर दिया। वहीं, रूटीन चेकअप के लिए दिल्ली पहुंचे लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार का इस्तीफा मांगा है। उन्होंने कहा कि नीतीश ने कहा था कि विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे। स्पेशल स्टेट का दर्जा तो हम लेकर रहेंगे।

लालू बोले-नीतीश इस्तीफा दें

ऑल पार्टी मीटिंग में जदयू ने उठाया था मुद्दा

राजद-जदयू समेत बिहार की कई पार्टियां विशेष राज्य के दर्जे की मांग को दोहराती रही हैं। वहीं, संसद के मानसून सत्र शुरू होने के पहले 21 जुलाई को ऑल पार्टी मीटिंग हुई थी। इसमें भी जदयू के राज्यसभा सांसद संजय झा ने इस मुद्दे को मजबूती से उठाया था। उन्होंने कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा हमारी पार्टी की शुरू से मांग है। अगर तकनीकी तौर पर इसमें कोई समस्या है तो बिहार को विशेष पैकेज जरूर मिले।

विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज दोनों चाहते हैं- मनोज झा

राजद के राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि हम बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज दोनों चाहते हैं। बिहार और झारखंड के बंटवारे के बाद से ही बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग हो रही है। इस मांग को कई लोग अवास्तविक बताते हैं। हम केंद्र सरकार की नीतियों में बदलाव चाहते हैं, जो बिहार को श्रम आपूर्ति का केंद्र मानता है।

अब समझिए, बिहार क्यों विशेष पैकेज और दर्जे की मांग कर रहा

बिहार के लिए स्पेशल स्टेटस की मांग नई नहीं है। 2005 में जब नीतीश पहली बार बिहार के सीएम बने थे, तब उनका कहना था कि झारखंड के बिहार से अलग होने के बाद बिहार एक पिछड़ा और गरीब राज्य बनकर रह गया है। उसके बाद से लगातार नीतीश बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग करते रहे हैं। 2009 के लोकसभा चुनाव के पहले नीतीश ने कहा था कि एनडीए और यूपीए में से जो भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के लिए तैयार होगा, हम उसका समर्थन करेंगे। बीते साल अक्टूबर में जब बिहार की नीतीश सरकार ने जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी किए, तब भी विशेष दर्जे की मांग दोहराई। 24 जनवरी 2024 को कर्पूरी ठाकुर की जयंती के मौके पर नीतीश ने कहा कि बिहार की तरक्की के लिए विशेष दर्जा दिए जाने की जरूरत है।

आरएसएस राजनीतिक पार्टी : मायावती

तल्खी दूर हो इसलिए भाजपा ने कर्मचारियों के शाखा जाने का प्रतिबंध हटाया, फैसला वापस ले

लखनऊ, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल वाले फैसले पर बसपा प्रमुख मायावती ने हमला बोला है। उन्होंने कहा- आरएसएस एक राजनीतिक पार्टी है। आरएसएस और भाजपा के बीच तल्खी दूर हो, इसलिए सरकार ने कर्मचारियों के शाखा में जाने पर लगा बैन हटाया है। केंद्र सरकार यह फैसला तुरंत वापस ले। 9 जुलाई को केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगे बैन को हटाया दिया था, तभी से विपक्ष भाजपा सरकार पर हमलावर है।

मायावती बोलीं-केंद्र का निर्णय देशहित से परे

सोमवार को बसपा प्रमुख ने एक्स पर 2 ट्वीट किए। उन्होंने लिखा- सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की शाखाओं में जाने पर 58 साल से जारी प्रतिबंध को हटाने का केंद्र का निर्णय देशहित से परे है। यह फैसला राजनीति और तुष्टीकरण से प्रेरित है। सरकारी नीतियों और इनके (भाजपा) अहंकारी रवैए से लोकसभा चुनाव के बाद दोनों के बीच (आरएसएस और भाजपा) तल्खी हो गई थी। इसको दूर करने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। आरएसएस की गतिविधियां राजनीतिक ही नहीं, बल्कि चुनावी भी रहे संघ की गतिविधियां राजनीतिक ही नहीं, बल्कि पार्टी विशेष के लिए चुनावी भी रही हैं। ऐसे में यह निर्णय अनुचित है। इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए।

मायावती ने कहा-सरकारी कर्मचारियों को संविधान और कानून के दायरे में रहना चाहिए और उन्हें निष्पक्षता के साथ जनकल्याण में काम करना चाहिए। कई बार प्रतिबंधित

यूपी में तीन आईएएस अफसरों के तबादले

लखनऊ, 22 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में तीन आईएएस अफसरों के तबादले किए गए है। आईएएस मनोज कुमार आरएफ़सी मुरादाबाद को अपर आयुक्त बरेली मण्डल बनाया गया है। इसी तरह आईएएस शैलेश कुमार वीसी मुरादाबाद विकास प्राधिकरण को आरएफसी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसी तरह आईएएस डॉ अखिलेश कुमार मिश्र विशेष सचिव पिछड़ा वर्ग कल्याण को संयुक्त राज्य निर्वाचन आयुक्त लखनऊ बनाया गया है।

दरोगा का गाली देते ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल

बेतिया में झूठे केस में फंसाने की दी धमकी, पीड़ित ने एसपी को आवेदन देकर लगाई न्याय की गुहार

बेतिया, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बेतिया के योगापट्टी थाने में तैनात एसआई मनोज कुमार का एक युवक को गाली देते हुए ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में स्पष्ट सुना जा रहा है कि युवक को भद्दी-भद्दी गालियां दी जा रही है। साथ ही उसे थाने से भगाया जा रहा है और झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दी जा रही है। ऑडियो वायरल होने के बाद पीड़ित युवक ने पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। सदर एसडीपीओ रजनीश कांत प्रियदर्शी ने बताया कि वायरल ऑडियो के बारे में जानकारी मिली है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

उच्च अधिकारियों तक पहुंचा वायरल ऑडियो

वहीं, जब वायरल ऑडियो के संबंध में एसआई मनोज कुमार से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि वायरल ऑडियो उनके उच्च अधिकारियों तक भी पहुंच चुका है। एसपी को भी मामले की जानकारी मिली है। दरोगा ने यह भी कहा है कि अश्लील भाषा का प्रयोग किया है। वह उस समय बाइक कांड में ज्यादा परेशान थे। इसलिए उनसे यह गलती हो गई। इधर, थानाध्यक्ष कंचन भास्कर ने बताया कि फतेहपुर गांव निवासी छोटेलाल गोड़ को हम लोग थाने बुलाकर उसको डांट रहे थे। पुलिस का भाषा आप लोग समझ ही रहें हैं। बाकी कोई बड़ा मामला नहीं है। पुलिस पर लगाया गया सभी आरोप बेबुनियाद व निराधार है।

रोहित के पिता बोले-अब किसी से उम्मीद नहीं

बलिया, 22 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस की लापरवाही से मेरे बेटे की हत्या हो गई। अब किससे कहूं, मेरे पास कहने को कुछ बचा नहीं है। एक ही बेटा था, जिस पर मेरी जिंदगी टिकी थी। बुढ़ापे का सहारा हत्यारों ने छीन लिया। कहता था पापा चिंता मत करिए, सब ठीक हो जायेगा। यह कहना है बलिया के बांसडीह में कोतवाली के सामने मारे गए रोहित के पिता दीप नारायण पांडेय का। इकलौते बेटे की हत्या के गम में गुमसुम बैठे दीप नारायण यह बताते हुए रुआंसे हो जाते हैं।

बलिया में कोतवाली के सामने एक रोहित नाम के युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। युवक पर हमला होते देख उसका दोस्त भागकर कोतवाली के भीतर पहुंचा। पुलिस वालों से कहा- वो गुंडे मेरे दोस्त को मार डालेंगे, बचा लीजिए। आरोप है कि कोई पुलिसकर्मी तुरंत हरकत में नहीं आया तो वह फिर बाहर दौड़ा आया।

गौसगंज बवाल : आरोपी इरशाद और बख्तावर के घरों पर चला बुलडोजर, तब हुई पूर्व प्रधान के बेटे की अंत्येष्टि

बरेली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बरेली के शाही थाना क्षेत्र के गांव गौसगंज में पुलिस प्रशासन ने बुलडोजर से कार्रवाई शुरू कर दी। सोमवार को सबसे पहले आरोपी इरशाद के घर पर बुलडोजर चला। इसके अवैध निर्माण को गिरा दिया गया। इसके बाद आरोपी पीआरडी जवान बख्तावर का घर गिराया गया। गांव में बनाया जा रहा एक धर्मस्थल भी गिराने की तैयारी की जा रही है। इस पर भी लाल निशान लगाया गया है।

19 जुलाई की रात एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के घरों पर पथराव कर दिया था। लाठी डंडे भी चले थे। इसमें पूर्व प्रधान हीरालाल के बेटे तेजराम समेत कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। तेजराम का बरेली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। रात साढ़े तीन बजे तेजराम की मौत हो गई।

सोमवार को सुबह शव पोस्टमार्टम हाउस पर भेजा गया।

ग्रामीणों ने तेजराम की अंत्येष्टि रोकी

दोपहर बाद शव गांव लाकर अंतिम संस्कार को ले जाया जा रहा था कि ग्रामीणों ने शव शमशान से पहले रख दिया और दोषियों पर कार्रवाई के बाद अंतिम संस्कार करने की बात कही। गांव में मौजूद एसपी साउथ और मीरगंज एसडीएम ने बुलडोजर पहले ही मंगवा रखा था। इसके साथ ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई। आरोप है कि इरशाद और बख्तावर दोनों ने भीड़ को उकसाकर पथराव कराया था। इसलिए इन पर कार्रवाई पहले की गई। उधर, मृतक के पिता हीरालाल ने बताया कि तेजराम शादीशुदा था और घटना के वक्त वह लोगों को झगड़ा न करने के लिए समझाने गया था। तेजराम की मौत के बाद गांव में तनाव के चलते पुलिस लगा दी गई है।

17 जुलाई को शुरू हुआ था विवाद

गौसगंज गांव में 17 जुलाई को विवाद शुरू हुआ था। मुहर्रम पर गांव में ताजिया घुमाया जा रहा था। तब एक समुदाय के लोगों ने ताजिया दूसरे समुदाय की बस्ती में ऐसी जगह रख दिया, जहां पहले कभी नहीं रखा गया। लोगों ने नई परंपरा बताकर ऐतराज जताया तो दूसरे पक्ष के लोग रंजिश मान बैठे। इसी रंजिश में 19 जुलाई की रात को भीड़ ने गांव के कुछ परिवारों पर हमला कर दिया। तोड़फोड़ और पथराव किया गया। हमले में घायल तेजराम ने उपचार के दौरान रविवार रात दम तोड़ दिया। इसकी खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया।

रामपुर में प्राइवेट व रोडवेज बस की आमने-सामने भिड़ंत, तीन की मौत

तुलसीपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। हरिद्वार से यात्रियों को लेकर सोमवार जमुनहा वापस लौट रही प्राईवेट बस की रामपुर में निगम की बस से आमने सामने भिड़ंत हो गई। घटना में जमुनहा तहसील क्षेत्र निवासी तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि 26 लोग घायल हो गए। जिन्हें आसपास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, घटना की सूचना के बाद परिजन निजी साधनों से घटनास्थल को रवाना हो गए। जमुनहा तहसील क्षेत्र से प्राइवेट बस यूपी 70 बीटी 0592 बुक कराकर 49 लोग बुधवार शाम शांतिकुंज हरिद्वार गए थे। जहां से सभी सोमवार को वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही बस रामपुर जिले के थाना मिलक नगर हाईवे स्थित भैरव बाबा मंदिर पहुंची तभी सामने से आ रही साहिबा बाग डिपो की बस यूपी 32 एमएन 8147 से आमने सामने भिड़ंत हो गई।

11 दोस्त गंगा नदी में डूबे, 4 की मौत

भागलपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भागलपुर में सावन की पहली सोमवारी पर बड़ा हादसा हुआ है। रविवार रात 1 बजे जल भरने गंगा घाट पर आए 11 दोस्त डूब गए। स्थानीयों ने सभी को बचाने की कोशिश की। इसमें गोताखोरों की मदद से सभी लड़कों को गंगा से बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक चार दोस्तों की मौत हो चुकी थी। वहीं, 7 लड़कों को बचा लिया गया है। भागलपुर के नारायणपुर प्रखंड अंतर्गत भवानीपुर थाना क्षेत्र के मधुरापुर गंगा जहाज घाट की घटना है। मृतक बच्चे नवगछिया थाना क्षेत्र के नया टोला के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि 11 दोस्त एकसाथ जल भरने गंगा घाट पर गए थे। मरने वालों में 2 नाबालिग हैं। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है।

राजद ने ऐसे बताया लालू-राबड़ी और नीतीश राज में फर्क

कहा-जदयू और भाजपा वाले जनता को गुमराह कर रहे

पटना, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में विपक्ष की भूमिका निभा रहा राष्ट्रीय जनता दल लगातार नीतीश सरकार पर हमला बोल रहा है। विशेष राज्य के मुद्दे पर पहले राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने एनडीए सरकार पर हमला बोला। सीएम नीतीश कुमार से इस्तीफ तक मांग लिया। अब राजद के प्रवक्ताओं ने प्रेस कांफ्रेंस कर नीतीश सरकार को फेल बता दिया है। इतना ही नहीं राजद नेताओं ने लालू-राबड़ी और नीतीश राज की तुलना भी कर दी। आंकड़ा जारी कर बताया कि भाजपा और जदयू के नेता झूठ और दुष्प्रचार को हथियार बना कर सत्ता में आये और फर्जी आंकड़े पेश कर लोगों को गुमराह करते आ रहे हैं। पर वे तथ्यों और सही आंकड़ों पर बहस नहीं कर सकते । राजद के प्रदेश कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को

संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश प्रवक्ता चित्तरंजन गगन, मृत्युंजय तिवारी एवं आरजू खान ने कहा कि भाजपा और जदयू के नकारात्मक और दुष्प्रचार की राजनीति का खमियाजा आज बिहार को भुगतना पड़ रहा है। कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। सुशासन सरकार और पुलिस हुक्मरानों द्वारा अपराध नियंत्रण पर हर दावे और उच्च स्तरीय समीक्षा के बाद भी राज्य में हत्या, अपहरण, लूट, डकैती, छेड़खानी और बलात्कार की एक श्रृंखला सी बन गई है। अब तो घर के अंदर भी लोग अपने को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। राह चलते सरेआम गोली मार दी जा रही है, विद्यालय का कैम्पस भी अछूता नहीं रहा।

नीतीश सरकार में क्राइम रेट 108 से बढ़कर 224 तक पहुंच गई

राजद प्रवक्ताओं ने कहा कि राज्य की वर्तमान सरकार की बुनियाद ही दुष्प्रचार, झूठे दावे और नकारात्मक सोच पर टिकी हुई। 1990 में लालू प्रसाद जी जब बिहार के मुख्यमंत्री बने थे उस समय बिहार का क्राइम रेट 145 था और जब राबड़ी देवी जी 2005 में मुख्यमंत्री पद छोड़ी उस समय बिहार का क्राइम रेट 108 था। स्पष्ट है कि राजद शासन काल में आपराधिक घटनाओं में भारी गिरावट दर्ज की गई। बिहार में जब एनडीए की सरकार बनी तो क्राइम रेट 108 से बढ़कर 224 तक पहुंच गई। वास्तविक स्थिती तो यह है कि राजद शासनकाल की तुलना मे एनडीए शासनकाल में सभी प्रकार के अपराधों में तीन से चार गुना की बढोत्तरी हुई है।

'सौहार्दमेवजयते', सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले अखिलेश यादव-मैंने कहा था ये लोग ऐसा ही करेंगे

पटना, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को बड़ा झटका दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ रूट पर दुकानदारों के नेम प्लेट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दुकानदार खाने का प्रकार लिखें और दुकानों पर उनका नाम लिखना जरूरी नहीं है। वहीं इस मुद्दे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तंज कसा है।

अखिलेश ने कहा- सौहार्दमेवजयते

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "एक नयी 'नाम-पट्टिका' पर लिखा जाए: सौहार्दमेवजयते!" इसके साथ ही अखिलेश यादव ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, "मैंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए और इस तरह की कार्रवाई को रोकना चाहिए। सरकार ऐसे कई कदम उठाएगी क्योंकि जब सांप्रदायिक राजनीति ख़त्म हो जाएगी तो ये लोग ऐसा ही करेंगे।" अखिलेश यादव ने नीट मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, "यह कैसे संभव है कि एक ही सेंटर पर इतने सारे छात्रों को इतने अंक मिलें। यह सरकार और उस संस्थान की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है जो इतनी बड़ी परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस सरकार ने पेपर लीक का एक रिकॉर्ड बनाया है।"

बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार सरकार का अनुपूरक बजट

सड़क-पुल बनाने पर सबसे ज्यादा खर्च

पटना, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून सत्र के पहले दिन वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश किया। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 47,512 करोड़ रुपये का अनुपूरक व्यय बजट सदन के पटल पर रखा। इसमें 25,551 करोड़ रुपये वार्षिक स्कीम मद में प्रस्तावित हैं। 21,954 करोड़ रुपये स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय मद में तथा 5.7284 करोड़ रुपये का प्रावधान केंद्रीय क्षेत्र स्कीम मद में किया गया है।

12,684 करोड़ रुपये का योजनावार प्रावधान किया गया

चालू वित्तीय वर्ष 2024-24 में वार्षिक स्कीम के राज्य स्कीम मद में कुल 12,684 करोड़ रुपये का योजनावार प्रावधान किया गया है। इनमें सर्वाधिक 2098 करोड़ रुपये सड़क एवं पुल परियोजनाओं के निर्माण पर खर्च किया जाएगा। बिहार में इन दिनों पुलों के गिरने, धंसने और जर्जर होकर झुकने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिसमें बजट के इस प्रावधान से काम किया जाएगा।

400 करोड़ रुपये बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के नाम पर रखे गए

इस बार अनुपूरक बजट में सबसे ज्यादा 1350 करोड़ रुपये ऊर्जा प्रक्षेत्र की विभिन्न योजनाओं के विकास के लिए रखे गए हैं। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने 885 करोड़ रुपये मेडिकल कॉलेज, अस्पताल एवं चिकित्सकीय संस्थान के निर्माण के लिए रखा है। सरकार ने 670 करोड़ मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना, 584 करोड़ सिंचाई सृजन, 525 करोड़ मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना, 400 करोड़ रुपये बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के नाम पर रखे हैं।

एक वीडियो ने 100 साल की 'दादी' को पहुंचाया घर

> अकेली हरिद्वार गई थी > भटकते हुए राजस्थान पहुंची > झांसी पहुंचने की कहानी

झांसी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। झांसी में घर से बिछड़ी 100 साल की 'दादी मां' को एक वीडियो ने परिजनों से मिला दिया। वे झूठ बोलकर घर से अकेली ही हरिद्वार चली गई थी। वहां गंगा में स्नान किया और फिर भटक गई। झांसी की जगह वह भटकते हुए राजस्थान पहुंच गई। उनको रोते-बिलखते देख नोएडा के एक व्यक्ति को दया आ गई। वे सिर्फ इतना बता पा रही थी कि मैं झांसी की रहने वाली हूं। शख्स ने उन्हें दिल्ली लेकर आया और एक वीडियो बनाया कि ये बुजुर्ग झांसी की रहने वाली हैं। मैं इनको कर्नाटक एक्सप्रेस की एसी-2 में बैठाकर झांसी भेज रहा हूं। परिजन इन्हें स्टेशन से ले लें। सोशल मीडिया पर वीडियो इस कदर वायरल हुआ कि ट्रेन के झांसी पहुंचने से पहले ही वीडियो परिजन तक पहुंच गया। वे स्टेशन पहुंचे और दादी को घर ले गए।

4 दिन पहले घर से निकली थी

100 साल की बुजुर्ग का नाम रति बाई है। वह कोतवाली थाना क्षेत्र के सराय मोहल्ले की रहने वाली हैं। उनके नाती जगदीश साहू ने बताया- दादी रति बाई भक्ति में लीन रहती हैं। वह रोजाना मंदिर जाती हैं। गुरुवार को वह घर पर मंदिर जाने की बात बोलकर गई थीं। इसके बाद वे लौटकर घर

नहीं आई। उनको खूब ढूंढ़ा, मगर कोई पता नहीं चल पाया। रविवार रात को एक वीडियो आया। तब पता चला कि दादी दिल्ली में हैं। उनको एक व्यक्ति ने कर्नाटक एक्सप्रेस में बैठा दिया। ट्रेन रात 2 बजे झांसी पहुंच रही थी। ऐसे में हम लोग स्टेशन पहुंचे। वहां पहले से ही 100 से ज्यादा लोग दादी को रिसीव करने के लिए खड़े थे। इसके बाद हम दादी को घर ले आए।

हरिद्वार से भटक गई रास्ता

नाती जगदीश साहू ने आगे बताया- झांसी से दादी हरिद्वार पहुंची। वहां गंगा नदी में स्नान किया और फिर वे झांसी आना चाहती थीं। लेकिन भटकते हुए राजस्थान के सालासर बालाजी पहुंच गई। लोहारू स्टेशन पर वह रो रही थीं। तब नोएडा के अनुज गुप्ता मिले गए। दादी ने उनको बताया कि वे झांसी की रहने वाली है। इसके अलावा कुछ नहीं बताया। अनुज उनको अपने साथ दिल्ली ले आए। 1.01 मिनट का एक वीडियो बनाया। इसमें अनुज कह रहे हैं 21 जुलाई को सालासर धाम से लौट रहा था। लोहारू स्टेशन पर एक दादी मिलीं। जो अपना घर भूल चुकी हैं। उनको सिर्फ यह पता है कि वे झांसी की रहने वाली हैं। उनको दिल्ली लाए और कर्नाटक एक्सप्रेस में बैठा रहे हैं। ये रात 2 बजे झांसी पहुंचेगी। ज्यादा से ज्यादा वीडियो फैलाए, ताकि झांसी तक वीडियो पहुंच जाए और परिजन उनको ले जाएं। झांसी रेल मंडल के पीआरओ मनोज कुमार सिंह ने बताया- अनुज ने वीडियो को रेलवे को भी शेयर किया। इसे रेलवे ने बहुत गंभीरता से लिया। झांसी के कई ग्रुप और संस्थाओं को वीडियो भेजा गया। इससे परिजन मिल गए।

पूजा खेडकर पर सवाल उठाकर घिरी तेलंगाना की आईएएस

यूपीएससी में दिव्यांग आरक्षण पर सवाल उठाया था

हैदराबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के चयन को लेकर उठे विवाद के बीच एक वरिष्ठ नौकरशाह ने सिविल सेवाओं में दिव्यांगों के लिए आरक्षण की जरूरत पर सवाल उठाया है। तेलंगाना वित्त आयोग की सदस्य सचिव स्मिता सभरवाल ने कहा कि जमीनी काम की मांग के कारण दिव्यांगों के लिए नौकरी करना कठिन हो जाता है।

स्मिता सभरवाल ने क्या कहा?

दिव्यांगों के प्रति पूरा सम्मान रखते हुए स्मिता सभरवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'क्या कोई एयरलाइन दिव्यांग को पायलट के काम पर रखती है? या आप दिव्यांग सर्जन पर भरोसा करेंगे।'

साल 2000 में तेलंगाना कैडर से आईएएस अधिकारी सभरवाल ने आगे कहा, 'आईएएस (आईएएस/आईपीएस/आईएफओएस) की एक फील्ड-जॉब वर्क है, लंबे समय तक काम करने वाले घंटे, लोगों की शिकायतों को सीधे सुनना है-जिसके लिए फिजिकल फिटनेस की जरूरत होती है। इस प्रीमियर सेवा को पहले स्थान पर इस कोटे की आवश्यकता क्यों है!'

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

सभरवाल की पोस्ट पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आई हैं, लेकिन एक यूजर ने आईएएस की बात से इत्तिफाक न रखते हुए उन दिव्यांग अधिकारियों का उदाहरण रखा, जिन्होंने अपने क्षेत्र में देश के लिए अहम योगदान दिया है।

शिवसेना सांसद ने किया पलटवार

शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'यह एक ऐसा दयनीय और बेकार दृष्टिकोण है। यह देखना दिलचस्प है कि नौकरशाह अपने सीमित विचारों और अपने विशेषाधिकार को कैसे दिखा रहे हैं।' एक अन्य पोस्ट में चतुर्वेदी ने कहा, 'मैंने नौकरशाहों को ईडब्ल्यूएस/नॉन क्रीमी लेयर या दिव्यांगता जैसे कोटे के दुरुपयोग की आलोचना करते नहीं देखा है और न ही सिस्टम में घुसने की, बल्कि विविधता और समावेश को बढ़ावा देने वाले आरक्षण को खत्म करने की आलोचना करते देखा है। मुझे नहीं पता कि सेवा में बिताए गए वर्षों की संख्या के बारे में आपका कहना आपके मुद्दे से कैसे प्रासंगिक है। फिर भी धन्यवाद।'

सभरवाल का जवाब

करुणा नंदी के ट्वीट पर जवाब देते हुए स्मिता सभरवाल ने लिखा, 'मैडम, मैं नौकरी की जरूरतों से पूरी तरह वाकिफ हूं। यहां मुद्दा जमीनी नौकरी के लिए उपयुक्तता का है। साथ ही, मेरा दृढ़ विश्वास है कि सरकार के भीतर अन्य सेवाएं जैसे डेस्क/थिंक-टैंक प्रकृति अच्छी तरह से अनुकूल है। कृपया निष्कर्ष पर न पहुंचें। कानूनी ढांचा समानता के अधिकारों की समग्र सुरक्षा के लिए है। इस पर कोई बहस नहीं है।'

'ज्ञान और विविधता की बहुत आवश्यकता'

सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील करुणा नंदी ने कहा, 'मुझे आश्चर्य है कि एक आईएएस अधिकारी दिव्यांगता के बारे में इतना अनभिज्ञ हो सकता है। अधिकांश दिव्यागों की सहनशक्ति या बुद्धिमत्ता पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। लेकिन यह पोस्ट दिखाता है कि ज्ञान और विविधता की बहुत आवश्यकता है।'

महिला की रीढ़ में छोड़ी थी 3 सेमी की सुई

> *अस्पताल मरीज को 5 लाख का मुआवजा देगा*

> *बेंगलुरु का 20 साल पुराना मामला*

बेंगलुरु, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एक अस्पताल में डॉक्टरों ने सर्जरी के दौरान एक महिला मरीज के रीढ़ की हड्डी में 3.2 सेंटीमीटर की सुई छोड़ दी। इससे महिला को पेट और पीठ में दर्द होने लगा। करीब 6 साल बाद जब दूसरे अस्पताल में महिला की सर्जरी हुई तो उनकी रीढ़ की हड्डी के पीछे से सुई निकली। मामला 2004 का है। इस केस में महिला की शिकायत के बाद 20 साल बाद कर्नाटक कंज्यूमर फोरम ने अस्पताल और सर्जरी करने वाले दो डॉक्टरों को महिला को 5 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

हर्निया की सर्जरी के दौरान डॉक्टरों की लापरवाही

29 सितंबर, 2004 को 46 साल की पद्मावती की दीपक अस्पताल में हर्निया की सर्जरी हुई। हालांकि, इसके बाद भी उन्हें पेट दर्द, कमर दर्द और ट्रॉमा का सामना करना पड़ा। इस दौरान वो दो बार अस्पताल में भर्ती भी हुईं। 2010 में जांच के दौरान पता चला कि उनकी रीढ़ में 3.2 सेमी की सर्जिकल सुई है। पद्मावती ने 2011 में कंज्यूमर फोरम में शिकायत दर्ज करवाई। हालांकि उस समय अस्पताल प्रशासन ने उनकी शिकायत को मनगढंत बताया। साथ ही 7 साल देरी से शिकायत दर्ज करने पर भी सवाल उठाए। मामले में अब दीपक अस्पताल और डॉ. शिवकुमार और डॉ. एचएन नागराज के खिलाफ लापरवाही करने पर कार्रवाई की गई है।

कर्नाटक स्टेट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन ने अस्पताल और दोनों डॉक्टरों को पद्मावती को मुकदमे की लागत के रूप में 50 हजार रुपए देने को कहा है। वहीं अस्पताल में लापरवाही के खतरों के लिए बीमा कराने वाली कंपनी न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 5 लाख रुपए का मुआवजा देना होगा।

क्या मंत्रालय और राजभवन के बाहर भी लगेंगे ठेले ? बॉम्बे हाईकोर्ट की तीखी टिप्पणी

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को अवैध हाथ ठेलों और फेरीवालों से हो रही समस्या दूर करने में असमर्थ पुलिस और अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि क्या ठेले वालों को मंत्रालय और राजभवन के बाहर खड़े होने की अनुमति दी जाए? हाईकोर्ट की न्यायाधीश एमएस सोनका और कमल खाता की खंडपीठ ने कहा कि अवैध फेरी वाले वाले और ठेले बड़ी समस्या बन रहे हैं। इसका स्थायी समाधान खोजने की जरूरत है। अधिकारी असहाय होने का दावा नहीं कर सकते। कोर्ट ने कहा कि इसे रोकने की जरूरत है। पिछले साल हाईकोर्ट ने शहर में अवैध फेरी वालों और ठेलों के मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने बृन्हमुंबई नगर निगम और पुलिस को अवैध फेरीवालों के खिलाफ की गई कार्रवाई और समस्या दूर करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने के लिए शपथ पत्र दाखिल करने के लिए कहा था। कोर्ट ने कहा कि अफसोस की बात है अधिकारी और पुलिस लोगों की अवैध फेरी वालों और हाथठेला वालों की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं करते। क्या अधिकारी चाहते हैं कि लोग रोज-रोज कोर्ट आएं? यह लोगों का उत्पीड़न है और पूरी तरह से गलत है। नगर निगम, पुलिस लोगों की शिकायत पर कुछ नहीं करते, तो ऐसे में एक आम आदमी को क्या करना चाहिए? कोर्ट ने कहा कि अवैध फेरी वाले पूरी बेशर्मी से घूमते रहते हैं और पीड़ित इसे कानून के जरिये रोकना चाहते हैं। अब क्या मंत्रालय और राजभवन के सामने इनको खड़े होने दिया जाए, जहां पूरी सुरक्षा है। तब यह सब रुकेगा? सोमवार को बीएमसी के वकील अनिल सिंह और सरकारी वकील पूर्णिमा कंथरिया ने शपथ पत्र दाखिल करने के लिए और समय मांगा। कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह गंभीर मामला है। अधिकारी अदालत के आदेश का पालन नहीं कर सकते, तो क्या अदालत को बंद कर देना चाहिए? कोर्ट ने शपथ पत्र दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का वक्त देते हुए 30 जुलाई को मामले की सुनवाई की अगली तारीख तय की।

नौसेना डॉकयार्ड पर जहाज में लगी आग पर पाया गया काबू

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड पर बड़ा हादसा हुआ। यहां मरम्मत के दौरान भारतीय नौसेना के जहाज में आग लग गई। हालांकि, बाद में आग पर काबू पा लिया गया। नौसेना ने कहा, 'मुंबई के नौसैन्य डॉकयार्ड में 21 जुलाई की शाम को एक भारतीय नौसेना के जहाज की मरम्मत के दौरान उसमें आग लग गई। जहाज पर नियमित रखरखाव कार्य करते समय जहाज के ड्यूटी स्टाफ को आग का पता चला। इसके बाद दमकल विभाग को आग लगने की सूचना दी गई। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।'

जांच के आदेश

भारतीय नौसेना ने एक बयान में कहा कि आग लगने की वजह का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए गए हैं। जहाज में ड्यूटी कर रहे कर्मी को मरम्मत कार्य के दौरान आग लगने का पता चला।

विभाग छिनने से मंत्री नागर नाराज, इस्तीफे की बात कही

बोले-पद ले लेने के बाद विकास और आदिवासी हितों की रक्षा नहीं कर पाऊंगा

भोपाल/आलिराजपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मंत्री नागर सिंह चौहान से वन एवं पर्यावरण विभाग लेकर मंत्री रामनिवास रावत को दिया गया है। विभाग छिनने से नाराज मंत्री नागर सिंह चौहान ने इस्तीफा देने की बात कही। उन्होंने सोमवार को मीडिया से कहा, 'मैं इस्तीफा दे दूंगा, क्योंकि मंत्री रहते हुए आदिवासी हितों की रक्षा नहीं कर पा रहा हूं।' मंत्री पद की शपथ लेने के 13 दिन रविवार को रामनिवास रावत को वन एवं पर्यावरण विभाग सौंपा गया। इस विभाग का जिम्मा मंत्री नागर सिंह चौहान के पास था। अब उनके पास अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ही रह गया है। बताया जा रहा है कि नागर सिंह इस बात से नाराज हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में नागर की पत्नी अनीता सिंह चौहान रतलाम-झाबुआ संसदीय क्षेत्र से सांसद चुनी गई हैं।

पद ले लेने के बाद विकास नहीं कर पाऊंगा

सोमवार को नागर सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा- अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, बड़वानी, धार, खरगोन के आदिवासी भाइयों ने मुझ पर बहुत भरोसा जताया है कि मैं उनके लिए विकास करूंगा, लेकिन सरकार द्वारा मेरे मुख्य पद ले लेने के बाद मैं विकास नहीं कर पाऊंगा। उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाऊंगा। उन्होंने आगे कहा- मेरे बिना मांगे मुझे तीन-तीन विभाग दिए गए थे, जबकि मैंने आदिवासी होने के नाते आदिवासी विभाग मांगा था। इसके बावजूद कांग्रेस से आए कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें पद दिए जा रहे हैं, जो कहीं न कहीं गलत है। अलीराजपुर जिला कांग्रेस का अभेद्य गढ़ रहा है। वहां हमने दिन-रात मेहनत करके काम किया है। मेरे विभाग ले लेने के बाद अब मंत्री बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

भोपाल में सीनियर लीडर्स से करेंगे मुलाकात

हालांकि, बाद में नागर सिंह ने कहा कि अभी इस्तीफे का मामला होल्ड पर है। वे पहले भोपाल में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे। उनकी बात नहीं सुनी जाती है तो इस्तीफा दे सकते हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- मंत्री जी नाराज हैं तो संगठन में बात रखेंगे

आलिराजपुर भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष मकू परवाल ने कहा, 'नागर का बयान मैंने भी सोशल मीडिया के माध्यम से देखा-पढ़ा है। मंत्री जी से चर्चा करके समन्वय से बात करेंगे। हम सब कार्यकर्ता हैं, संगठन के लोग हैं। अगर मंत्री जी की नाराजगी है तो हम संगठन के सामने बात रखेंगे। पता चला है कि मंत्री जी कहीं गए हुए हैं इसलिए बात नहीं हो पाई है।

वाल्मिकी घोटाले में पूर्व मंत्री नागेंद्र को झटका, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बैंगलूरू, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी नागेंद्र की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। उन्हें यहां की एक विशेष अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। बता दें, अदालत ने यह फैसला महर्षि वाल्मिकी जनजातीय विकास निगम में हुए कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में लिया है। बेल्लारी ग्रामीण कांग्रेस विधायक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में थे। आज उनकी हिरासत समाप्त होने के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां संघीय जांच एजेंसी ने और हिरासत की मांग नहीं की।

यह था मामला

कर्नाटक की महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम में लेखा विभाग के अधीक्षक चंद्रशेखर पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने एक सुसाइड नोट छोड़ा था। इसके बाद निगम में बड़ा घोटाला सामने आया। नोट में निगम के खाते से 187 करोड़ रुपये अवैध तरीके से ट्रांसफर किए गए। इसमें से 88.62 करोड़ रुपये आईटी कंपनी और हैदराबाद की एक सहकारी बैंक में अवैध रूप से भेजे गए। घोटाले का आरोप लगने के बाद अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र ने छह जून को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ईडी ने नागेंद्र से पूछताछ करने के बाद उन्हें 12 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया था।

सीएम सरमा ने पीएम मोदी से की मुलाकात

बैठक के दौरान बाढ़ की स्थिति से कराया अवगत

गुवाहाटी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। असम में बाढ़ की स्थिति में अब धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। राज्य के 11 जिलों में प्रभावित लोगों की संख्या घटकर 95 हजार हो गई है। इस बीच मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान राज्य की स्थिति से अवत कराया।

पीएम मोदी को दी बधाई

सीएम सरमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज प्रधानमंत्री मोदी का आशीर्वाद और मार्गदर्शन लेने का पूर्ण सौभाग्य मिला। बैठक के दौरान मैंने उन्हें असम में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी दी और हमारे लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को कम करने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों से उन्हें अवगत कराया। मैंने चल रहे विकास कार्यों की स्थिति पर भी चर्चा की। असम के लोगों की ओर से मैं एक बार फिर उन्हें ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।'

98 लोगों की गई जान

बता दें, इस साल बाढ़ में मरने वालों की संख्या 98 हो गई है, जबकि बाढ़, भूस्खलन, तूफान और आकाशीय बिजली गिरने से 113 लोगों की जान गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) बुलेटिन के अनुसार प्रभावित लोग 21 राजस्व सर्किलों के 345 गांवों के हैं। प्रभावित जिलों में मोरीगांव, कामरूप, धेमाजी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, डिब्रूगढ़, शिवसागर, नगांव, गोलाघाट, गोलपारा, जोरहाट और कछार शामिल हैं।

ये जिला हुए सबसे ज्यादा प्रभावित

सबसे बुरी तरह जो जिला प्रभावित हुआ वो नागांव था। यहां करीब 70,280 लोग प्रभावित हुए। इसके बाद गोलाघाट (12,321) और कछार (6,773) था। शनिवार तक 10 जिलों में प्रभावितों की संख्या 1.30 लाख थी। बाढ़ के पानी ने 6,467.5 हेक्टेयर से अधिक फसल भूमि को भी जलमग्न कर दिया। कुल 6,311 लोगों ने 35 राहत शिविरों में शरण ली है। बुलेटिन में कहा गया है कि धुबरी में ब्रह्मपुत्र खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि अन्य प्रभावित जिलों में यह घट रही है और खतरे के निशान से नीचे बह रही है। राज्य ने अब तक बाढ़ की दो लहरों का सामना किया है, जिससे राज्य के सभी 35 जिले प्रभावित हुए हैं। इसमें पहली लहर 28 मई से 13 जून तक थी, जबकि चल रही दूसरी लहर 16 जून से शुरू हुई थी।

कैश फॉर जॉब केस में विशेष कोर्ट का फैसला

एडीओ की नियुक्ति मामले में पूर्व एपीएससी अध्यक्ष समेत 31 दोषी

गुवाहाटी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के नौकरी के लिए नकदी घोटाले में विशेष अदालत के विशेष न्यायाधीश दीपांकर ठाकुरिया ने 2017 में भांगागढ़ पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में सबूतों के अभाव में 11 अन्य को बरी कर दिया, जबकि एक व्यक्ति सरकारी गवाह बना है।

न्यायाधीश ने अभी तक नहीं की सजा की घोषणा

पूर्व एपीएससी अध्यक्ष राकेश कुमार पॉल, आयोग के दो अन्य सदस्यों, बसंत कुमार डोले और समेदुर रहमान और अन्य अधिकारियों और बिचौलियों को कृषि विकास अधिकारियों की भर्ती परीक्षा में शामिल उम्मीदवारों के अंकों में हेराफेरी करने के मामले में दोषी ठहराया गया था। हालांकि न्यायाधीश ने अभी तक दोषी व्यक्तियों की सजा की घोषणा नहीं की है।

एक उम्मीदवार की शिकायत पर दर्ज हुआ था केस

बता दें कि इस मामले में नौकरी पाने में असफल रहे एक उम्मीदवार ने शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद एक मामला दर्ज किया गया था। जिसमें आरोप लगाया गया था कि वित्तीय लेनदेन के बदले दूसरे उम्मीदवार के अंक बढ़ाए गए थे। इससे पहले उन्होंने अंकों के सारणीकरण में बदलाव से संबंधित जानकारी के लिए एक आरटीआई दायर की थी और दावा किया था कि उन्होंने इसकी रिपोर्ट के आधार पर शिकायत दर्ज की थी।

भारत अपने सुखोई फाइटर जेट को कर रहा अपग्रेड

अगले 30 सालों तक दुश्मनों को आसमान में चटाएंगे धूल

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत अपने सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमानों को और भी शक्तिशाली बनाने की तैयारी में है। रक्षा मंत्रालय ने 84 सुखोई जेट के पहले बैच को अपग्रेड करने के लिए लगभग 63,000 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दे दी है। इस अपग्रेड के बाद ये सुखोई जेट अगले 30 साल तक आसमान में दुश्मनों को धूल चटा सकेंगे। इस अपग्रेड में जेट में अडवांस्ड रडार, बेहतर इलेक्ट्रॉनिक्स, लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार और मल्टी-सेंसर फ्यूजन जैसी कई खूबियां जोड़ी जाएंगी। इसके बाद ये सुखोई जेट पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को टक्कर दे पाएंगे। एक सूत्र ने बताया, 'ये अपग्रेडेड सुखोई जेट 2055 तक उड़ान भरते रहेंगे।'

क्यों जरूरी है सुखोई का अपग्रेड होना?

फिलहाल भारतीय वायुसेना के पास सिर्फ 30 लड़ाकू स्क्वाड्रन हैं, जबकि उसे चीन और पाकिस्तान दोनों से निपटने के लिए 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है। हर स्क्वाड्रन में 16-18 जेट होते हैं। ऐसे में इन सुखोई जेट का अपग्रेड होना बहुत ज़रूरी है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अगले 15 साल में इन 84 सुखोई जेट को अपग्रेड करेगा। सीसीएस से मंजूरी मिलने के बाद, इसके डिजाइन और विकास में सात साल लगेंगे। इसके बाद जेट को बैचों में अपग्रेड करके वायुसेना में शामिल किया जाएगा।

भारत के पास 259 सुखोई जेट

भारत के पास अभी 259 सुखोई जेट हैं, जो उसकी लड़ाकू क्षमता की रीढ़ हैं। इनमें से ज़्यादातर जेट एचएएल ने रूस से लाइसेंस लेकर बनाए हैं। इसके अलावा, दुर्घटनाग्रस्त हुए जेट की भरपाई के लिए 11,500 करोड़ रुपये में 12 नए सुखोई जेट और उनके उपकरण खरीदे जा रहे हैं। एक अन्य सूत्र ने बताया, 'अगले 15 साल में भारत के पास खुद का पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान एएमसीए (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) होगा। इसकी तकनीक का इस्तेमाल पहले 84 जेट के बाद अपग्रेड किए जाने वाले सुखोई जेट में किया जाएगा।'

सुखोई में लगाए जाएंगे स्वदेशी रडार

इस अपग्रेड में सुखोई जेट में स्वदेशी 'विरूपाक्ष' एईएसए रडार लगाए जाएंगे, जो मौजूदा रडार की तुलना में 1.5 से 1.7 गुना ज़्यादा दूरी तक दुश्मन के विमानों का पता लगा सकेंगे। इसके साथ ही जेट में लंबी दूरी तक मार करने वाले एएसटीआरए-3 एयर-टू-एयर मिसाइल भी लगाए जाएँगे, जो 350 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूरी तक मार कर सकते हैं। वायुसेना अभी 100 किलोमीटर तक मार करने वाली अस्त्र-1 मिसाइलों को शामिल कर रही है। वहीं डीआरडीओ 160 किलोमीटर तक मार करने वाली अस्त्र-2 और सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट प्रणोदन वाली अस्त्र-3 मिसाइल विकसित कर रहा है।

एक सूत्र ने बताया, 'फ्लाई-बाय-वायर सिस्टम को छोड़कर, अपग्रेड किए गए सुखोई जेट के सभी इलेक्ट्रॉनिक्स स्वदेशी होंगे। इसमें बेहतर एल्गोरिदम वाले तीनों मिशन कंप्यूटर शामिल हैं। कुल मिलाकर, अपग्रेड किए जाने वाले 51 सिस्टम में से 30 एचएएल द्वारा, 13 डीआरडीओ द्वारा और आठ निजी क्षेत्र द्वारा बनाए जाएंगे।' अभी 40 सुखोई जेट को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ले जाने के लिए भी अपग्रेड किया गया है। ब्रह्मोस की मारक क्षमता को पहले ही 290 से बढ़ाकर 450 किलोमीटर कर दिया गया है और जल्द ही इसके 800 किलोमीटर वाले वर्जन को भी शामिल किया जाएगा।

2 साल से लापता था शख्स, सरकारी विज्ञापन में दिखी तस्वीर तो हैरान हुए परिजन-अब पुलिस कर रही ये काम

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। 63 वर्षीय ज्ञानेश्वर विष्णु तांबे के दिसंबर 2021 में पुणे के शिरुर तालुका में अपने घर से चले जाने के बाद से उनके परिवार ने उन्हें न तो देखा है और न ही उनके बारे में सुना है। दो दिन पहले उनके परिवार के सदस्यों के अनुसार, सत्तारूढ़ शिवसेना के इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक विज्ञापन में उनके दिखाई देने के बाद, उनसे फिर से मिलने की उम्मीदें फिर से जगी हैं।

'महायुति' सरकार ने शुरू की थी "मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना"

महाराष्ट्र की 'महायुति' सरकार, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के अलावा बीजेपी और एनसीपी (अजीत पवार) शामिल हैं, ने पिछले सप्ताह "मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना" शुरू की। इसमें राज्य और बाहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों की तीर्थयात्रा के लिए वरिष्ठ नागरिकों को 30,000 रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जाती है। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ, राज्य सरकार और सीएम शिंदे की पार्टी इस योजना का जोरदार प्रचार कर रही है। ऐसा ही एक विज्ञापन ने गुरुवार को तांबे के बेटे भरत को आश्चर्य में डाल दिया। उन्होंने बताया कि उनके एक मित्र ने उन्हें व्हाट्सएप स्टेटस का स्क्रीनशॉट भेजा था, जिसे किसी ने पोस्ट किया था। भरत, जो वरुडे गांव से करीब 25 किलोमीटर दूर शिकारपुर में एक भोजनालय चलाते हैं, ने कहा, "मैंने स्क्रीनशॉट देखा और यकीन नहीं कर पाया। तीर्थ दर्शन योजना के विज्ञापन में मेरे पिता थे।" भरत ने बताया कि तीन साल तक उनका कहीं कुछ पता नहीं चलने पर उनके परिवार ने उनके मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी। भरत ने मुख्यमंत्री शिंदे से आग्रह किया कि "मेरे पिता को खोजकर उन्हें हमारे साथ फिर से मिला दें।" उन्होंने कहा, "अब हमें पक्का विश्वास है कि वह जीवित हैं और ठीक हैं। अब उनके फिर से मिलने की हमारी उम्मीदें बहुत बढ़ गई हैं।" पुलिस ने तांबे की तलाश शुरू कर दी है। शिकारपुर थाने के इंस्पेक्टर दीपरतन गायकवाड़ ने बताया कि पुलिस के संपर्क में आने के बाद भरत ने शनिवार रात को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 23 जुलाई- 2024

देर से ही सही, दुरुस्त आए

बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए सरकारी नौकरियों में 56 फीसद आरक्षण देने के हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए आरक्षण कोटा सिर्फ सात फीसद कर दिया गया है। इसमें स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को पांच फीसद आरक्षण मिलेगा जो पहले तीस फीसद तक था। बाकी दो फीसद कोटा एथनिक माइनारिटी, ट्रांसजेंडर और दिव्यांग को मिलेगा। अब 93 फीसद नौकरियां मेरिट के आधार पर भरी जाएंगी। लेकिन यह निर्णय आने से पहले आरक्षण की आग इतनी धधक चुकी थी कि उसमें 115 लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें कि बांग्लादेश में सरकारी नौकरी में स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा ले चुके लोगों के वंशजों को 30 फीसदी आरक्षण दिए जाने का प्रावधान था और 10 फीसदी महिलाओं के लिए आरक्षण रखा गया है। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन के हिंसक रुख अख्तियार कर लेने से वहां की सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई थी। वहां के युवा न तो पुलिस-प्रशासन की बात सुनने को तैयार थे और न ही प्रधानमंत्री शेख हसीना के अनुरोध और दलील का उन पर कोई असर हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान हिंसा से अब तक 115 लोगों की जान जा चुकी है और सैकड़ों घायल हुए हैं। हालात इस कदर बिगड़ गए कि पूरे देश में कर्फ्यू लगाना पड़ा और उग्र प्रदर्शनकारियों को 'देखते ही गोली मारने' के आदेश दे दिए गए थे। ऐसे में वहां रह रहे भारत, नेपाल और भूटान समेत अन्य देशों के लोगों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुतबिक, बांग्लादेश में करीब पंद्रह हजार भारतीयों के होने का अनुमान है। इनमें लगभग साढ़े आठ हजार विद्यार्थी हैं। अब तक एक हजार से अधिक भारतीय विद्यार्थी स्वदेश लौट आए हैं। केंद्र सरकार की ओर से बाकी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के प्रयास जारी हैं। इस बीच, बांग्लादेश-भारत सीमा पर सतर्कता बढ़ाने की मांग भी उठने लगी है। बांग्लादेश में हिंसक आंदोलन पर उतरे युवा उस व्यवस्था को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं, जिसके तहत वर्ष 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में लड़ने वाले पूर्व सैनिकों के आश्रितों को सरकारी नौकरियों में तीस फीसद तक आरक्षण का प्रावधान है। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि आरक्षण की इस व्यवस्था के जरिए प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थकों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। बताना जरूरी है कि शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी ने मुक्ति संग्राम आंदोलन का नेतृत्व किया था। प्रधानमंत्री शेख हसीना का कहना है कि युद्ध में भाग लेने वालों को सम्मान मिलना चाहिए, भले वे किसी भी राजनीतिक संगठन से जुड़े हों। बांग्लादेश सरकार और प्रदर्शनकारियों की दलीलें अपनी जगह हैं, लेकिन क्या अपनी मांगों को मनवाने की हिंसा ही एकमात्र उपाय है? जहां प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्वक अपनी बात सरकार के समक्ष रखनी चाहिए, वहीं सरकार को चाहिए कि सड़कों पर उतरे युवाओं को किसी तरह भरोसे में ले, ताकि हिंसा पर उतारू भीड को नियंत्रित कर शांतिबहाली की जा सके।

अमानवीयता - बंगलादेश में हिन्दू समुदाय पर बढ़ते हमले!

मनोज कुमार अग्रवाल

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ गया है. हिंदू समुदाय के लोगों को ल गा ता र निशाना बनाया जा रहा है साथ ही उनके धार्मिक स्थलों पर भी हमले किए जा रहे हैं. लोगों की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है. हिन्दू नाबालिग लड़कियों को अगुआ कर निकाह की वारदातों की झड़ी लगी है। हिन्दू मंदिरों और रिहायशी बस्तियों पर चरमपंथियों के हमले होना आम बात है। इस सब दमनकारी वारदातों में बंग्लादेश पुलिस और प्रशासन कारवाई के नाम पर सिर्फ लकीर पीटने का काम करता रहा है जिसके चलते कट्टरपंथियों के हौसले बुलंद है और अल्पसंख्यकों खासकर हिन्दू अल्पसंख्यकों का जीवन एक रिपोर्ट की माने तो पिछले एक साल में करीब एक हजार से ज्यादा ऐसे मामले आए हैं जहां अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया है, वहीं हिंसा में 45 लोगों की मौत हुई है। यह वही बंग्लादेश है जो 1971 के 'मुक्ति संग्राम' में पाकिस्तान की हार के बाद अस्तित्व में आया था। लेकिन बंगलादेश में भी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा पाकिस्तान की भांति ही अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्धों, ईसाइयों तथा अन्य अल्पसंख्यकों पर हिंसा जारी है।एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि पिछले सिर्फ एक साल में एक हजार से ज्यादा ऐसे मामले आए हैं जहां अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया है, वहीं हिंसा में 45 लोगों की मौत हुई है. बांग्लादेश हिंदू, बुद्धिस्ट, क्रिश्चियन ओइक्या परिषद ने एक रिपोर्ट पेश की जिसमें ये चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. इन्हीं सबको लेकर 12 जुलाई को ढाका नेशनल प्रेस क्लब के सामने हिंदुओं के कुछ समूह ने प्रदर्शन भी किया। बंग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें किस तरह नफरत की फसल तैयार करने में लगीं है इस का अंदाजा पिछले कुछ दिनों में सामने आई निम्न घटनाओं से लगाया जा सकता है। 16 फरवरी, 2024 को 'ब्राह्मणबारिया' जिले के 'पाइकपारा' इलाके में कुछ बदमाशों ने सरस्वती पूजा पंडाल पर हमला करके मूर्ति को तोड़ दिया तथा शिकायत दर्ज करवाने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की इसी दिन 'दिनाजपुर' जिले में एक विश्वविद्यालय में कुछ मुस्लिम छात्रों ने सरस्वती पूजा के मंडप में तोड़फोड़ की तथा एक अन्य घटना में 'पिरोजपुर' जिले में कुछ उपद्रवियों ने हिंदुओं के कई मकानों को आग लगा दी।वहीं 8 फरवरी को 'मौलवी बाजार' शहर में स्थित काली मंदिर की मूर्तियां तोड़ी गईं और आभूषण चुरा लिए गए।3 मार्च को कट्टरपंथी तत्व गोपालगंज में एक महिला पुजारी की हत्या करने के बाद देवी के मंदिर से सोना और गहने लूट कर ले गए। 22 मार्च को ' सिराजगंज' में उपद्रवी तत्वों द्वारा 'काली मंदिर' पर हमला करके कई मूर्तियां तोड़ दी गईं। 17 अप्रैल को 'बरीसल' में 'राधा-गोबिंद सेवाश्रम मंदिर' पर हमला करके तोड़-फोड़ की गई।23 अप्रैल को ढाका के निकट 'फरीदपुर' के 'पंचपल्ली काली मंदिर' में उपद्रवी तत्वों ने देवी की साड़ी में आग लगा दी।21 मई को 'मागुरा' शहर में स्थित मंदिर में तोड़फोड़ करने के बाद मंदिर तथा कुछ मकानों को आग लगाकर जला दिया गया। 26 मई को एक हिन्दू छात्र उत्सव कुमार 'ज्ञान' को ईश निंदा के आरोप में मुस्लिम भीड़ ने पकड़ कर बेरहमी से पीटा जिससे वह बेहोश हो गया। 10 जुलाई को हिन्दुओं पर हमले की नवीनतम घटना राजधानी ढाका की हिन्दू बहुल 'मीरांजिला कालोनी' में हुई जहां सत्तारूढ़ अवामी लीग के गुंडों ने हिन्दुओं के अनेक मकानों और मंदिर को क्षति पहुंचाने के अलावा कालोनी में रहने वाले हिन्दुओं पर हमला करके 60 से अधिक लोगों को घायल कर दिया जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। उपद्रवी तत्वों ने यह हमला उस समय किया जब अल्पसंख्यक हिन्दुओं के पुनर्वास के लिए ढाका में बनाई गई समिति के सदस्यों ने कालोनी का दौरा किया।

भाजपा - आरएसएस में पहले जैसा समन्वय अब भी जरुरी

अशोक भाटिया

भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी वाले दिन याद आ रहे हैं जब वे संघ से समन्वय बना कर चलते थे पर हाल के दिनों में संघ के कुछ नेताओं के व्यक्तव्यों के बाद 2024 की लोकसभा में ऐसा लगा कि वो समन्वय दूर हो गया है । भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि वाजपेयी के समय में पार्टी को खुद को चलाने के लिए आरएसएस की जरूरत थी क्योंकि उस समय भाजपा कम सक्षम और छोटी पार्टी हुआ करती थी। उन्होंने कहा था कि शुरू में हम अक्षम होंगे, थोड़ा कम होंगे, आरएसएस की जरूरत थी। आज हम बढ़ गए हैं। पहले से अधिक सक्षम हैं। भाजपा अब अपने आप को चलाती है। 2024 के चुनाव भाजपा पहले से कमजोर पड़ गई. तबसे भाजपा विरोधी दलों के निशाने पर है। पार्टी सत्ता में है तो लाज़मी है, विपक्ष कोई कसर छोड़ना नहीं चाहेगा, वो भी तब जब चुनाव में पूर्ण बहुमत ना मिला हो लेकिन क्या यही वजह है कि भाजपा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के निशाने पर भी है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से पार्टी का अस्तित्व जुड़ा रहा है। उससे पहले सवाल ये उठता है कि क्या वाकई भाजपा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निशाने पर है? राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का पहले यह बयान देखें - मनुष्य है, लेकिन मानवता नहीं है, इंसानियत नहीं है, वो मनुष्य बन जाए पहले। वहां जाने के बाद लगता है कि वो सुपरमैन, अतिमानव, अलौकिक बनना चाहता है। वह रुकता नहीं। उसको लगता है देव बनना चाहिए। वो देवता बनना चाहता है लेकिन देवता कहते हैं कि हमसे तो भगवान बड़ा है और भगवान कहता है मैं तो विश्वरूप हूं।

इस पूरे बयान में ना तो भाजपा का जिक्र है ना ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लेकिन कांग्रेस समेत भाजपा के विरोधियों का कहना है कि मोहन भागवन का ये बयान प्रधानमंत्री के उस बयान पर तंज है जिसमें उन्होंने कहा कि वो नॉन-बायोलॉजिकल हैं।जब तक मां जिंदा थी, मुझे लगता था कि शायद बायोलॉजिकली मुझे जन्म दिया गया है लेकिन मां के जाने के बाद मैं सारे अनुभवों को जोड़कर देखता हूं तो मैं कन्विंस हो चुका हूं कि परमात्मा ने मुझे भेजा है। ये ऊर्जा बायोलॉजिकल शरीर से नहीं मिल सकती। ईश्वर को मुझसे कुछ काम लेना है, इसलिए मुझे विधा भी दी है, इसलिए मुझे सामर्थ्य भी दिया है। प्रेरणा भी वही दे रहा है, पुरुषार्थ करने का सामर्थ्य भी वही दे रहा है। इन दोनों बयानों का आपस में कोई मेल नहीं दिखता पर भाजपा के विरोधियों के लिए इतना भर काफी था। मोहन भागवत का ये पहला बयान नहीं था जिसे नरेंद्र मोदी या भाजपा की आलोचना के तौर पर देखा गया हो और सिर्फ मोहन भागवत ही नहीं हैं जिन्होंने ऐसे बयान दिए। संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार ने भी पार्टी पर अहंकारी होने का आरोप लगा चुके हैं हालांकि बाद में उन्होंने अपने बयान को संशोधित किया। संघ के पत्र ऑर्गनाइज़र ने भी भाजपा के फैसलों पर सवाल उठा दिए। मसलन, 9 जून को नई सरकार का गठन होता है और 10 जून, 2024 नागपुर में सरसंघचालक सरकार को मणिपुर के साथ-साथ मर्यादा का भी पाठ पढ़ा देते हैं। उनके बयान के अलग-अलग हिस्सों को देखते हैं। 'जो मर्यादा का पालन करते हुए काम करता है, गर्व करता है, लेकिन अहंकार नहीं करता, वही सही अर्थों में सेवक कहलाने का अधिकारी है।' 'मणिपुर एक साल से शांति की राह देख रहा है। बीते 10 साल से राज्य में शांति थी लेकिन अचानक से वहां कलह होने लगी या कलह करवाई गयी, उसकी आग में मणिपुर अभी तक जल रहा है, त्राहि-त्राहि कर रहा है, उस पर कौन ध्यान देगा? जरूरी है कि इस समस्या को प्राथमिकता से सुलझाया जाए।'ये बयान सरकार के गठन के अगले ही दिन आ गया था और तीन दिन बीते कि इंद्रेश कुमार ने तो अहंकारी तक कह दिया। 13 जून को जयपुर में इंद्रेश कुमार ने कहा-'लोकतंत्र में रामराज्य का विधान देखिए, जिन्होंने राम की भक्ति की लेकिन अहंकारी हो गए, उन्हें 241 पर रोक दिया। सबसे बड़ी पार्टी बना दिया लेकिन जो वोट और ताकत मिलनी चाहिए थी, वो भगवान ने अहंकार के कारण रोक दी।'हालांकि, इस बयान पर सरकार की ज्यादा ही फजीहत होने लगी तो इंद्रेश कुमार को क्रोस करेक्शन करना पड़ गया। कुछ ही घंटों में उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ भी कर दी और कह दिया कि जिन्होंने राम का विरोध किया है, सत्ता से बाहर वही गए हैं मगर, तीर कमान से छूटने के बाद वापस नहीं लौटता। नेता सफाई कितनी भी दे लें। तो सवाल घूम फिर कर वहीं लौटता है कि क्या वाकई भाजपा और नरेंद्र मोदी संघ के निशाने पर हैं। समस्या मनोवैज्ञानिक है। संघ और भाजपा के बीच इससे बड़े-बड़े विवाद हो चुके हैं। मौजूदा हालात में ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि कोई खटपट वाली परिस्थिति बनी हो। हां, इतना जरूर है कि दोनों के बीच बातचीत व समन्वय में कुछ कमी आ गई है। दरअसल, राय जिस बात की ओर इशारा कर रहे हैं मसला वहीं अटका है।

कहा जा रहा है कि संघ और भाजपा के बीच कम्यूनिकेशन गैप हो गया है और संघ इस बात की उम्मीद कर रहा है कि अगर कोई गतिरोध जैसी परिस्थिति बन भी गई है तो भाजपा उसे तोड़े। संघ की तरफ से भले ही पार्टी के कामकाज को लेकर कोई आदेश ना दिया जाता रहा हो लेकिन ऐसी परंपरा जरूर रही है कि पार्टी अपने फैसलों में संघ का मशविरा जरूर शामिल करती रही है। वाजपेयी जी के ज़माने में संघ व भाजपा का समन्वय सर्वविदित है । हर मसले पर एक दूसरे की राय ली जाती थी । नरेंद्र मोदी के नेतृत्व लगातार तीसरी बार सत्ता में आई भाजपा को पहली बार गठबंधन की बैसाखी की जरूरत पड़ी। कहा यह भी जाने लगा कि संघ को किनारे करने का नतीजा चुनाव में भुगतना पड़ा। सत्ता पर पार्टी की पकड़ कमजोर हुई तो विरोध के वो सुर भी सुनाई देने लगे जो पिछले एक दशक से शून्य पड़े थे। भाजपा के शासन में आने के बाद पहली बार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। नीट और नीट परीक्षा विवाद के बीच कई राज्यों में एबीवीपी ने एनटीए के खिलाफ प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं, संघ के पत्र ऑर्गेनाइज़र में आरएसएस विचारक रतन शारदा ने एक लेख लिखा जिसमें महाराष्ट्र में अजित पवार की पार्टी से गठबंधन करने को लेकर आलोचना की गई। उन्होंने लिखा कि राकांपा से गठबंधन रणनीतिक भूल थी और वही महाराष्ट्र में पार्टी की हार की वजह बनी। 10 जून को मोहन भागवत ने अपने बयान में आम सहमति की परंपरा भी याद दिलाई थी। रतन शारदा के लेख में भी इशारा उसी ओर किया गया है।

इंडिया टुडे मैग्जीन के 17 जुलाई के अंक में अनिलेश महाजन ने बीजेपी और आरएसएस के संबंधों पर लेख लिखा है जिसमें उन्होंने दोनों के बीच टकराव जिन बातों को लेकर हुआ, उन्हें रेखांकित किया है और इनमें एक अहम बिंदु भाजपा में दल बदलुओं के प्रवेश को लेकर भी है। आरएसएस, उनसे नफरत करने वालों और दागी अतीत वालों को पार्टी में शामिल करने के पक्ष में नहीं है जबकि भाजपा का कहना है कि किसे शामिल करना है किसे नहीं, इसको लेकर पार्टी सचेत और सतर्क है और विचारधारा को लेकर प्रतिबद्ध है। लेकिन इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि अजित पवार से साथ गठजोड़ ने भाजपा की भ्रष्टाचार विरोधी छवि को ठेस पहुंचाई है। पवार को सालों तक देवेंद्र फडणवीस भ्रष्टाचारी बताते रहे। रैलियों में कहते रहे कि अजित पवार जेल जाएंगे लेकिन आज महाराष्ट्र में फडणवीस अजित पवार के साथ सरकार में डिप्टी सीएम हैं।

नए कानून में कोई गम्भीर बदलाव नहीं !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

दिल्ली की सभी जिला स्तरीय अदालतों के वकीलों ने अपनी बार एसोसिएशन के माध्यम से नए कानूनों को लागू करने के विरोध में एक दिन काम नही किया,वही सुप्रीम कोर्ट में भी उक्त कानून को चुनौती दी गई है। बिना किसी तैयारी के लागू किये गए नए कानूनो को लेकर पुलिस, जज,वकील और वादकारियों, सभी को किसी न किसी रूप में परेशानी हो रही है। वास्तव में पुराने कानून को औपनिवेशिक काल का सिंबल बताकर बदल दिया गया है जबकि औपनिवेशिक शासन का मुख्य प्रतीक पुलिस व्यवस्था है जो ब्रिटिश काल से चली आ रही है। इसमें सुधार किए जाने और उसे लागू किए जाने की आवश्यकता किसी ने नही समझी।भारतीय न्याय संहिता में भारतीय दंड संहिता, 1860 के अधिकांश अपराध व उसके लिए दंड पुनः शामिल किये गए हैं, इसमें सामुदायिक अपराध को सजा के रूप में जोड़ा गया है और राजद्रोह अब अपराध नहीं रह गया। देश की एकता को खतरा अपराध के बजाय इस नए कानून में भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों के लिए एक नया अपराध जोड़ा गया है। भारतीय न्याय संहिता में आतंकवाद को अपराध के रूप में जोड़ा गया है, इसे ऐसे कृत्य के रूप में परिभाषित किया गया है जिसका उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डालना, आम जनता को डराना या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना है। छोटे-मोटे संगठित अपराध भी अब अपराध हैं, जाति, भाषा या धार्मिक आधार पर पांच या अधिक व्यक्तियों के समूह द्वारा हत्या करना अपराध होगा जिसके लिए सात साल से लेकर आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक की सजा हो सकती है। संसद में इन विधेयकों को पारित करने में भी अनियमितता व्याप्त रही है क्योंकि विपक्ष के अधिकांश संसद सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था और विधेयकों को पारित करने में बहुत कम लोगों ने भाग लिया। इस तरह की कार्रवाई के कारण विधेयक पर कोई बहस नहीं हुई और न ही सदन में कोई चुनौती दी गई। नई भारतीय न्याय संहिता में कुल 358 धाराएं हैं जिसमें 20 नए अपराधों को परिभाषित किया गया है,जबकि 33 अपराधों में सजा बढ़ाई गई है। वही 83 ऐसे अपराध हैं जिनमें जुर्माने की रकम बढ़ाई गई है। नए कानून में आतंकवाद को परिभाषित किया गया है। इस बदलाव में आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य संहिता लागू की गई है। तीन नए आपराधिक कानून-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 25 दिसंबर 2023 को अधिसूचित किए गए थे। ये तीनों कानून 1 जुलाई, 2024 से लागू किये गए हैं। हथकड़ी लगाने के नियम में बदलाव किये गए है। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह लाए गए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 43 (3) में गिरफ्तारी या अदालत में पेश करते समय कैदी को हथकड़ी लगाने का प्रावधान किया गया है। इस नियम के मुताबिक अगर कोई कैदी आदतन अपराधी है या पहले हिरासत से भाग चुका है या आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है, ड्रग्स से जुड़ा अपराधी हो, हत्या, रेप, एसिड अटैक, मानव तस्करी, बच्चों का यौन शोषण में शामिल रहा हो तो ऐसे कैदी को हथकड़ी लगाकर गिरफ्तार किया जा सकता है। अब तक कानून में हथकड़ी लगाने पर उसका कारण बताना जरूरी था और इसके लिए मजिस्ट्रेट से इजाजत भी लेनी होती थी। सन 1980 में प्रेम शंकर शुक्ला बनाम दिल्ली सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हथकड़ी के इस्तेमाल को अनुच्छेद 21 के तहत असंवैधानिक करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अगर हथकड़ी लगाने की जरूरत है तो मजिस्ट्रेट से इसकी इजाजत लेनी होगी। अब भगोड़े अपराधी पर भी मुकदमा चलाया जा सकेगा जबकि पुराने कानून में किसी अपराधी या आरोपी पर मुकदमे का विचारण तभी शुरू होता था, जब वो अदालत में मौजूद होता था।

लेकिन नए कानून के मुताबिक अगर कोई अपराधी फरार है तो भी उसके खिलाफ मुकदमा चल सकता है।आरोप तय होने के 90 दिन के बाद भी अगर आरोपी कोर्ट में पेश नहीं होता है तो विचारण शुरू हो जाएगा। पुराने कानून में मौत की सजा पाए दोषी के सामने आखिरी रास्ता दया याचिका होती थी। सारे कानूनी रास्ते खत्म होने के बाद भी दोषी के पास राष्ट्रपति के पास दया याचिका दायर करने का अधिकार होता था। दया याचिका दायर करने की कोई समय सीमा नहीं थी लेकिन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 472(1) के मुताबिक सारे कानूनी विकल्प खत्म होने के बाद अब दोषी व्यक्ति को 30 दिन के भीतर राष्ट्रपति के सामने दया याचिका दायर करनी होगी। राष्ट्रपति का दया पर जो भी फैसला होगा, उसकी जानकारी 48 घंटे के भीतर केंद्र सरकार को राज्य सरकार के गृह विभाग और जेल सुपरिंटेंडेंट को देनी होगी। पुराने कानून में आतंकवाद की कोई परिभाषा नहीं थी। लेकिन भारतीय दंड संहिता की जगह लाए गए भारतीय न्याय संहिता में पहली बार आतंकवाद को परिभाषित किया गया है और इसे दंडनीय अपराध बनाया गया है। अगर कोई देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डालने, आम जनता या उसके एक वर्ग को डराने या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के इरादे से भारत या किसी अन्य देश में कोई कृत्य करता है तो उसे आतंकी कृत्य माना जाएगा। नए कानून में अब पीड़ित को 90 दिन के भीतर जांच की प्रोग्रेस रिपोर्ट उपलब्ध करानी होगी। पुलिस को 90 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल करनी होगी हालांकि यह व्यवस्था पहले से ही है।नए कानून में कोर्ट हालात को देखते हुए 90 दिन का समय बढ़ा सकती है। किसी भी परिस्थिति में 180 दिन के भीतर जांच पूरी कर विचारण शुरू करना होगा।

कोर्ट को 60 दिन के भीतर आरोप तय करने होंगे। सुनवाई पूरी होने के 30 दिन के भीतर फैसला देना होगा। इसके साथ ही सजा का ऐलान 7 दिन के भीतर करना होगा। गैंगरेप के मामले में दोषी साबित होने पर 20 साल की सजा या आजीवन जेल की सजा का प्रावधान है। अगर पीड़िता नाबालिग है तो आजीवन कारावास या फिर मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। स्नैचिंग के मामले में गंभीर चोट लगने या स्थाई विकलांगता की स्थिति में कठोर सजा दी जाएगी। बच्चों को अपराध में शामिल करने पर कम से कम 7से 10 साल की सजा होगी। हिट एंड रन मामले में मौत होने पर अपराधी घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस या फिर मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं होता है तो जुर्माने के अलावा 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। दिसंबर 2023 में जब से इन कानून की घोषणा की गई है, तब से इस कानून का विरोध भी हो रहा है। वास्तव में इस कानून की कोई जरूरत नहीं थी।कानून में समय-समय पर बदलाव होते रहते हैं। जो कानून नए अधिनियमो में लाए गए है,वे पुराने अधिनियमो में जोड़े जा सकते थे और गैर वाजिब कानून समाप्त किये जा सकते थे लेकिन अधिनियमो में धाराएं बदलकर पुलिस, जज,वकीलों, वादकारियों तीनो के लिए ही समस्या खड़ी हो गई है जिससे पार पाना आसान नही होगा।

घबराहट और तनाव के शिकार होते बच्चे

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देखा जाए तो कोरोना के बाद से बच्चों में डिप्रेशन और एंजाइटी का रोग तेजी से बढ़ता जा रहा है। कोरोना की दहसत के हालात, लॉकडाउन, वर्क फ्राम होम और बच्चों की ऑनलाईन पढ़ाई के साइड इफेक्ट सामने आने लगे हैं। ऑनलाईन स्टडी के चलते बच्चें मोबाइल के अधिकांश इस तरह के ऐप्स से रुबरु होने लगे जो बालपन को कहीं ना कहीं सीधे सीधे प्रभावित करने लगा। एक और जहां चाहे-अनचाहे आनलाईन गेमों की बच्चों में लत लगी वहीं सोशियल मीडिया साइट्स भी बच्चों में लत केरुप में लगने के साथ ही बच्चों के दिलों दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव ड़ालने में सफल रही है। देखा जाए तो खेल खेल में बच्चें ना चाहते हुंए भी तनाव और एंजाइटी के दौर में प्रवेष कर गए हैं। बदलती जीवनषैली और सामाजिक आर्थिक सिनेरियों में सर्दी जुकाम की तरह एंजायटी यानी कि घबराहट और डिप्रेशन यानी कि अवसाद आज के बच्चों में आम होता जा रहा है। जानी मानी साइक्रेट्रिक मैगजीन जामा साइक्रेट्री में हालिया प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मनोवैज्ञानिकों ने अध्ययन के दौरान 11 से 15 साल के बच्चों के बीच अध्ययन किया और खासतौर से यह समझने की कोशिश की गई कि जिस तरह से सर्दी जुकाम संक्रामक बीमारी है और एक से दूसरे में फैल जाती है उसी तरह से एंजायटी या डिप्रेशन भी एक बच्चे से दूसरे बच्चे को प्रभावित कर सकता है क्या? अध्ययन में पाया गया कि घबराहट या एंजाइट प्रभावित बच्चें के लक्षण साथ वाले बच्चें में भी विकसित होने के देखे गए हैं। यह अध्ययन भी एक दो नहीं बल्कि सात लाख बच्चों में किया गया है। चिंता की बात यह है कि सर्दी जुकाम संक्रामक रहा है व संपर्क में आने वालों को गिरफ्त में लेने की प्रबल संभावनाएं रहती है, लगभग यही हालात एंजाइटी और डिप्रेशन को लेकर देखी जाने लगी है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिनलैंड विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के अध्ययन में यह साफ हुआ है कि छह में से एक व्यक्ति बैचेनी यानी कि एंजायटी से प्रभावित रहने लगा है। कोरोना के बाद इस तरह के मरीजों की संख्या में 60 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है। यदि अध्ययन कर्ताओं की मानें तो कोविड 19 अर्थात कोरोना के बाद हालात तेजी से विकट हुए हैं। खासतौर से पैसों वालों व बुजुर्गों की बीमारी से बच्चें प्रभावित होने लगे हैं। बैचेनी, घबराहट, हाथों में कंपन, नींद ना आना, चिडचिडापन, तनावग्रस्त, कुंठा आदि लक्षण दिखने लगते हैं। इससे बच्चों में नकारात्मकता भी आती जा रही है। अधिक चिंता की बात यह है कि यह बीमारी बच्चों में सक्रामक रोग की तरह फैलती जा रही है। कोराना के लॉकडाउन के साथ ही पेरेंट्स की अंधी प्रतिस्पर्धा और अधिक से अधिक पाने की लालसा, बच्चों के बीच परस्पर सहयोग, समन्वय, मित्रता, सहभागिता के स्थान पर संवेदनहीनता और गलाकाट प्रतिस्पर्धा के परिणाम सामने आने लगे हैं। बच्चों में कुंठा तो आम होती जा रही है। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने पूरी कर दी है। सोशियल मीडिया जो परस्पर संवाद का माध्यम बन सकता है चह तनाव का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। लाइक अनलाइक और कमेंट्स बालमन को नकारात्मक रुप से प्रभावित करता जा रहा है। ऑनलाईन अध्ययन के चलते बच्चों में मोबाइल का शोक लग गया है और उसका नकारात्मक असर वीडियो गेम्स के रुप में देखा जा सकता है जो बच्चों को गेम के चक्कर में डिप्रेशन में जाते हुए देखा जा सकता है। गेम्स बच्चों में तनाव का कारण बनते जा रहे हैं। ओटीटी प्लेटफार्म भी अपना असर दिखाता जा रहा है। रील्स का तो कहना ही क्या? लगता है बच्चों के बालमन को नकारात्मक रुप से प्रभावित करने वाले सभी कारक सामने आते जा रहे हैं। शिक्षण संस्था हो या परिवार खासतौर से एकल परिवार के हालात हालात और भी गंभीर करते जा रहे हैं। हालात यहां तक होते जा रहे हैं कि बच्चें आक्रामक होते जा रहे हैं। बात बात पर झगड़ना या इस तरह का रियक्शन की सामने वाला कोई भी हो लिहाज तो कहीं देखने को ही नहीं दिखता। मानों बालपन तो कहीं दिखाई नहीं देने लगा है। समाज विज्ञानियों के सामने यह गंभीर समस्या दस्तक दे रही है। हालात बद से बदतर हो उससे पहले ही समस्या की गंभीरता को समझना होगा। दादा-दादी और नाना-नानी कहीं पीछे छुट रहे हैं, पेरेंट्स अवकाश भी परिवार के साथ बिताने के स्थान पर कहीं घूमने जाना पसंद करने लगे हैं जिससे परिवार और परिवार से मिलने वाले संस्कार खोते जा रहे हैं। एकल परिवार और एक ही बच्चें के कारण कई पारिवारीक संबंध तो इतिहास की बात बन जाएं तो कोई असंभाव्यता नहीं होगी। हालात दिन प्रतिदिन बदतर होते जा रहे हैं और इसके परिणाम आए दिन सामने आते जा रहे हैं। अत्यधिक तनाव के कारण बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाते देखा जा रहा है।

बिल्ली के जीवन में एक और अध्याय

सुरेश मिश्रा

मैं हूं एक पागल बिल्ली, जिसे कवियों ने चिढ़ाया। इनके हर शब्द में छुपा है मेरे लिए एक नया साया। अब कवि तो खैर कवि ही होते हैं, उन्होंने सोचा कि यह बिल्ली अब भी हमें कविता से भटका सकती है। तो उन्होंने और भी कविताएं लिख डाली।

अब तक की कविताओं में एक नई बारूद घुल गई थी। बिल्ली के जीवन में एक और अध्याय जुड़ गया। कवि उसे अक्सर कवि सम्मेलन के बीच में बुलाने लगे, उसकी कविता की वाह-वाह करने लगे। लेकिन एक दिन तो कुछ ऐसा हुआ कि बिल्ली की स्थिति और भी बुरी हो गई। कवि सम्मेलन के दौरान अचानक एक कवि ने मंच पर कहाः बिल्ली की कविता अब हमें बोर कर रही है, चलिए कुछ नया करते हैं। सारे कवि तुरंत सहमत हो गए और अब वे बिल्ली के बारे में और नई कविताएं लिखने लगे। लेकिन हर कवि ने सोचा कि अबकी बार कविता को और भी जटिल और चुनौतीपूर्ण बनाते हैं। बिल्ली की हालत अब और भी खराब हो गई।

वह अपनी पहचान को खो चुकी थी। न तो वह अपने घर जा पा रही थी और न ही अपनी पुरानी ज़िंदगी को पा पा रही थी। कवियों के दिमाग में बेतुके विचारों की बौछार ने उसकी ज़िंदगी को पूरी तरह से उलझा दिया था। फिर एक दिन, जब बिल्ली ने देखा कि कवियों के पास और कुछ नहीं था सिवाय कविता के, उसने एक फाइनल निर्णय लिया – उसने एक दिन कवि सम्मेलन में जाकर अपना 'कविता अवार्ड' सभी कवियों को दे डाला और खुद को कविता से मुक्त कर लिया। इस तरह, बिल्ली ने सबक सिखाया कि कवि कितने भी बहादुर क्यों न हों, लेकिन जब वो एक पागल बिल्ली के सामने होते हैं, तो उनकी कविताओं का असर पलभर में नकारात्मक हो जाता है। और सबसे बड़ी बात, कविता की बौछार के बीच खुद को बचा पाने की कला को सबसे अच्छी तरह से निभाया। अब कवि अपनी कविताओं के बिना भी शांति की नींद सो सकते थे और बिल्ली को आखिरकार चैन की नींद मिली। यह कहानी बिल्ली की होशियारी की कहानी है, जो न केवल कवियों के संग तगड़ी प्रतियोगिता में लड़ी, बल्कि कविता को भी एक नए आयाम तक पहुंचाया।

सावन सोमवार व्रत रखने वाले शिव भक्त

महादेव के ये 7 चमत्कारी मंत्र जरूर जपें

आज सावन की शुरुआत 22 जुलाई से हो चुकी है। शिव भक्त सावन में प्रत्येक सोमवार को व्रत करके भगवान शिव से अपनी मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना करते हैं। आप भी अगर सावन के हर सोमवार को व्रत रखते हैं, तो आपको विधि-विधान के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने के साथ शिव मंत्रों का जाप भी करना चाहिए। भगवान शिव के मंत्र 'ॐ नमः शिवाय' का उच्चारण आपको रोजाना करना चाहिए।

इससे आपका मन शांत होता है। भगवान शिव के इन मंत्रों का जाप करने से आपकी मनोकामनाएं तो पूरी होंगी ही, साथ ही भगवान शिव की कृपा पूरे सावन आप पर बनी रहेगी। आइए, जानते हैं शिव मंत्र।

1. भगवान शिव को करें इस मंत्र के साथ नमस्कार

शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च।।

ईशानः सर्वविध्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ब्रह्माधिपतिमहिर्बम्हणोधपतिर्बम्हा शिवो मे अस्तु सदाशिवोम।।

2. भगवान शिव का रूद्र मंत्र

ॐ नमो भगवते रूद्राय ।

रूद्र गायत्री मंत्र

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय

धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात॥

3. महामृत्युंजय मंत्र जाप करने से टल जाता है मृत्यु का संकट

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात॥

4. शिव स्तुति मंत्र के साथ महादेव को करें प्रसन्न

ॐ नमो हिरण्यबाहवे हिरण्यवर्णाय हिरण्यरूपाय हिरण्यपतए

अंबिका पतए उमा पतए पशूपतए नमो नमः

ईशान सर्वविद्यानाम ईश्वर सर्व भूतानाम्

ब्रह्मादीपते ब्रह्मनोदिपते ब्रह्मा शिवो अस्तु सदा शिवोहम

तत्पुरुषाय विद्महे वागविशुद्धाय धिमहे तन्नो शिव प्रचोदयात

महादेवाय विद्महे रुद्रमूर्तये धिमहे तन्नों शिव प्रचोदयात

नमस्ते अस्तु भगवान विश्वेश्वराय महादेवाय त्र्यंबकाय त्रिपुरान्तकाय त्रिकाग्नी कालाय कालाग्नी

रुद्राय नीलकंठाय मृत्युंजयाय सर्वेश्वराय सदशिवाय श्रीमान महादेवाय नमः

5. भगवान शिव का नामावली मंत्र

श्री शिवाय नमः

श्री शंकराय नमः

श्री महेश्वराय नमः

श्री सांबसदाशिवाय नमः

श्री रुद्राय नमः

ॐ पार्वतीपतये नमः

ॐ नमो नीलकण्ठाय नमः

6. भगवान शिव से क्षमा मांगने का मंत्र

ॐ मृत्युंजय परेशान जगदाभयनाशन ।
तव ध्यानेन देवेश मृत्युप्राप्नोति जीवती ।।
वन्दे ईशान देवाय नमस्तस्मै पिनाकिने ।
नमस्तस्मै भगवते कैलासाचल वासिने ।
आदिमध्यांत रूपाय मृत्युनाशं करोतु मे ।।
त्र्यंबकाय नमस्तुभ्यं पंचस्याय नमोनमः ।
नमोब्रह्मेन्द्र रूपाय मृत्युनाशं करोतु मे ।।
नमो दोर्दण्डचापाय मम मृत्युम विनाशय ।।
देवं मृत्युविनाशनं भयहरं साम्राज्य मुक्ति प्रदम ।
नमोर्धेन्दु स्वरूपाय नमो दिग्वसनाय च ।
नमो भक्तार्ति हन्त्रे च मम मृत्युं विनाशय ।।
अज्ञानान्धकनाशनं शुभकरं विध्यासु सौख्य प्रदम ।
नाना भूतगणान्वितं दिवि पदैः देवैः सदा सेवितम ।।
सर्व सर्वपति महेश्वर हरं मृत्युंजय भावये ।।

7. शिव प्रार्थना मंत्र

करचरणकृतं वाक कायजं कर्मजं श्रावण वाणंजं वा मानसंवापराधं ।
विहितं विहितं वा सर्व मेतत क्षमस्व जय जय करुणाब्धे श्री महादेव शम्भो ॥

24 या 25 जुलाई सावन में कब है पहली गणेश चतुर्थी? दूर करें कंफ्यूजन

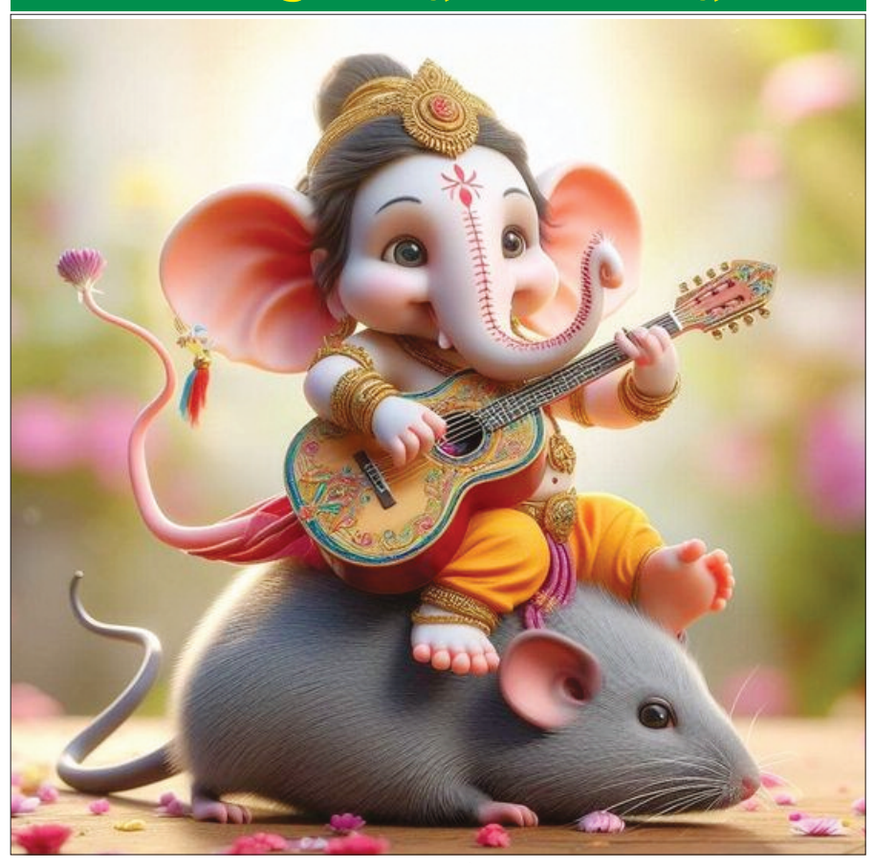

हिन्दू धर्म में सावन की गणेश चतुर्थी का बहुत अधिक महत्व होता है। इसे गजानन संकष्टी चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। किसी भी शुभ काम से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। गणपति बप्पा अपने भक्तों के सभी विघ्न हर लेते हैं, इसलिए उन्हें विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। चतुर्थी तिथि भगवान गणेश की पूजा के लिए समर्पित होती है। इस दिन बप्पा की विधिवत पूजा की जाती है और उनके लिए निमित्त व्रत भी रखा जाता है। भगवान गणेश की पूजा के लिए चतुर्थी तिथि का व्रत सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

पंचांग के अनुसार, सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 24 जुलाई को सुबह 7 बजकर 30 मिनट पर शुरू हो जाएगी और अगले दिन 25 जुलाई को सुबह 04 बजकर 19 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। उदयातिथि के अनुसार, गजानन संकष्टी चतुर्थी 24 जुलाई दिन बुधवार को मनाई जाएगी क्योंकि 25 जुलाई को चतुर्थी तिथि सूर्योदय से पहले ही खत्म हो जाएगी। संकष्टी चतुर्थी व्रत के दिन चंद्रमा को अर्घ्य दिए बगैर पूजा अधूरी मानी जाती है।

गणेश चतुर्थी पूजा विधि

गणेश चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें।

सूर्योदय के होने पर सूर्य देव को जल से अर्घ्य दें और व्रत का संकल्प लें।

पूजा के स्थान पर गणेश जी की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करें।

गणेश चतुर्थी पर बप्पा को फल, फूल, अक्षत, दूर्वा आदि भी चढ़ाएं।

भगवान गणेश आरती करें और भोग लगाने के बाद गणेश स्तोत्र का पाठ करें।

कामना पूर्ति के लिए गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें।

रात के समय जल में दूध, फूल, अक्षत डालकर चंद्रमा को अर्घ्य दें।

संकष्टी चतुर्थी का महत्व

मान्यता है कि सावन की पहली चतुर्थी के दिन गणपति की जी पूजा करने और व्रत रखने से हर तरह के दुख-दर्द से छुटकारा मिल जाता है और व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी हो जाती है। जीवन में खुशहाली बनी रहती है।

लंबे समय से रुके हुए काम भी पूरे हो जाते हैं। गणपति बप्पा की कृपा से हर तरह के विघ्न से छुटकारा मिल जाता है। संकष्टी चतुर्थी के दिन 11 बार ॐ श्रीं ॐ ह्रीं श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय नमः मंत्र का जाप करें।

भवन निर्माण करते समय रखें ध्यान

तो धन की बरसात होने से कोई नहीं रोक सकता

वास्तु शास्त्र की कुछ मान्यताएं हैं, जिनका पालन करने से प्राचीन काल से ही भूमि पर निर्माण कराने वाला भूमि का स्वामी सुख-शांति का अनुभव करता है एवं वास्तु शास्त्र के नियमों की अवहेलना करने वाला विघ्न, बाधा, अशांति का सामना करता चला आ रहा है। भवन का निर्माण कराते समय निम्नलिखित बहुत ही छोटे-छोटे किन्तु महत्वपूर्ण नियमों का पालन अवश्य करें ताकि आपको अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

नींव का शिलान्यास शुभ लग्न में ही करना चाहिए। जिस लग्न में अथवा राशि में शिलान्यास करना हो, वह आपकी राशि से आठवीं ना हो। अगर शुभ मुहूर्त में नींव खोदने का कार्य किया जाए, तो मकान बिना किसी रुकावट के जल्दी ही बन जाता है।

भूमि का पूजन तथा नींव की खुदाई के हेतु ईशान कोण से ही शुरू करना चाहिए।

भवन की नींव भरते समय शहद से भरा बर्तन रखना चाहिए। इससे न केवल मकान बिना किसी बाधा के बनने लगेगा, बल्कि आजीवन वहां पर निवास करने वालों को सुख, शांति और लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

भवन निर्माण शुरू करने से पूर्व राजगीरों, नक्शा बनाने वालों, वास्तु शास्त्रियों का उचित सम्मान करें।

भवन निर्माण कराते समय जमीन से या जमीन पर चीटियां निकले तो उन चीटियों को आटा एवं शक्कर मिला कर खिलाएं।

भवन के मालिक की जन्मकुण्डली में पांचवे घर में केतु हो, तो भवन निर्माण करने के पहले केतु का दान करें।

एक बार भवन का निर्माण शुरू कर दें तो फिर बीच में उसे रोकें नहीं, अन्यथा पूरे मकान में राहु का वास हो जाता है, इससे धन की बर्बादी होती है।

जब नया भवन बनाएं तो ईंट, लोहा, पत्थर और लकड़ी नयी ही लगानी चाहिए। नए मकान में पुरानी लकड़ी नहीं लगानी चाहिए। एक मकान में लगी हुई लकड़ी दूसरी मकान में लगाने से सम्पत्ति का नाश और अशांति प्राप्त होती है।

मकान में एक या दो किस्म की जाति की लकड़ी लगानी चाहिए। एक जाति की लकड़ी उत्तम, दो जाति की लकड़ी मध्यम, तथा इससे ज्यादा अधम होती है।

भूमि पर खुदाई का कार्य हमेशा ईशान कोण के कोने से ही करना चाहिए। यह खुदाई का कार्य भूमि पूजन, नीव रखने, पानी की बोरिंग आदि के लिए हो सकती है।

कमजोर मन: स्थिति समस्याओं को और भी बदतर बना सकती है

चूंकि ध्यान ऐसी चीज है जिसका अभ्यास आप घर पर मुफ्त में कर सकते हैं, इसलिए यह अक्सर तनाव और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए एकदम सही 'टॉनिक' की तरह लगता है। यह एक प्रकार का बौद्ध-आधारित ध्यान है जिसमें आप वर्तमान क्षण में जो कुछ भी अनुभव कर रहे हैं, सोच रहे हैं और महसूस कर रहे हैं उसके प्रति जागरूक होने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इसका पहला दर्ज किया गया प्रमाण भारत में पाया गया जो 1500 साल से भी अधिक पुराना है। इसमें मनोविकृति, पृथक्करण और विवैयक्तिकरण (जब लोगों को लगता है कि दुनिया 'अवास्तविक' है) के प्रकरणों से जुड़ी संज्ञानात्मक विसंगतियों का भी विवरण दिया गया है। पिछले 8 वर्षों में इस क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान में उछाल आया है। इन अध्ययनों से पता चलता है कि प्रतिकूल प्रभाव दुर्लभ नहीं हैं।2022 में अमरीका में नियमित रूप से ध्यान करने वाले 953 लोगों के नमूने का उपयोग करके किए गए एक अध्ययन से पता चला कि 10 प्रतिशत से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिकूल प्रभावों का अनुभव किया, जिसका उनके रोजमर्रा के जीवन पर महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव पड़ा और यह कम से कम एक महीने तक चला।

साल 2020 में प्रकाशित 40 से अधिक वर्षों के शोध की समीक्षा के अनुसार सबसे आम प्रतिकूल प्रभाव चिंता और अवसाद हैं। इसके बाद मनोविकृति या भ्रम के लक्षण, पृथक्करण या व्यक्तित्व-विहीनता और भय या आतंक होते हैं। शोध में यह भी पाया गया कि प्रतिकूल प्रभाव उन लोगों पर भी पड़ सकता है, जिन्हें पहले से कोई मानसिक स्वास्थ्य समस्या नहीं रही है या जो ध्यान के संपर्क में केवल मध्यम स्तर पर ही आए हैं तथा इससे दीर्घकालिक लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं।

मोरपंख घर में यहां रखने से हो सकती है बड़ी धन हानि

मोरपंख को घर पर रखना शुभ माना जाता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार जिस घर में मोरपंख होता है, वहां पर श्रीकृष्ण की कृपा बनी रहती है। इसके अलावा भी मोरपंख घर में रखने से आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है।

उत्तर-पूर्व दिशा में न रखें मोर पंख

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आप उत्तर पूर्व दिशा में मोर पंख रखते हैं, तो इससे आपके घर में नकारात्मकता का वास हो सकता है। मोर पंख को उत्तर-पूर्व दिशा में रखने से आपको आर्थिक हानि होती है और आपका खर्च बढ़ता जाता है। ऐसे में वास्तु के अनुसार उत्तर-पूर्व दिशा में मोर पंख रखने से बचें। आप उत्तर दिशा में मोर पंख रख सकते हैं।

मोर पंख को पर्स में न रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार मोर पंख को घर में रखने से आपको धन लाभ होता है और देवी लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहती है लेकिन याद रखें कि मोर पंख को कभी भी अपने पर्स में न रखें, इससे आपको धन हानि होती है। आपके खर्चे बढ़ने लगते है या फिर आपके पैसे भी खो सकते हैं। जिस तरह पंखों को आजादी से जोड़कर देखा जाता है, उसी तरह वास्तु शास्त्र में भी मोर पंख को बंद करके न रखें।

मोर पंख को तिजोरी या लॉकर के अंदर न रखें

आप अगर घर का कीमती सामान, गहने और पैसे तिजोरी या लॉकर में रखते हैं, तो आपको इनके अंदर मोर पंख रखने से बचना चाहिए। मोर पंख को तिजोरी के अंदर रखने से आपको धन हानि होती है। साथ ही कुछ ऐसे अशुभ योग बनने लगते हैं, जिससे कि आपका खर्च बढ़ता चला जाता है और आप पर कर्ज भी बढ़ सकता है, इसलिए वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको मोर पंख को तिजोरी या लॉकर के अंदर नहीं रखना चाहिए।

मोर पंख को रसोई घर में न रखें

मोर पंख को रसोई घर या किचन में रखने से आपको बचना चाहिए। मोर पंख को किचन में रखने से घर में न सिर्फ नकारात्मक ऊर्जा आती है बल्कि मोर पंख का अपमान भी होता है। मोर पंख अगर आप किचन में रखेंगे, तो खाने का धुआं, तेल आदि मोर पंख पर लगा सकता है जिससे कि आपके किचन में ही नहीं बल्कि घर में भी नकारात्मक ऊर्जा का वास होता जाएगा।

मोर पंख पूजा घर में न रखें

आप अगर मोर पंख के शुभ परिणाम पाना चाहते हैं, तो आप कभी भी मोर पंख को पूजा घर में न रखें। इससे आपको मोर पंख के नकारात्मक परिणाम मिलने शुरू हो जाएंगे। मंदिरों में मोर पंख से बने पंखे से भगवान की हवा जरूर की जाती है लेकिन घर में ऐसा करने से बचें और पूजा घर या पूजा स्थान पर मोर पंख रखने से बचें।

श्रद्धा ने प्रशंसकों से पूछा 'दुनिया में सबसे अच्छी लाल चीज कौन सी है?' फैंस बोले- 'स्त्री'

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्त्री 2' को लेकर लगातार प्रमोशन में जुटी हुई हैं। फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर रिलीज किया जा चुका है। ट्रेलर को देखने को बाद 'स्त्री 2' को लेकर प्रशंसकों की उत्सुकता और अधिक बढ़ गई है। इन दिनों श्रद्धा लाल रंग को कुछ ज्यादा ही पसंद कर रही हैं। उन्होंने अपनी कुछ लाजवाब तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिनमें वह लाल रंग की स्टाइलिश ड्रेस में नजर आईं। दरअसल, फिल्म 'स्त्री 2' में लाल रंग को कुछ ज्यादा ही तवज्जो दी गई है, यही वजह है कि श्रद्धा ने अपनी आगामी फिल्म 'स्त्री 2' को प्रमोट करने के लिए सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें लाल रंग के लुक में साझा की हैं और साथ ही अपने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ाने के लिए एक खास नोट भी साझा किया है।

दरअसल, श्रद्धा कपूर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लाल रंग के स्टाइलिश आउटफिट में कुछ शानदार तस्वीरें साझा की हैं। लेकिन जिस चीज ने सबका ध्यान खींचा, वह था तस्वीरों के साथ लिखा हुआ उनका कैप्शन। श्रद्धा ने अपने प्रशंसकों से इन तस्वीरों को साझा करते हुए एक प्रशन पूछा और वह यह है - 'दुनिया में सबसे बेहतरीन लाल चीज कौन सी है?'। इस पोस्ट पर अब श्रद्धा के प्रशंसकों की लगातार प्रतिक्रिया आ रही है। श्रद्धा इस रेड रंग के आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह लाल रंग का साटन टॉप पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बालों को ढीला बांधकर सॉफ्ट मेकअप किया है। उन्होंने अपने इस शानदार लुक को पूरा करने के लिए चेन और इयररिंग्स भी पहने। तस्वीरें शेयर करते हुए श्रद्धा ने फैन्स से पूछा, दुनिया में सबसे बेहतरीन लाल चीज कौन सी है? एक फैन ने लिखा, स्त्री इन रेड। दूसरे ने लिखा, स्त्री की लाल साड़ी वाली तस्वीरें। कई लोगों ने दिल वाले इमोजी भी साझा किए हैं।

बता दें फिल्म 'स्त्री 2' ट्रेलर वहीं से शुरू होता है जहां पहली फिल्म 'स्त्री' खत्म हुई थी। चंदेरी शहर एक बार फिर भूतिया है, लेकिन 'स्त्री' की आत्मा से नहीं। इस बार राजकुमार, अभिषेक, पंकज त्रिपाठी और अपारशक्ति खुराना सहित चंदेरी के निवासी एक नए राक्षस से लड़ने के मिशन पर हैं। ट्रेलर में तमन्ना भाटिया भी नजर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तमन्ना फिल्म में आइटम नंबर करती नजर आएंगी। ट्रेलर में पंकज त्रिपाठी चंदेरी के लोगों के लिए नए खतरे 'सरकटा' से परिचय कराते हैं। उन्हें इस आतंक से बचाने के लिए श्रद्धा कपूर आती हैं। चंदेरी के लोग इस बार स्त्री से प्रार्थना करते हैं, ओ स्त्री रक्षा करना, बजाय इसके कि उसे कहें, ओ स्त्री कल आना। 'स्त्री 2' के ट्रेलर को दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं और इसे बेहतरीन बता रहे हैं।

फिल्म में राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। बता दें 'स्त्री' 2018 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा कलेक्शन किया था। 'स्त्री' को देखने के बाद दर्शक 'स्त्री 2' का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब उनका यह इंतजार 15 अगस्त को खत्म हो जाएगा, जब फिल्म रिलीज हो जाएगी।

'कल्कि' पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने भेजा नोटिस, बोले- मेकर्स संतों को राक्षस के रूप में दिखाते हैं

प्रभास और अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म 'कल्कि 2898 AD' रिलीज के 24 दिनों बाद विवादों में घिर गई है। कांग्रेस के पूर्व नेता और श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने फिल्म के मेकर्स को लीगल नोटिस भेजा है।

इस नोटिस में आचार्य प्रमोद कृष्णम ने फिल्म के मेकर्स पर धार्मिक फैक्ट्स और धार्मिक किताबों के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है।

आचार्य ने भारतीय ग्रंथों में दर्ज भगवान श्री कल्कि के अवतरण का उल्लेख करते हुए फिल्म में दिखाए गए दृश्यों को काल्पनिक बताया है। उन्होंने मेकर्स से गलत चित्रण को रोकने की अपील भी की है।

नोटिस में कही गईं ये मुख्य बातें

फिल्म 'कल्कि' ने भगवान कल्कि के बारे में हिंदू पौराणिक ग्रंथों में लिखी और बताई गई मूल अवधारणा को बदल दिया है।

कल्कि भगवान विष्णु के दसवें अवतार हैं जबकि फिल्म में उनके आने की कहनी है। इन कारणों से भगवान कल्कि की कहानी का चित्रण पूरी तरह से गलत है।

श्रीमद भागवत महापुराण के 12वें स्कंद के 24वें श्लोक में

मेकर्स को 15 दिनों में देना होगा जवाब

भगवान श्री कल्कि के जन्म स्थान व जन्म जहां होना है उसका उल्लेख है। जबकि फिल्म में कल्कि को AI टेक्नीक के जरिए अवतरित दिखाया है।

यह उन पवित्र ग्रंथों के प्रति भी घोर अनादर है, जो सैकड़ों करोड़ की संख्या में भक्तों की धार्मिक मान्यताओं और प्रथाओं के केंद्र में हैं।

इस तरह के किरदारों से हिंदुओं में पहले से ही भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है और इससे भगवान कल्कि की पौराणिक कथाओं को नुकसान पहुंच सकता है।

फिल्म देखकर मन को ठेस पहुंचीः आचार्य कृष्णम

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, 'सनातन संस्कृति से खिलवाड़ की इजाजत किसी को नहीं है। संभल के कल्कि धाम का शिलान्यास हो चुका है। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गर्भगृह का शिलान्यास 19 फरवरी को किया था।

फिल्म में भगवान श्री कल्कि के अवतरण को जिस रूप में दिखाया जा रहा है उससे मन को ठेस पहुंची है। पुराणों के संदेश को भटकाने का प्रयास किया जा रहा है।'

'ग्रंथों से खेलना मेकर्स का शगल बन गया है'

आचार्य ने आगे कहा- 'फिल्म पूरी तरह से हमारे ग्रंथों से अलग कहानी बयां करती है। हिंदुओं की भावनाओं के साथ खेलना फिल्म निर्माताओं की आदत बन गई है। संतों को राक्षस के रूप में चित्रित किया जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि आप हमारी आस्था के साथ खिलवाड़ कर सकते हैं।'

मेकर्स को 15 दिनों में देना होगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट के वकील उज्जवल नारायण शर्मा ने बताया कि मेकर्स को इस नोटिस का 15 दिनों मे जवाब देना होगा। जनभावना से खिलवाड़ करने वाले फिल्म से जुड़े सभी लोगों को माफी मांगनी होगी। यदि ऐसा नहीं होगा तो सुप्रीम कोर्ट में वाद दाखिल कर आपराधिक मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

उज्जवल नारायण शर्मा ने बताया कि फिल्म बनाने वाली एंटरटेनमेंट एंड प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर, दो बड़े ओटीटी प्लेटफार्म के मैनेजमेंट, साउथ के मशहूर फिल्म कलाकार के साथ ही कुछ अन्य कंपनियों को भी नोटिस भेजा गया है।

फिल्म ने देश में कमाए 600 करोड़

नाग अश्विन निर्देशित फिल्म 'कल्कि' ने अब तक ग्लोबली 1000 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। वहीं देश में इसने 600 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया है। अकेले हिंदी भाषा में यह फिल्म 300 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब है।

धनुष की नई फिल्म की घोषणा ! इन स्टार्स के साथ मचाएंगे धमाल

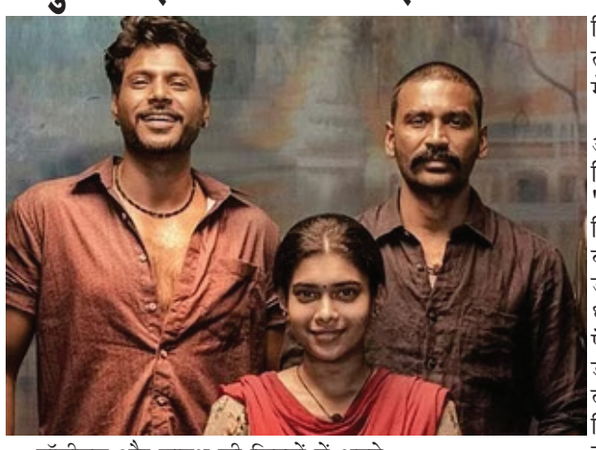

बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में अपने अभिनय से सभी का दिल जीत चुके अभिनेता धनुष 'रायन' की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'रायन' की रिलीज से पहले धनुष की एक और आगामी फिल्म की घोषणा हो चुकी है, जिसने प्रंशसकों के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है। इस बात का खुलासा साउथ के प्रसिद्ध अभिनेता प्रकाश राज ने एक समारोह के दौरान किया। धनुष के निर्देशन में बनी फिल्म 'रायन' का ट्रेलर मंगलवार 16 जुलाई को रिलीज किया गया था। फिल्म में उनके अलावा संदीप किशन, कालिदास जयराम, एसजे सूर्या, वरलक्ष्मी सरथकुमार और अपर्णा बालमुरली मुख्य भूमिकाओं में हैं।

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपने अभिनय का दमखम दिखा चुके अभिनेता धनुष की निर्देशन और अभिनित फिल्म 'रायन' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में काफी सस्पेंस-थ्रिलर के साथ धमाकेदार एक्शन भी देखने को मिला। धनुष की यह फिल्म 26 जुलाई को सिनेमाघरों में तीन भाषाओं में रिलीज होगी। 'रायन' को तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2017 की फिल्म 'पा पांडी' के बाद 'रयान' धनुष की दूसरी निर्देशित फिल्म है और बतौर अभिनेता यह उनकी 50वीं फिल्म है। धनुष अपनी आगामी पैन-इंडियन एक्शन ड्रामा, 'रायन' के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसमें तेलुगु अभिनेता संदीप किशन महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

हैदराबाद में कल रात 'रायन' के लिए तेलुगु प्री-रिलीज इवेंट हुआ, जिसमें धनुष कई कलाकारों और क्रू सदस्यों के साथ शामिल हुए। इस इवेंट के दौरान, प्रकाश राज ने खुलासा किया कि धनुष खुद और नित्या मेनन को मुख्य भूमिका में लेकर एक नई फिल्म का निर्देशन करने का प्लान बना रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो धनुष की आगामी फिल्म में नित्या मेनन और प्रकाश राज लीड रोल में नजर आएंगे। पिछली बार तीनों स्टार्स ने 'थिरुचित्रम्बलम' में साथ काम किया था। बता दें 'रायन' में एसजे सूर्या, कालिदास जयराम, सेल्वाराघवन, दुशारा विजयन, अपर्णा बालामुरली और वरलक्ष्मी सरथकुमार जैसे प्रभावशाली कलाकार हैं। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित की गई है। इस फिल्म का मधुर संगीत एआर रहमान ने दिया है। बता दें फिल्म के कुल पांच गाने हैं, जिनमें अदंगाथा असुरन और वाटर पैकेट शामिल हैं, जो पहले ही रिलीज किए जा चुके हैं।

रोस्ट शो में शामिल होने को कुशा ने बताया नौसिखिया गलती, कहा अमानवीय और चौंकाने वाला था अहसास

कुशा कपिला एक अभिनेत्री और जानी मानी कंटेंट क्रिएटर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। वह अपने इंस्टाग्राम पर अलग-अलग तरह के वीडियो पोस्ट करती हैं, जिस पर उनके फैंस काफी प्रतिक्रियाएं भी देते हैं। बीते दिनों वह काफी चर्चा का विषय बन गई थीं, जब यूट्यूब पर उनका एक रोस्ट वीडियो जारी हुआ था। हाल में ही वह एक रोस्ट शो में गई थीं, जिसमें कई कॉमेडियन्स ने उनके ऊपर जोक्स बनाए थे, जो ज्यादातर उनके पूर्व पति जोरावर सिंह अहलूवालिया से हुए उनके तलाक पर आधारित थे। इसके बाद से ही वह विवादों में घिर गई थीं।

इस वीडियो के बाहर आते ही कुशा लगातार ट्रोल होने लगी थीं। इस दौरान उनकी कई महिला और समलैंगिक फैंस ने भी इस शो में उनकी भागीदारी को लेकर आलोचना की। अब इन आलोचनाओं के जवाब में अभिनेत्री ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि उन्हें लेकर बोले गए जोक्स काफी अमानवीय थे और उनके साथ पहले साझा नहीं किए गए थे। हाल में दिए एक बयान में उन्होंने कहा है कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि शो में इस तरह के जोक्स होंगे। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि उन्हें पहले स्क्रिप्ट का अनुरोध करना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि इसमें उनके दोस्त शामिल थे।

अभिनेत्री ने इसे नौसिखिया गलती करार देते हुए कहा कि उन्हें स्क्रिप्ट पहले मांग लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि सामने बैठी ऑडियंस और तकनीशियन के सामने उन्होंने ये कठोर जोक्स बर्दाश्त किए, लेकिन लाखों लोगों तक इसके पहुंचने के विचार से वह असहज थीं। उन्होंने कहा कि कुछ जोक्स तो बेहद अमानवीय और चौंकाने वाले थे। अभिनेत्री ने कहा कि अगर उन्होंने इसे प्रसारित होने से रोका होता, तो उन्हें कायर कहा जाता और ट्रोल किया जाता। सोशल मीडिया पर उन्हें ऐसे जोक्स की हकदार बताया गया। इस पर अफसोस जताते हुए उन्होंने कहा कि एक तलाकशुदा महिला के रूप में उन्हें पहले ही इसका अनुमान लगा लेना चाहिए था।

इन अभिनेताओं को मिला हिट मशीन का टैग

कुशा इससे पहले बी दो बार रोस्ट वाले कार्यक्रम का हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने इस का जिक्र करते हुए कहा कि उनके पिछले दो रोस्ट वाले अनुभव शानदार रहे थे और यह भी अच्छा रह सकता था, अगर सभी यह समझते की इसका असर कैसा पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि सबकी अपनी सीमाएं होती हैं और उसका सम्मान किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने इस पर जोर देते हुए कहा कि उन्होंने इस तरह की बातों को लोगों के सामने लगातार झेला और बैठी रहीं, इस पर उन्हें गर्व है।

सुष्मिता के सिंगल स्टेटस वाले बयान पर बोले एक्स बॉयफ्रेंड : हम 6 साल से दोस्त हैं, आगे भी यह रिश्ता रहेगा

हाल ही में सुष्मिता सेन ने बयान दिया था कि वे पिछले 3 साल से सिंगल हैं और किसी को डेट नहीं कर रही हैं। अब उनके इस बयान पर एक्स बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल का रिएक्शन आया है। उन्होंने कहा है कि वे और सुष्मिता 6 साल से साथ में हैं और इसमें कुछ नया भी नहीं है।

रोहमन ने यह भी कहा कि वे दोनों हमेशा से दोस्त हैं और आगे भी रहेंगे। उनका कहना है कि वे सुष्मिता के साथ स्पेशल बॉन्ड शेयर करते हैं, जो सबको दिखता भी है। कुछ दिन पहले सुष्मिता, रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में बतौर गेस्ट पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कहा था- आज मेरी लाइफ में कोई नहीं है। मैं पिछले 3 साल से सिंगल हूं। फिलहाल मुझे किसी में कोई दिलचस्पी भी नहीं है। ये ब्रेक जरूरी था क्योंकि इससे पहले मैं लगभग 5 साल तक रिलेशनशिप में थी।

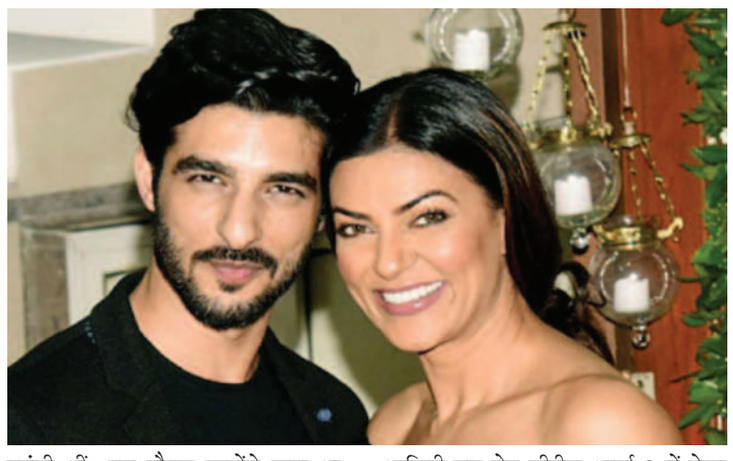

2021 में हुआ था सुष्मिता और रोहमन का ब्रेकअप

बताते चलें कि सुष्मिता और रोहमन लंबे वक्त तक रिलेशनशिप में थे। इसके बाद 2021 में इनका ब्रेकअप हो गया था। हालांकि ब्रेकअप के बाद भी दोनों को अक्सर एक साथ कई जगहों पर स्पॉट किया जाता है। रोहमन के अलावा सुष्मिता का नाम ललित मोदी, विक्रम भट्ट, रणदीप हुड्डा, वसीम अकरम, संजय नारंग, बंटी सजदेह से जोड़ा जा चुका है। सुष्मिता के वर्क फ्रंट की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार वेब सीरीज आर्या 3 में देखा गया था। राम माधवानी के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज में इला अरुण, विकास कुमार और सिकंदर खेर जैसे एक्टर्स भी नजर आए थे।

नेहा धूपिया ने विक्की और तृप्ति को बताया खाने का शौकीन

कैटरीना को कहा बेहतरीन मेजबान

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी, एमी विर्क और नेहा धूपिया अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बैड न्यूज' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस फिल्म का काफी हिस्सा दिल्ली में फिल्माया गया है। अब नेहा ने वहां पर शूटिंग के दौरान हुए अपने अनुभवों को साझा किया है। अभिनेत्री ने वहां पर विक्की और तृप्ति के साथ हुए अपने मजेदार अनुभवों को साझा किया है। इस दौरान उन्होंने खाने के शौकीन विक्की और तृप्ति के साथ वहां के कई लोकप्रिय व्यंजनों का आनंद लिया। इसके अलावा उन्होंने अभिनेत्री कैटरीना की तारीफ करते हुए कहा कि वह पार्टियों और डिनर की मेजबानी और आयोजन करने में काफी माहिर हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान नेहा ने बताया कि उन लोगों के लिए शूटिंग के दौरान खाना एक खास अवसर की तरह महसूस होता था। उन्होंने विक्की कौशल का जिक्र करते हुए कहा कि सेट पर खाने के सबसे बड़े शौकीन विक्की और तृप्ति थे। इसको लेकर एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार वो सभी पुरानी दिल्ली में शूटिंग कर रहे थे और विक्की को अचानक वहां के स्थानीय व्यंजनों की तलब होने लगी। इसके बाद थोड़ी देर में ही वहां खाने के सामान को चारों तरफ बिखरा हुआ था। इसे देख कर उन्हें थोड़ी असहजता भी हुई, लेकिन इसके बावजूद भी सभी ने व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया, इस दौरान खाने की सुगंध चारो तरफ फैल गई थी।

नेहा ने आगे बताया कि जब वो उत्तरी पहाड़ी इलाकों में शूटिंग कर रहे थे, तो तृप्ति वहां की गाइड बन गई थीं, जो स्थानीय भोजन को लेकर लगातार गाइड कर रही थीं। अभिनेत्री ने कहा कि तृप्ति लगातार उन जगहों की तलाश करती रहती थीं, जहां उन्हें अच्छा खान मिल सकता था। नेहा ने उदाहरण देते हुए बताया कि शिमला में शूटिंग के दौरान तृप्ति उन्हें वहां की सबसे अच्छी जगहों के बारे में बताती थीं, जहां उन्हें सबसे अच्छे मोमोज मिल सकें।

नेहा ने कैटरीना को लेकर कहा कि वह शानदार पार्टी प्लानर हैं। वह काफी अच्छे से पार्टी में भोजन को लेकर प्लानिंग करती हैं और वह एक अच्छी मेजबान भी हैं। उन्होंने कहा कि कैटरीना ये सुनिश्चित करती हैं कि सब को उनके पसंद के मुताबिक खान मिल सके। शाकाहारी, मसालेदार, कम मसालेदार जैसे कई विकल्प मौजदू होते हैं, जिस वजह से उनकी पार्टी काफी आनंददायक होती है, बिलकुल जैसे यह कोई पारिवारिक समारोह हो। अभिनेत्री ने कैटरीना की तारीफ करते हुए आगे कहा कि वह उनसे बेहद प्यार करती हैं। इस दौरान उनकी तारीफ करते हुए उन्हें काफी दयालु, मेहनती और अनुशासित बताया।

बताते चलें की 'बैड न्यूज' एक रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी, एमी विर्की ,नेहा धूपिया आदि कलाकार नजर आए हैं। फिल्म को आनंद तिवारी ने निर्देशित किया है। फिल्म से करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शनंस भी बतौर निर्माता जुड़ी है। फिल्म 19 जुलाई को रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों से काफी प्यार भी मिल रहा है।

जान्हवी कपूर के पसंदीदा अभिनेता हैं कौन, जिनके लिए अमिताभ बच्चन-ऋतिक-विक्की कौशल को भी ठुकराया

जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'उलझ' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक इंटरव्यू के दौरान जान्हवी ने एक ऐसे अपने पसंदीदा अभिनेता के बारे में बताया, जिसके लिए उन्होंने अमिताभ बच्चन, ऋतिक रोशन और विक्की कौशल के साथ दिए हुए इस ऑफर को भी ठुकरा दिया।

जाह्नवी कपूर के लिए यह साल काफी खास होने वाला है। जान्हवी लगातार फिल्में साइन कर रही हैं। वह बॉलीवुड के अलावा कई साउथ की फिल्में भी साइन कर चुकी हैं। जान्हवी कई प्रोजेक्टस पर एक साथ काम कर रही हैं, जल्द ही जान्हवी की नई फिल्म 'उलझ' रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का लाजवाब ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। बता दें 'उलझ' 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

'उलझ' के प्रमोशन के दौरान जब जान्हवी से पूछा गया कि वह डांस के लिए ऋतिक रोशन और विक्की कौशल में से किसे चुनेंगी साथ ही अभिनय किस अभिनेता के साथ करना पसंद करेंगी। तो इस पर जान्हवी ने बात को घूमाते हुए कहा कि उन्होंने हाल ही में फिल्म 'देवरा पार्ट वन' के लिए जूनियर एनटीआर के साथ एक गाना शूट किया है और अब उनके साथ एक नया गाना शुरू करने के लिए बेताब हैं। इससे पता चलता है कि जान्हवी को जूनियर एनटीआर के लिए किस तरह की दीवानगी है।

फिल्म 'देवरा' में जान्हवी, जूनियर एनटीआर के साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में जान्हवी थंगम नामक एक गांव की लड़की के रूप में नजर आएंगी। प्रशंसक जान्हवी और जूनियर एनटीआर को साथ फिल्म में देखने के लिए बेकरार हैं। बता दें कि 'उलझ' का ट्रेलर 16 जुलाई को रिलीज हुआ था। ट्रेलर और गाने की रिलीज के बाद से ही दर्शकों में फिल्म की रिलीज को लेकर काफी उत्साह देखा गया है। इस साल जान्हवी बैक टू बैक कई फिल्मों में नजर आ रही हैं। इस साल सबसे पहले जान्हवी 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में नजर आई थीं। इसके बाद जान्हवी 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में स्पेशल अपीयरेंस में नजर आई थीं। अब जान्हवी की फिल्म 'उलझ' अगस्त में रिलीज के लिए तैयार है। इसके बाद जान्हवी 'देवरा' और 'आरसी 16' में नजर आएंगी।

क्या आपको भी बहुत ज्यादा नींद आती रहती है? कहीं ये गंभीर समस्या का संकेत तो नहीं

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम जितना ही अच्छी नींद भी जरूरी है। मानसिक और शारीरिक दोनों सेहत को ठीक रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को रोजाना रात में कम से कम 6-9 घंटे की अच्छी नींद जरूर लेने की सलाह देते हैं। अच्छी नींद को बेहतर स्वास्थ्य का संकेत भी माना जाता है।

पर कहीं आपको बहुत ज्यादा या अक्सर नींद-सुस्ती जैसी समस्या तो नहीं बनी रहती है? कहीं आपको दिन के समय भी तो अक्सर नींद नहीं आती रहती है? सोकर उठने के बाद फिर से सोने का मन करता है?

ज्यादा नींद आने के कई कारण हो सकते हैं। शिफ्टवर्क (नाइट शिफ्ट), रात में पढ़ने या कोई अधिक मेहनत वाला काम करने से आपको इस तरह की दिक्कत कभी-कभी हो सकती है। पर अक्सर बनी रहने वाली ऐसी समस्या को चिंता का विषय माना जा सकता है।

अत्यधिक नींद आते रहने की समस्या

अत्यधिक नींद आने को हाइपरसोमनिया के नाम से जाना जाता है। पर्यावरणीय और दिनचर्या जैसे कारकों के अलावा अवसाद, नींद संबंधी विकार, दवाओं के दुष्प्रभाव, थायरॉयड विकार और कुछ प्रकार की गंभीर अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी बहुत अधिक नींद आने लगती है।

आमतौर पर, सामान्य से ज्यादा घंटे सोने और दिन के समय नींद आते रहने को हाइपरसोमनिया की समस्या माना जाता है। इसमें आपको थकान महसूस हो सकती है, या ऐसा लग सकता है जैसे आपकी आंखें थकी हुई हैं और उन्हें बार-बार बंद करने की जरूरत है। वैसे तो अधिक नींद आने को ज्यादा गंभीर नहीं माना जाता है हालांकि कुछ कारणों पर ध्यान देना जरूरी है जो इसकी वजह हो सकती हैं।

कहीं ये दवाओं का साइड-इफेक्ट तो नहीं?

अत्यधिक नींद आने की समस्या कुछ प्रकार के दवाओं के साइड-इफेक्ट के कारण हो सकती है। विशेषतौर पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज करा रहे लोगों में ये दिक्कत अधिक देखी जाती रही है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि ब्लड प्रेशर, अवसाद, नाक बंद होने (एंटीहिस्टामाइन), मिर्गी आदि का इलाज करा रहे लोगों को दवाओं के कारण अधिक नींद आने की दिक्कत बनी रह सकती है।

अगर आपको लगता है कि प्रिसक्रिप्शन दवाओं के कारण आपको ज्यादा नींद आ रही है तो डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के कारण भी हो सकती है ये दिक्कत

कुछ प्रकार के न्यूरोलॉजिकल विकार जैसे नार्कोलेप्सी के शिकार लोगों को भी अक्सर या बहुत ज्यादा नींद आते रहने की दिक्कत हो सकती है। नार्कोलेप्सी की स्थिति मस्तिष्क की उस क्षमता को प्रभावित कर देती है जो सोने-जागने के चक्र को नियंत्रित करती है। रात के समय ऐसे रोगियों को अक्सर नींद टूटने (अनिद्रा के समान) की दिक्कत होती है। वहीं दिन में काम के समय अत्यधिक नींद आने का जोखिम बना रहता है।

मानसिक स्वास्थ्य विकार

स्ट्रेस-एंग्जाइटी हो या अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या, इसके शिकार लोगों को भी अक्सर नींद आते रहने की दिक्कत हो सकती है। अवसाद जैसी स्थितियां शरीर की ऊर्जा को कम कर देती हैं, जिससे अक्सर सुस्ती बनी रहती है और आपको नींद आती रह सकती है। अवसाद के रोगी अक्सर रात में ठीक से नहीं सो पाते हैं, तो उन्हें दिन में अत्यधिक नींद आती रहती है। मानसिक स्वास्थ्य विकारों का इलाज करा रहे लोगों को दवाओं के कारण भी बहुत ज्यादा नींद आती रहती है।

50 की उम्र में भी हड्डियां बनी रहेंगी मजबूत डॉक्टर ने बताए इसके लिए सबसे कारगर तरीके

उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की कमजोरी और इससे संबंधित विकारों का जोखिम भी बढ़ने लगता है। आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं के कारण चलना-उठना भी मुश्किल हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी ने इन जोखिमों को और भी बढ़ा दिया है। हड्डियां मजबूत बनी रहें और इनमें कमजोरी-क्षति न होने पाए इसके लिए आवश्यक है कि कम उम्र से ही प्रयास किए जाएं।

आहार में कैल्शियम और विटामिन-डी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को शामिल करना, नियमित व्यायाम जैसे उपाय करके जोखिमों को कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हड्डियों की अच्छी सेहत के लिए पौष्टिकता से भरपूर चीजों का सेवन सबसे आवश्यक है। आइए जानते हैं कि ऐसे क्या उपाय किए जा सकते हैं जिससे 50 की उम्र में भी हड्डियां मजबूत बनी रहें और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं का खतरा भी कम हो सके?

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डॉ जी बताते हैं, 30 से कम उम्र के लोग पीठ-कमर दर्द की शिकायत के साथ आ रहे हैं। गठिया-जोड़ों में दर्द की दिक्कत भी बढ़ती देखी जा रही है। लाइफस्टाइल में गड़बड़ी जैसे लंबे समय तक बैठने, व्यायाम न करने जैसी आदतें इसके लिए जिम्मेदार मानी जाती हैं। इस तरह की दिक्कतों से बचे रहने के लिए कम उम्र से ही प्रयास जरूरी है।

शारीरिक निष्क्रियता आपके लिए नुकसानदायक

शारीरिक निष्क्रियता जैसे व्यायाम की कमी, ज्यादा देर तक बैठे रहने की आदत न सिर्फ क्रोनिक बीमारियां बढ़ाती हैं साथ ही इससे हड्डियों से संबंधित समस्याओं का खतरा भी अधिक हो सकता है।

हमारे जोड़ों को चिकनाई और स्वस्थ रहने के लिए गतिशीलता की आवश्यकता होती है। लंबे समय तक बैठे रहने से जोड़ों में अकड़न हो सकती है, जिससे दीर्घकालिक रूप में गठिया जैसी समस्याओं का खतरा रहता है। लंबे समय तक बैठे रहने से बचें और नियमित व्यायाम की आदत बनाकर आप हड्डियों की समस्याओं से सुरक्षित रह सकते हैं।

पौष्टिक आहार जरूरी

अगर आपका आहार पौष्टिक है तो हड्डियों से लेकर सभी अंगों के लिए इसे लाभकारी माना जाता है।

आपकी हड्डियों के लिए कैल्शियम से बेहतर कुछ नहीं है। इसके लिए डेयरी उत्पादों का सेवन करना चाहिए इसके साथ बहुत सारी सब्जियों में भी ये पाया जाता है। आहार में हरी पत्तेदार सब्जियां-साग जरूर शामिल करें। गहरे रंग के साग में विटामिन-के भी होता है, जो ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को कम कर सकता है। इसी तरह नट्स और विटामिन-डी वाली चीजें भी जरूरी हैं। विटामिन-डी के बिना कैल्शियम का अवशोषण नहीं हो पाता है। कम उम्र से ही आहार को ठीक रखकर आप हड्डियों की समस्याओं से बचे रह सकते हैं।

धूम्रपान से बिल्कुल बना लें दूरी

सिगरेट में मौजूद निकोटीन हड्डियों को बनाने वाली कोशिकाओं (ऑस्टियोब्लास्ट) के उत्पादन को धीमा कर देता है, जिससे हड्डियों का प्राकृतिक रूप से क्षरण तो होता रहता है पर नई हड्डियां बन नहीं पाती हैं। धूम्रपान करने से आहार में कैल्शियम का अवशोषण भी कम हो जाता है। हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए इस एक आदत को छोड़ना सबसे जरूरी है। ऑस्टियोपोरोसिस के अधिकतर लोगों में धूम्रपान की आदत देखी जाती रही है।

पथरी को निकाल कर बाहर कर देती है यह दाल, मोटापा के साथ शुगर और केलोस्ट्रॉल भी करती है कंट्रोल

आखिर आयुर्वेद में पेड़, पौधे, पत्तियां और उनके फल और बीज आदि का ही तो इस्तेमाल होता है. ऐसा ही एक अनाज कुलथी दाल है. आज हम आपको इसी कुलथी दाल के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं.

कुलथी दाल मोटापा कम करने में मददगार है. इसके साथ ही यह शरीर में होने वाली पथरी को निकाल कर बाहर करने का काम करती है. यह शुगर कंट्रोल करने में भी काफी मदद करती है और बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को भी कम करती है. शरीर पर इसके चौंकाने वाले फायदे दिखते हैं और इसका इस्तेमाल भी काफी आसानी से किया जाता है.

इन रोगों में है लाभकारी

डॉ ने बताया कि कुलथी दाल आसानी से कहीं पर भी मिल जाती है. इसमें फाइबर और प्रोटीन की मात्रा भरपूर होती है. यह शरीर को ताकतवर बनाती है और स्वास्थ्य लाभ देती है. यह सबसे पथरी पर सबसे ज्यादा प्रभाव दिखाती है. यह पथरी को शरीर के किसी भी हिस्से से निकालकर बाहर कर देती है और इसके इस्तेमाल से शुगर लेवल भी काफी हद तक कंट्रोल हो जाता है. यह पाचन शक्ति को दुरुस्त करती है और बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम करने का काम करती है.

वजन घटाने में भी है मददगार

यह वजन घटाने में भी काफी ज्यादा प्रभावी होती है. यह ऐसी औषधि है जिसका इस्तेमाल युवा, महिला बुजुर्ग और बच्चे आसानी से कर सकते हैं. इसके इस्तेमाल से शरीर पर चौंकाने वाले फायदे होते हैं और इसका शरीर पर कोई भी दुष्प्रभाव नहीं होता. इसका इस्तेमाल भी कई प्रकार से किया जा सकता है.

कुलथी दाल इस्तेमाल का तरीका

डॉ राघवेंद्र चौधरी ने बताया कि कुलथी की दाल एक मुट्ठी लेने के बाद करीब आधा लीटर पानी में रातभर भिगोकर रखे. सुबह में खाली पेट उस पानी को पी लें और दाल को चबा कर खा लें. इसका चूर्ण बनाकर भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है और इस चूर्ण को दूध और पानी के साथ भी इस्तेमाल करते हैं.सब्जी के रूप में भी इस्तेमाल होती है कुलथी दाल|इस दाल को सब्जी के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है. काफी लोग इस दाल का इस्तेमाल किसी न किसी रूप में करते भी हैं. यह शरीर पर इस्तेमाल के बाद चौंकाने वाले फायदे करता है और इसका शरीर पर कोई भी दुष्प्रभाव नहीं होता है.

पित्त की पथरियों को खींचकर बाहर निकाल देगी मूली, काम आएंगे ये घरेलू उपाय

किडनी की पथरी की तरह पित्ताशय की थैली यानी पित्त में पथरी बनना भी एक आम समस्या है। पित्ताशय की थैली में पथरी का तब तक पता नहीं चलता जब तक कि वे गंभीर दर्द का कारण न बन जाएं। पित्त की पथरी छोटी और कठोर हती हैं। यह तब बनती हैं, जब पित्ताशय में में कोलेस्ट्रॉल और बाइल साल्ट की मात्रा अधिक हो जाती है। पथरियों का आकार अनाज के दाने से लेकर टेनिस बॉल जितना बड़ा हो सकता है।

पित्त की थैली में पथरी बनने पर आपको कई लक्षण महसूस हो सकते हैं, जिनमें पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में अचानक और तेज दर्द होना, पेट के बीच में दर्द होना, कंधे के पास पीठ में दर्द, दाहिने कंधे में दर्द, मतली या उलटी महसूस होना।

पित्त पथरी का इलाज क्या है? अगर पथरी छोटी है, तो यह अपने आप बाहर निकल सकती है। यह पित्त नली के जरिए आंतों से होकर थैली से बाहर निकल सकती है।यह पित्त नली में भी फंस सकती है, जिससे समस्या गंभीर हो सकती है। इसके लिए मेडिकल इलाज, दवाएं और सर्जरी उपलब्ध हैं लेकिन आप कुछ घरेलू उपायों के जरिए भी इससे राहत पा सकते हैं।

पित्त की पथरी का इलाज है हल्दी

हल्दी को एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है। हल्दी के सेवन से पित्त की घुलनशीलता को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। हेल्दी एंड फिट रहने और पित्त की पथरी को दूर रखने के लिए हर दिन हल्दी में शहद मिलाकर खाएं।

पित्त की पथरी का सस्ता इलाज है नींबू

नींबू का रस विटामिन सी का एक बढ़िया स्रोत है। विटामिन सी भरपूर चीजों के सेवन से पित्त पथरी को बनने से रोका जा सकता है। इसके लिए आपको रोजाना नींबू का पानी पीना चाहिए। आप सुबह उठकर सबसे पहले नींबू का पानी पी सकते हैं। अच्छे रिजल्ट के लिए दिन भर खूब पानी पिएं।

क्रैनबेरी का जूस

रोजाना एक गिलास क्रैनबेरी जूस पीने से आपको पित्त की पथरी में आराम मिल सकता है।

नारियल का तेल

यदि आप पित्ताशय की थैली से पीड़ित हैं, तो यह उपाय आपके लिए एकदम सही है। नारियल के तेल में मौजूद फैट को लिवर आसानी से पचा लेता है। 3 बड़े चम्मच नारियल का तेल, 1/4 गिलास सेब का रस, आधा नींबू का रस, एक लहसुन लौंग और एक अदरक के टुकड़े को मिक्स कर लें और इस मिश्रण को रोजाना लें।

पित्त की पथरियों बाहर निकालने के घरेलू उपाय

ग्रीन टी है पित्त का पथरी का असरदार घरेलू उपाय, सिंहपर्णी की जड़, चुकंदर का रस बाहर निकालेगा पित्त की पथरी, मूली का रस आदि।

आप खुद ही तो नहीं पहुंचा रहे हैं मस्तिष्क को नुकसान? बहुत हानिकारक हैं ये आदतें

मस्तिष्क हमारे शरीर का 'मास्टर' हिस्सा है। शरीर के सभी कार्यों के संचालन, भावनात्मक नियंत्रण के साथ इसकी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आप क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं, आप कैसे सीखते और चीजों को याद रखते हैं, आप कैसे चलते और बात करते हैं ये सभी चीजें मस्तिष्क द्वारा ही नियंत्रित और संचालित की जाती है। मसलन, मस्तिष्क को शरीर का सेंट्रल कंप्यूटर कहा जा सकता है जो शरीर के सभी कार्यों को नियंत्रित करता है।

इससे स्पष्ट होता है कि शरीर को स्वस्थ रखने और बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए मस्तिष्क का फिट रहना सबसे जरूरी है।

हालांकि हमारी दिनचर्या की कुछ खराब आदतों और आहार में गड़बड़ी के कारण मस्तिष्क से संबंधित कई तरह की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

इन्हीं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न न्यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य विषयों पर सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के बारे में लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 22 जुलाई को विश्व मस्तिष्क दिवस मनाया जाता है।

मस्तिष्क विकारों का बढ़ता जोखिम

अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थाएं दुनियाभर में बढ़ती मस्तिष्क विकारों को लेकर काफी चिंतित हैं। विशेषज्ञ कहते हैं, जलवायु परिवर्तन, दिनचर्या में गड़बड़ी सहित कई कारक मस्तिष्क के लिए दिक्कतें बढ़ाती जा रही हैं। बढ़ते तापमान, प्रदूषण जैसी पर्यावरणीय और धूम्रपान, शारीरिक निष्क्रियता जैसी आदतों के कारण स्ट्रोक, माइग्रेन, मिर्गी, मल्टीपल स्केलेरोसिस, सिजोफ्रेनिया, अल्जाइमर रोग और पार्किंसंस जैसी दिक्कतें पहले के तुलना में काफी आम हो गई हैं। यहां तक कि कम उम्र के लोग भी अब इन रोगों के शिकार हो रहे हैं।

आइए जानते हैं कि हमारी कौन सी आदतें मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा रही हैं जिनमें तुरंत सुधार किया जाना जरूरी है?

बहुत ज्यादा बैठे रहना नुकसानदायक

रिपोर्ट के मुताबिक औसत वयस्क प्रतिदिन साढ़े छह घंटे बैठा रहता है, और कुर्सी पर बैठे रहने का यह सारा समय मस्तिष्क पर बहुत बुरा असर डालता है। साल 2018 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि बहुत ज्यादा देर तक बैठे रहने की आदत मस्तिष्क के उस हिस्से में बदलाव का कारण बनती है जो याददाश्त के लिए जरूरी है।

शोधकर्ताओं ने 45 से 75 वर्ष की आयु के कुछ प्रतिभागियों के एमआरआई में पाया कि ज्यादा बैठे रहने वाले लोगों के ब्रेन का मीडियल टेम्पोरल लोब (एमटीएल) काफी पतला हो गया था। एमटीएल मस्तिष्क का वह हिस्सा है जो नई यादें बनाता है। इस बदलाव के कारण संज्ञानात्मक गिरावट और डिमेंशिया का जोखिम बढ़ सकता है।

नींद पूरी नहीं होती है तो सावधान

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने एक रिपोर्ट में बताया दुनियाभर में एक तिहाई वयस्कों को रोजाना सात से आठ घंटे की नींद नहीं मिल पाती है। इससे संबंधित एक शोध में पाया गया कि जो लोग कम सोते हैं उनमें मस्तिष्क विकारों की समस्या अधिक देखी जाती है। इससे संज्ञानात्मक कौशल- जैसे कि याददाश्त, तर्क और समस्या के समाधान की ताकत भी कम हो जाती है। लंबे समय तक नींद पूरी न होने से कई मानसिक रोगों का जोखिम भी बढ़ जाता है।

गड़बड़ खान-पान का असर

आपका आहार भी मस्तिष्क के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिक चीनी का सेवन मस्तिष्क के स्मृति केंद्र हिप्पोकैम्पस को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। ब्रेड, बिस्किट और पैक्ड जूस जैसे अधिक चीनी वाले खाद्य और पेय पदार्थों से बचें।

इसके अतिरिक्त, तले हुए खाद्य पदार्थों और शराब से भी मस्तिष्क की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। आहार में नमक की मात्रा अधिक होने से ब्लड प्रेशर बढ़ने और ब्रेन स्ट्रोक जैसी जानलेवा समस्याओं का भी जोखिम रहता है।

लो ब्लड प्रेशर में क्या खाएं और क्या न खाएं?

प्रश्न : लो ब्लड प्रेशर में क्या खाएं और क्या न खाएं? कृपया कर बताएं!

- श्रीमती सरोज शास्त्री, खम्मम

उत्तर : लो ब्लड प्रेशर यानि निम्न रक्तचाप में अधिक फल सब्जियों और पौष्टिक भोजन पदार्थों का सेवन करें ।

*भोजन के साथ मूली, गाजर, खीरा ककड़ी आदि का सलाद बनाकर सेवन करें ।

*प्रतिदिन हरी सब्जियों का सूप बनाकर पीवें।

* अंकुरित अनाज और दालों का सेवन करें।

* प्रतिदिन खजूर, आंवले, सेव, गाजर का मुरब्बा लें।

* भोजन से पहले रोजाना 300 ग्राम टमाटर काटकर उसमें सेंधा नमक मिलाकर लेवें।

* भोजन से पूर्व अदरक और नमक लिया जा सकता है।

* अनार, संतरा, अंगूर, सेव, गाजर, चुकंदर, अन्नानास फल अवश्य लें।

* दूध में दूध छुहारे देर तक उबालकर सेवन करें।

* रात को जल में बादाम भिगोकर फिर सुबह पीसकर दूध में मिलाकर पिएं।

* गाजर के 200 ग्राम रस में 30 ग्राम पालक का रस या आंवले के 25 ग्राम रस में 10 ग्राम शहद मिलाकर सेवन करें।

निम्न रक्तचाप में पचने में भारी, घी - तेल से बने पदार्थ, गर्म मिर्च मसालों और खट्टे, चटपटे खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करें। कठोर मेहनत से बचें। सीढ़ियों पर चढ़ने व धूप में अधिक चलने फिरने से बचें। कम - कम मात्रा में दिन में कई बार भोजन लें। एक साथ अधिक मात्रा में भोजन न करें। अच्छा और पौष्टिक भोजन रोगी का सर्वोत्तम उपचार है।

निम्न रक्तचाप में आमलकी रसायन का सेवन किया जा सकता है। रसायन चूर्ण टेबलेट, ऊंझा ताप्यादि लोह टेबलेट, ऊंझा पंचासव, ऊंझा द्राक्षासव 20 मिलीलीटर मात्रा में आधा कप गुनगुने पानी में मिलाकर भोजन करने के बाद सेवन किया जा सकता है। निम्न रक्तचाप में यह प्रयोग काफी गुणकारी है।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले 2 साल से आंव की शिकायत है। पेट में दर्द रहता है, सुस्ती व कमजोरी रहती है । स्वभाव चिड़चिड़ा हो गया है। कृपया आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- ए प्रसाद राव, करीमनगर

उत्तर : आपकी ये सारे लक्षण संग्रहणी से मिलते हैं। इसमें मंदाग्नि और अपच की तकलीफ रहती है। खाया हुआ अच्छी तरह से पचता नहीं है, इसी कारण कमजोरी और सुस्ती रहती है।

आप सुबह शाम ऊंझा कुटजघन वटी एवं औरा ट्रायोगान टेबलेट भोजन के बाद पानी से लेवे। भोजन के बाद ही ऊंझा बिल्वासव 20 मिलीलीटर की मात्रा में 50 मिलीलीटर गुनगुने पानी में मिलाकर भोजन करने के बाद लेवें। गरिष्ठ भोजन, तले हुए पदार्थ, मैदा व बेसन के बने पदार्थ, मसालेदार व्यंजन का सेवन बंद कर दें। यह चिकित्सा कम से कम 2 मंडल तक करें। एक मंडल 40 दिन का होता है। आपको अवश्य आराम मिलेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। कमर दर्द की समस्या से परेशान हूं। कृपया इसके उपचार के सरल उपाय बताए।

- गोवर्धन दिवाकर, हैदराबाद

उत्तर : कमर दर्द का मुख्य कारण वात का कुपित होना एवं शरीर का दुर्बल होना है। कमर दर्द के कारण सीधा खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में यह दर्द अधिक बढ़ जाता है। कुछ महत्वपूर्ण घरेलू उपचारः

*अदरक और घी : अदरक का रस चार चम्मच तथा शुद्ध गाय का घी दो चम्मच मिलाकर एक खुराक प्रतिदिन लेते रहने पर कुछ ही दिनों में कमर का दर्द ठीक हो जाता है।

*आलू की पुल्टिस : कमर दर्द का बचाव करने के लिए कच्चे आलू की पुल्टिस तैयार करें। इसे कमर पर लगाकर साफ पट्टी बांध दें। कुछ देर उल्टे लेटे रहे। काफी आराम मिलेगा।

* अश्वगंधा की जड़ का चूर्णः कमर दर्द के स्थाई आराम के लिए 5 ग्राम अश्वगंधा का पाउडर तथा एक चम्मच पीसी खांड या शक्कर लेवें। ऐसी दो खुराक सुबह और शाम रोगी को दें ,अवश्य आराम होगा।

* अरंडी के तेल से कमर पर मालिश करने से कमर दर्द में आराम मिलता है।

शास्त्रीय योगों में ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वात गजांकुश रस, औरा अश्वगंधा घनवटी-इन तीनों की एक एक गोली सुबह, दोपहर, शाम भोजन के बाद देने से कमर का दर्द स्थाई रूप से कम होता है । औरा रुमाटाईज टिकिया एवं ऊंझा रूमूव कैप्सूल सुबह - शाम भोजन के बाद महारास्नादि काढ़ा के संग लेने से काफी आराम मिलता है। कमर दर्द पर उंझा महानारायण तेल या औरा रुमाटाइज ऑयल की मालिश करने से दर्द जल्दी ही ठीक होता है। चिकित्सा काल में वातकारक आहार-विहार से बचें । बासी भोजन, खटाई, गुड व तेल में तले पदार्थ से परहेज करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

अमेरिका ही नहीं अफगानिस्तान ईरान जैसे देशों से थोक में आ रहा है सस्ता सेब

भारतीय बागवान की यूं उड़ रही है नींद

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीयों के बीच इंपोर्टेड सामानों के प्रति जबरदस्त क्रेज है। इंपोर्टेड सामान चाहे सौंदर्य प्रसाधन हो, सब्जी हो या फल हो, सब का जादू लोगों के सिर चढ़ कर बोलता है। कुछ ऐसा ही सेब में भी हो रहा है। इस समय भारतीय बाजार में इंपोर्टेड सेब की धमक बढ़ रही है। साल 2023-24 के दौरान तो सेब के आयात में 33.98 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर जैसे राज्यों के सेब बागवान परेशान हैं।

5 लाख टन से भी ज्यादा आए विदेशी सेब

भारत में इंपोर्टेड सेब की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। केंद्र सरकार की एजेंसी कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के अनुसार, भारत ने 2023-24 में 5.1 लाख टन सेब का आयात किया, जो 2022-23 में 3.7 लाख टन से अधिक है। मतलब कि करीब 34 फीसदी की बढ़ोतरी।

कहां से आ रहे हैं सेब

भारत में मुख्य रूप से ईरान, तुर्की, इटली, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और अमेरिका से सेब का आयात किया जाता है। हाल के वर्षों में इन देशों से आयात में काफी वृद्धि देखी गई है। उदाहरण के लिए, ईरान से सेब का आयात साल 2023-24 में 1.37 लाख टन तक पहुंच गया। यह साल 2022-23 में आए 80,346 टन से 71.77 फीसदी अधिक है। इसी तरह, तुर्की से आयात 9 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 में 1.17 लाख टन हो गया, जबकि 2022-23 में यह 1.07 लाख टन था।

अफगानिस्तान से दबा कर हो रहा है आयात

हाल के वर्षों के दौरान अफगानिस्तान से सेब के आयात में नाटकीय रूप से 2400 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। साल 2022-23 के दौरान भारत ने अफगानिस्तान से 1,508 टन सेब का आयात किया था। यह साल 2023-24 में बढ़कर 37,837 टन तक पहुंच गया। कुछ लोग इसे 'तालिबानी सेब' भी बोल रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पोलैंड से सेब का आयात 2023-24 में 33,409 टन रहा, जो 2022-23 में 26,323 टन था। दक्षिण अफ्रीका से आयात 2022-23 में 19,256 टन से बढ़कर 2023-24 में 27,738 टन हो गया, जबकि अमेरिका से आयात 2022-23 में 4,486 टन से बढ़कर 2023-24 में 20,540 टन हो गया।

घटी इंपोर्ट ड्यूटी से बढ़ गया आयात

भारत ने पिछले साल जून में ही इंपोर्टेड सेब पर कस्टम ड्यूटी में कमी है। पहले आयातित सेब पर 75 फीसदी की ड्यूटी लगती थी, जिसे जून 2023 में घटा कर 50 फीसदी कर दिया गया। सेब के बागवान इस शुल्क को बढ़ा कर 100 फीसदी करने की मांग कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश फल और सब्जी उत्पादक संघ के अध्यक्ष नरेश चौहान ने रूरल वॉयस से बातचीत में बताते हैं कि विदेशी सेब भारतीय सेब की तुलना में सस्ते हैं। इसी से भारतीय सेबों की मांग कम हो गई है। उनका कहना है कि सस्ते विदेशी सेब की वजह से हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के हजारों बागवानों को काफी नुकसान हुआ है।

कोल्ड स्टोरेज का किराया नहीं निकल रहा

चौहान बताते हैं कि बरसात बीतते ही सेब की तुड़ाई शुरू हो जाती है। नवंबर-दिसंबर तक सेब कोल्ड स्टोरेज में रख दिया जाता है ताकि हार्वेस्टिंग सीजन बीतने के बाद उसे निकाल कर महंगा बेचा जा सके। लेकिन उसी समय विदेशों से सस्ता सेब भारतीय बाजार में पहुंच रहा है।

तीसरे दिन अपर सर्किट में फंसा मुकेश अंबानी की कंपनी का शेयर

5 साल में 5000% से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी लोटस चॉकलेट के शेयरों ने आज लगातार तीसरे दिन अपर सर्किट छू लिया। पिछले तीन सत्र में कंपनी के शेयरों में 15 फीसदी तेजी आई है। यह रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की सब्सडियरी कंपनी है। आरसीपीएल देश की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी रिलायंस रिटेल की सहयोगी कंपनी है। रिलायंस रिटेल की कमान मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी के पास है। लोटस चॉकलेट का शेयर हफ्ते के पहले दिन मार्केट खुलते ही पांच फीसदी की तेजी के साथ 811.10 रुपये पर पहुंच गया जो इसका ऑल-टाइम हाई लेवल है। पिछले सत्र में यह 772.50 रुपये पर बंद हुआ था। लोटस चॉकलेट का पहली तिमाही में मुनाफा कई गुना बढ़कर 9.41 करोड़ रुपये पहुंच गया जो पिछले साल की समान तिमाही में 20 लाख रुपये था। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू भी 32.21 करोड़ रुपये से बढ़कर 141.31 करोड़ रुपये पहुंच गया। इसशेयर ने पिछले पांच साल में 5,000 परसेंट से अधिक रिटर्न दिया है। अगर किसी ने पांच साल पहले इसमें एक लाख रुपये लगाए होते तो आज उसके निवेश की वैल्यू 51 लाख रुपये होती। 19 जुलाई 2019 को इसकी कीमत 15 रुपये थी। लेकिन रिलायंस और मुकेश अंबानी का नाम जुड़ने के बाद इस शेयर में काफी तेजी आई है। पिछले एक साल में इस शेयर में 235% फीसदी उछाल आई है। इस साल इस शेयर में करीब 154.53% तेजी आई है।

कितने में हुई थी डील

लोटस चॉकलेट्स चॉकलेट, कोको प्रोडक्ट्स और कोको डेरिवेटिव बनाती है। कंपनी के प्रोडक्ट स्थानीय बेकरी से लेकर विदेशों तक दुनियाभर में चॉकलेट कंपनियों और चॉकलेट यूजर्स को सप्लाई किए जाते हैं। कंपनी की स्थापना 1988 में हुई थी। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने इस कंपनी में 51% हिस्सेदारी खरीदी थी। यह सौदा पिछले साल मई में पूरा हुआ था। यह डील 74 करोड़ रुपये में हुई थी। रिलायंस ने 113 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लोटस चॉकलेट के शेयर खरीदे थे। आरसीपीएल ने अपना ब्रांड इंडिपेंडेंस लॉन्च किया है। इसे पूरे देश में लॉन्च करने की योजना है।

आम यात्रियों को बजट में मिल सकती हैं खास ट्रेनों की सौगात

दक्षिण भारत में हाईस्पीड कारीडोर बनाने की घोषणा हो सकती है

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट 23 जुलाई को पेश होने जा रहा है। इस बजट में ट्रेन में सफर करने वाले आम यात्रियों को भी कई बड़ी सौगात मिल सकती है।सूत्रों के मुताबिक, वित्तमंत्री इस बजट में आधुनिक और तेज गति वाली 200 से अधिक नई नॉन एसी ट्रेनें चलाने की घोषणा कर सकती है। इन ट्रेनों के जरिए पहली बार देश के 75 छोटे शहरों (तीन लाख आबादी वाले) को रेल कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। पुल-पुश तकनीय से युक्त इन अमृत भारत ट्रेनों में स्लीपर-जनरल कोच होंगे। कुछ रेलमार्गों पर डिमांड के अनुसार इन ट्रेनों में एसी कोच लगाए जा सकते हैं। ये अमृत भारत ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के छोटे शहरों से रोजगार की तलाश में देश के महानगरों में जाने वाले लोगों को ध्यान में रखकर चलाई जाएंगी। इनका किराया सामान्य मेल-एक्सप्रेस की तरह ही होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट 2024 में हाई स्पीड और सेमी हाईस्पीड ट्रेनों को भी प्राथमिकता मिलेगी। वित्त मंत्री देश के उत्तर, पूर्व व दक्षिण भारत के हिस्से में तीन नए हाई स्पीड कॉरिडोर (बुलेट ट्रेन) बनाने की घोषणा कर सकती हैं। इसमें दिल्ली-अमृतसर सहित कोलकाता और चेन्नई को शामिल किया जा सकता है। कॉरिडोर के फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के लिए बजट का प्रावधान किया जाएगा। इसके अलावा बजट में वंदे भारत व वंदे मेट्रो को संख्या बढ़ाने का एलान भी हो सकता है।

जानकारी के अनुसार, बजट में बढ़ते रेल हादसों पर अंकुश लगाने के लिए नए रेलमार्गों पर टक्कर रोधी तकनीक वर्जन कवच-4.0 की घोषणा की जा सकती है। इसके तहत 35,736 किलोमीटर रेलमार्गों पर कवच लगाया जाएगा। कचव तकनीक ट्रेनों की आमने-सामने व पीछे से टक्कर रोकने में सक्षम है। ड्राइवर के चूक करने पर कवच ट्रेनों में ऑटोमेटिक ब्रेक लग जाता है। नए रेल मार्ग में दिल्ली-कोलकाता, दिल्ली-चेन्नई, दिल्ली-मुंबई, चेन्नई-कोलकाता एवं स्वर्मिण विकर्ण (गोल्डन डायगनल) के दिल्ली-चेन्नई, मुंबई-कोलकाता को शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा वित्तमंत्री भारतीय रेलवे के कायाकल्प के लिए रेलवे का बजट बढ़ा सकती है। वित्तमंत्री रेलवे को 2.85 से तीन लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटन कर सकती है, जो पिछले वर्ष की अपेक्षा 10-15 फीसदी अधिक होगा। हाल ही में रेलवे बोर्ड ने अमृत भारत व नियमित मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में स्लीपर-जनरल कोच बढ़ाने के लिए 12,500 कोच उत्पादन की मंजूरी दी है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार बोले: विकसित भारत की चुनौती से निपटने के लिए घरेलू विकास जरूरी

नीतियां व्यावहारिक हों

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रास्ते पर और स्थिर स्थिति में है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह दावा सरकार की ओर से आर्थिक सर्वे जारी करने के बाद की है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के अनुसार, ठहराव बावजूद निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में तेजी आई है। सीईए के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रास्ते पर और स्थिर स्थिति में है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह दावा सरकार की ओर से आर्थिक सर्वे जारी करने के बाद की है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के अनुसार, ठहराव के बावजूद निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में तेजी आई है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने भविष्यवाणी की है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कृषि क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन करेगा। इसके अतिरिक्त, औद्योगिक विकास में भी व्यापक आधार पर तेजी की उम्मीद है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने कहा है कि उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं ने मई 2024 तक महत्वपूर्ण परिणाम दिया है। ये योजनाएं गति प्राप्त कर रही हैं और इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त प्रगति दिखा रही हैं। इसके तहत 1.28 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश दर्ज किया गया है। नागेश्वरन ने कहा कि इस आर्थिक सर्वे की थीम ऑल हैन्ड्स ऑन टेबल है। रुपये के कमजोर होने पर मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने कहा कि देश के बहुत कम बाहरी ऋण अनुपात के कारण कमजोर मुद्रा भारत को ज्यादा प्रभावित नहीं करती है। सीईए ने कहा कि विकसित भारत की चुनौतियों से निपटने के लिए घरेलू विकास बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) यह भी कहा कि राजकोषीय घाटे के कम होने से निवेश-उन्मुख दृष्टिकोण का पता चलता है।

एयरबस : देश के आठ शहरों में बनेंगे एयरबस के एच125 हेलीकॉप्टर, टाटा की पार्टनरशिप में बनेंगे एडवांस्ड विमान

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। यूरोप की एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनी एयरबस ने अपने एच 125 हेलीकॉप्टरों के निर्माण के आखिरी चरण के लिए भारत के आठ शहरों को चुना है. कंपनी इन शहरों में दूसरे प्लांट यानी चौथा असेंबली लाइन को खोलने का प्लान बना रही है. इसके लिए एयरबस ने भारत की टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के साथ पार्टनरशिप भी की है. खास बात ये है कि अगले कुछ दिनों में ही कंपनी के पहले असेंबली लाइन का उद्घाटन होना है. इसके बाद यहां पर सी 295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का निर्माण किया जाएगा.

एयरबस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन का बड़ा बयान

मामले पर जानकारी देते हुए एयरबस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन ओलिवियर मिचेलोन ने बताया है कि हमने फिलहाल भारत में आठ ऐसे शहरों को चिह्नित किया है जहां पर आखिरी असेंबली लाइन को खोलने पर विचार किया जा रहा है. अभी फिलहाल कंपनी इसका मूल्यांकन कर रही है. उन्होंने अपने बयान में उन शहरों के बारे में जानकारी नहीं दी, लेकिन यह कहा कि वह जल्द ही इसकी घोषणा कर सकते हैं. गौरतलब है कि एयरबस कंपनी का यह चौथा प्लांट होगा जहां सिंगल-इंजन के हेलीकॉप्टर का निर्माण होगा. इससे पहले कंपनी के प्लांट अमेरिका, फ्रांस और ब्राजील जैसे देशों में रहे हैं. बता दें कि भारत में सिंगल-इंजन 125 की फाइनल असेंबली लाइन प्राइवेट सेक्टर में नागरिक हेलीकॉप्टर बनाने वाली पहली कंपनी है.

अगले 20 सालों में होगा 500 हेलीकॉप्टर का निर्माण

एयरबस को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में भारतीय उपमहाद्वीप पर ऐसे हेलीकॉप्टरों की भारी मांग होगी. इसके बाद कंपनी को उम्मीद है कि इस प्लांट से हर साल 10 हेलीकॉप्टर का उत्पादन होगा जिसका शुरुआत साल 2026 से शुरू हो जाएगा. ओलिवियर मिचेलोन ने यह भी कहा कि भारत में निर्मित होने वाले हेलीकॉप्टर न सिर्फ कम समय में बनेंगे बल्कि यह आसपास के पड़ोसी देशों की डिमांड को भी पूरा करेंगे।

बजट से पहले शेयर बाजार गिरावट के साथ हुआ बंद, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में रही खरीदारी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। 23 जुलाई को पेश होने वाले बजट से पहले कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ क्लोज हुआ है. हालांकि आज के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है. बजट से पहले ऑटो स्टॉक्स में भी खरीदारी देखने को मिली है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 102.57 अंकों की गिरावट के साथ 80,502 अंकों पर क्लोज हुआ है जबकि निफ्टी 21.65 अंकों की गिरावट के साथ 24,509.25 अंकों पर क्लोज हुआ है.

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के ट्रेड में एनटीपीसी 2.58 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 2.34 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 2.15 फीसदी, टाटा स्टील 1.87 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.87 फीसदी, पावर ग्रिड 1.76 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.42 फीसदी, सन फार्मा 1.01 फीसदी, एल एंड टी 0.90 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.89 फीसदी, इंफोसिस 0.87 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि गिरने वाले शेयर्रों में रिलायंस 3.46 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 3.30 फीसदी, आईटीसी 1.75 फीसदी, एसबीआई 1.21 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है.

सेक्टरोल अपडेट

आज के ट्रेड में ऑटो, फार्मा, मेटल्स, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और बैंकिंग सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. जबकि ऑयल एंड गैस, आईटी, एनर्जी, मीडिया, रियल एस्टेट, एफएमसीजी सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. आज के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है. निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.24 फीसदी के उछाल के साथ 56,604 अंकों पर बंद हुआ है. जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.96 फीसदी के उछाल के साथ क्लोज हुआ है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 तेजी के साथ बंद हुए जबकि 16 गिरावट के साथ क्लोज हुए.

निवेशकों की संपत्ति में उछाल

आज के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में उछाल के चलते निवेशकों की संपत्ति बढ़ी है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 448.38 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछला कारोबारी सत्र में 446.38 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था. यानि आज के कारोबारी सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपया का गिरावट देखने को मिला है.

हैदराबाद में सोने के भाव

हैदराबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। हैदराबाद में इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हुआ है और इसके साथ ही शहर में बहुत सी बड़ी कंपनियों ने अपने ऑफिस भी शुरू किए हैं। इस शहर के लोगों को सोने की ज्वैलरी काफी पसंद है। हैदराबाद में सोने के भाव देश के साथ ही अंतरराष्ट्रीय कारणों पर भी निर्भर करते हैं, जिनमें इन्फ्लेशन, वैश्विक नीतियां, सेंट्रल बैंक का गोल्ड रिजर्व और सीजन के अनुसार मांग शामिल हैं।। हैदराबाद में आज का सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 73,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 67,700 रुपये है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2024 में सामने आया प्लान

चीन से ऐसे फायदा उठाएगा भारत

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भले ही भारत के चीन के साथ राजनीतिक रिश्ते कैसे भी हो, लेकिन मौजूदा समय में दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते बिगड़े नहीं हैं. गलवान घाटी में दोनों देशों के बीच तनातनी के बाद भी भारत चीन से सामान आयात करता रहा है. हर साल इस इंपोर्ट में इजाफा देखने को मिला है. तमाम प्रतिबंधों के बाद भी इस इंपोर्ट में कोई गिरावट देखने को नहीं मिली है. यहां तक कि भारत का व्यापार घाटा भी बढ़ रहा है. ऐसे में भारत ने एक ऐसा प्लान बनाया है, जिससे चीन का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाया जा सके. इसकी प्लानिंग भी भारत सरकार ने इकोनॉमिक सर्वे में पेश कर दी है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर चीन को लेकर इकोनॉमिक सर्वे में भारत सरकार ओर से क्या प्लान बनाया गया है?

इकोनॉमिक सर्वे में चीन का जिक्र

संसद में सोमवार को पेश इकोनॉमिक सर्वे में कहा गया चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह बढ़ने से भारत की ग्लोबल सप्लाई चेन में भागीदारी और निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है. सर्वे के अनुसार भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में अपनी भागीदारी को बढ़ाना चाहता है. इसलिए उसे पूर्वी एशिया की अर्थव्यवस्थाओं की सफलताओं तथा रणनीतियों पर भी ध्यान देने की जरूरत है. इन अर्थव्यवस्थाओं ने आमतौर पर दो मुख्य रणनीतियों का अनुसरण किया है...व्यापार लागत को कम करना और विदेशी निवेश को सुगम बनाना.

क्या है प्लान

इसमें कहा गया कि भारत के पास चीन प्लस वन रणनीति से लाभ उठाने के लिए दो विकल्प हैं.. या तो वह चीन की आपूर्ति श्रृंखला में शामिल हो जाए या फिर चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा दे. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश आर्थिक समीक्षा 2023-24 में कहा गया है कि इन विकल्पों में से चीन से एफडीआई पर ध्यान केंद्रित करना अमेरिका को भारत के निर्यात को बढ़ाने के लिए अधिक आशाजनक प्रतीत होता है, जैसा कि पूर्व में पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं ने किया था.भारत को होगा फायदा इसके अलावा, चीन प्लस वन दृष्टिकोण से लाभ प्राप्त करने के लिए एफडीआई को एक रणनीति के रूप में चुनना, व्यापार पर निर्भर रहने की तुलना में अधिक लाभप्रद प्रतीत होता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	05-31 बजे
चंद्र-	मकर	मे	सिंह-	07-44 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या-	09-50 बजे
बुध-	सिंह	मे	तुला-	11-56 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक-	14-05 बजे
शुक्र-	कर्क	मे	धनु-	16-19 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कुंभ-	18-25 बजे
राहु-	मीन	मे	मीन-	20-16 बजे
केतु-	कन्या	मे	मेष---	21-54 बजे
			वृष--	23-30 बजे
			मिथुन-	01-15 बजे
				03-15 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-56 सूर्यास्त. - 18-48
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- द्वितीया 10-23 तक उपरान्त तृतीया
तिथि- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण ,मंगलवार 23 July
नक्षत्र - धनिष्ठा 20-18 तक उपरान्त
योग - आयुष्मान 14-35 तक उप सौभाग्य
करण- गर 10-23 तक उप वणिज शतभिषा
विशेष:- फल द्वितीया
व्रत -त्योहार - श्री तिलक - आजाद जं

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:37 से 17:14 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग.	05:56 - 07:31 अशुभ	काल	18:48 - 20:14 अशुभ
उत्पात	07:31 - 09:08 अशुभ	लाभ	20:14 - 21:37 शुभ
चंचल	09:08 - 10:45 शुभ	उत्पात	21:37 - 22:59 अशुभ
लाभ	10:45 - 12:23 शुभ	शुभ	22:59 - 00:23* शुभ
अमृत	12:23 - 13:59 शुभ	अमृत	00:23 - 01:46 शुभ
काल.	13:59 - 15:37 अशुभ	चंचल	01:46 - 03:08 शुभ
शुभ	15:37 - 17:14 शुभ	रोग	03:08 - 04:31 अशुभ
रोग	17:14 - 18:48 अशुभ	काल	04:31 - 05:56 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा । आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी । अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है । अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे । अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें । अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा और आपको जल्दी ख़ुशी मिलेगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे । फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी । यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं । इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे । इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझन है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है ।अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया हैं । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

पं। महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

दीपक बैज बोले- बीजेपी राज में स्वास्थ्य सुविधाएं-कानून व्यवस्था बदहाल

कांग्रेस कल करेगी विधानसभा का घेराव

रायपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सुविधा और कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस पार्टी ने राज्य सरकार को घेरने का प्रयास किया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने विष्णुदेव साय शासन में स्वास्थय सुविधा और कानून व्यवस्था समेत कई अपराधिक मामलों को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सात महीने की साय सरकार में प्रदेश में कानून व्यवस्था खस्ताहाल हो गई है, राजधानी में गोलीबारी की आर घटना हुई है। अंतर्राज्यीय गैंगस्टर राज्य में पैर पसार रहे हैं, सरकार है कि मूकदर्शक बनी हुई है। इन सभी मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी 24 जुलाई को विधानसभा की घेराव करेगी।

पीसीसी चीफ बैज ने कहा कि सात माह में राज्य में 300 से अधिक बलात्कार, 80 सामूहिक बलात्कार, 200 से अधिक हत्यायें। चाकूबाजी, लूट, डकैती, चेन स्नेचिंग की अनगिनत घटनाएं हो चुकी है। सरकार आम आदमी की रक्षा नहीं कर पा रही है। सुदृढ़ कानून व्यवस्था के साथ आम आदमी को शुद्ध पेयजल और छोटी-छोटी बिमारियों का इलाज भी साय सरकार नहीं दे पा रही है। इसके साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य सुविधा को लेकर कहा कि वनांचलों में मलेरिया, डायरिया जैसी सामान्य बीमारियों से लोग मारे जा रहे हैं। सात माह में ही भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ की जनता पर त्रासदी साबित हो रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में बस्तर, सरगुजा, जशपुर, कवर्धा आदि क्षेत्रों लगभग 11 हजार लोग डायरिया से तथा 22 हजार से अधिक लोग मलेरिया से पीड़ित हैं। आदिवासी क्षेत्रों में पिछले 10 दिनों में डायरिया से 10 से अधिक मौतें हुई, 12 मौतें मलेरिया से हुई है। बिलासपुर के टेगन माड़ा उपस्वास्थ्य केंद्रों में दो सगे भाईयो की मौत हो गयी, बीजापुर के पोटाकेबिन में दो स्कूली बच्चियों की मौत मलेरिया से हो गयी है। कांकेर जिले में भी एक स्कूली छात्रा की मौत मलेरिया से हो गयी है। जशपुर में दो बच्चों की मौत, कवर्धा के चिल्फी में संरक्षित जनजाति बैगा परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। बिलासपुर जिला में दो भाइयों की मौत, गरियाबंद जिला के मैनपुर के कुल्हाड़ी घाट शोभा, गोना क्षेत्र में मलेरिया का कहर जारी है एक बच्ची की मौत हो गयी।

पीसीसी चीफ ने कहा कि यह डबल इंजन सरकार की हकीकत है 2024 में भी लोग मलेरिया और डायरिया से मर रहे है। राज्य सरकार की लापरवाही से लोगों के सामान्य चिकित्सा सेवायें भी नहीं पहुंच रही है।हाई कोर्ट ने भी मलेरिया और डायरिया से हुई मौतों को गंभीरता से लिया है। मामले में राज्य सरकार को नोटिस देना प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। यह सरकार के लिये शर्म की बात है। सरकार बीमारी के इलाज के लिये प्रभावी कदम उठाने के बजाय मलेरिया और डायरिया से हुई मौतों को नकारने में लगी है। 2018 में जब भाजपा के 15 साल के कुशासन का अंत हुआ था और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी थी उस समय छत्तीसगढ़ में मलेरिया संक्रमण दर 5.63 प्रतिशत था जो 5 साल के कांग्रेस सरकार के सुशासन में मलेरिया उन्मूलन अभियान के बेहतर क्रियान्वयन के फलस्वरूप घटकर मात्र 0.99 प्रतिशत रह गई थी। मलेरिया संक्रमण में 10 गुना कमी आयी थी। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार आने के बाद साय सरकार की लापरवाही और अकर्मण्यता के चलते 7 माह में प्रदेश में मलेरिया संक्रमण की दर पुनः तेजी से बढ़ने लगा है। कांग्रेस सरकार में हाट बाजार क्लिनिक और मेडिकेटेड मच्छरदानियों के वितरण से बस्तर, सरगुजा, कवर्धा, जशपुर के आदिवासी अंचलों से मलेरिया और डायरिया से लोगों की मौतों में विराम लगा था। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति भयावह हो गयी है वनांचल में ही नहीं शहरों में भी स्थिति ठीक नहीं लोग मलेरिया, डायरिया जैसी सामान्य बीमारी से मर रहे है।

भाजपा की सरकार बनते ही छत्तीसगढ़ में जनता एक बार फिर से कुपोषण, एनीमिया, मलेरिया से होने वाली मौत और नक्सलवाद की त्रासदी झेलने मजबूर है। अस्पतालों में दवाई नहीं है, सामान्य जांच बंद हो गई, लोग इलाज के लिये भटक रहे है।

19 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

8 में ऑरेंज और 11 में यलो अलर्ट
अब कम वर्षा वाले सिर्फ 12 जिले

रायपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने 19 जिलों में हैवी रेन का अलर्ट जारी किया है। दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, खैरागढ़, राजनांदगांव, सुकमा, बीजापुर में ऑरेंज तो रायपुर, बिलासपुर, बलौदाबाजार, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, मुंगेली, मोहला मानपुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 376.4 मिमी पानी बरस चुका है। मौसम विभाग का कहना है कि दो दिनों मे पूरे प्रदेश में 67.4 मिमी बारिश हो चुकी है। आने वाले दो दिनों तक भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। दो दिन की बारिश से सूखा खत्म हो गया। 20 में से 8 जिले कम से सामान्य वर्षा वाले क्षेत्र में शामिल हो गए हैं। अब सिर्फ 12 जिले ही कम बारिश वाले रह गए हैं। मौसम विज्ञानी डॉ. गायत्री वाणी कांचिंभ के मुताबिक प्रदेश में पिछले दो दिनों से मानसून सक्रिय है। बंगाल की खाड़ी में बना मजबूत सिस्टम उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ेगा। इससे रायपुर और बस्तर संभाग में अच्छी बारिश की संभावना है।

सावन का पहला सोमवार

हटकेश्वरनाथ महादेव बने 'गणेश'

भूतेश्वरनाथ गए श्रद्धालु बाढ़ में फंसे, भोरमदेव में गृहमंत्री ने की पूजा, शिवालयों में जयकारों की गूंज

रायपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सावन का आज पहला दिन है और सावन की शुरुआत ही सोमवार के साथ हुई है। छत्तीसगढ़ के कई शिवालयों में देर रात से ही महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए लंबी लाइन लग गई हैं। रायपुर के महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ मंदिर में विशेष पूजा रात 2 बजे से ही शुरू हो गई। यहां शिवलिंग का गणेश के रूप में श्रृंगार किया गया है।

सुबह 4 बजे हटकेश्वरनाथ मंदिर समेत कई प्रसिद्ध मंदिरों के पट खुले। रायपुर शहर के बूढ़ेश्वर मंदिर में भी सुबह 6 बजे आरती हुई यहां दोपहर में शिवजी को भोग लगाया जाएगा। प्रसिद्ध मंदिरों में सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम भी किए गए हैं। बिलासपुर के भैरव बाबा मंदिर में 5 लाख पार्थिव शिवलिंग चढ़ाए जाएंगे। कवर्धा के भोरमदेव मंदिर में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पूजा की। वहीं गरियाबंद में भूतेश्वरनाथ गए श्रद्धालु बाढ़ में फंस गए हैं।

युवक के सिर-कनपटी पर धारदार हथियार से वारकर हत्या

मनेंद्रगढ़, 22 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में एक युवक की हत्या कर उसका शव सड़क किनारे फेंक दिया। युवक की कनपटी और चेहरे पर धारदार हथियार से वार किया गया था। सूचना मिलने पर पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची हुई है। मामला मनेंद्रगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, बिहारपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास सोमवार सुबह लोगों ने युवक की लाश देखी। युवक का शव औंधे मुंह पड़ा हुआ था। उसके गले से काफी खून सड़क पर फैला हुआ मिला। शव की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। युवक के आंखों के पास और कनपटी पर धारदार हथियार से वार किया गया है। गहरे जख्म के निशान हैं। युवक के पास पहचान का कोई दस्तावेज या मोबाइल मौके पर नहीं मिला है। फिलहाल एडिशनल एसपी अशोक वाडेगांवकर, एसडीओपी ए. टोप्पो, टीआई अमित कश्यप मौके पर जांच के लिए पहुंचे हैं।

बोलबम, चलो रे कांवड़िया उठाओ कांवड़

इस बार झारखंड में हो रहा जबरदस्त 'स्वागत'

देवघर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अगर आप पटना या बिहार के किसी जिले से इस सावन कांवड़ उठा रहे हैं तो आपके लिए शुभ संदेश है। देश के सबसे बड़े वार्षिक मेलों में शामिल श्रावणी मेला झारखंड के देवघर जिले में रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हो गया है। रविवार को झारखंड की कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने बिहार से लगी राज्य की सीमा पर स्थित दुम्मा में श्रावणी मेले का उद्घाटन किया। राज्य सरकार ने झारखंड के सबसे बड़े सामाजिक-धार्मिक आयोजन के लिए व्यापक इंतजाम किये हैं। श्रावण माह में आयोजित होने वाले श्रावणी मेले में, हर साल देश-विदेश से 35 लाख से अधिक श्रद्धालु आते हैं।

इस महीने, देवघर स्थित ज्योतिर्लिंग का गंगा से अभिषेक करने के लिए हजारों श्रद्धालु बिहार के सुल्तानगंज से झारखंड के बैद्यनाथ मंदिर तक 105 किलोमीटर की यात्रा करते हैं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को देवघर में मेले की तैयारियों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता और आतिथ्य-मेले की मूल भावना होनी चाहिए ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु अच्छी यादें लेकर लौटें। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान पेयजल, आवास, शौचालय, स्वास्थ्य, पार्किंग, बिजली और सूचना प्रणाली जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए।

देवघर प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि सुल्तानगंज से देवघर तक कांवड़ियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा, भीड़ प्रबंधन के लिए ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

उफान पर नदी-नाले

बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, शव को कंधे पर लादकर 20 किमी दूर गांव पहुंचे ग्रामीण

सुकमा, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सुकमा जिले में लगातार हो रही बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। हालात ऐसे हैं कि जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो चुका है। भारी बारिश के बीच जिले भर से अलग-अलग तस्वीर निकलकर आ रही हैं। इन तस्वीरों में एक ऐसी तस्वीर आई है जहां शव को ग्रामीणों ने चारपाई के माध्यम से 20 किलोमीटर पैदल चलकर गांव पहुंचे। मामला सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित किस्टाराम इलाके के अरलापेंटा का है। जहां गंभीर बीमारी से ग्रसित एक ग्रामीण की देसी इलाज के दौरान मौत के बाद ग्रामीण के शव को इतनपाड गांव से उसके ग्रह ग्राम अरलापेंटा ले जाया जाना था, लेकिन नदी नाले उफान पर होने की वजह से शव को वाहन के जरिए नहीं ले जाया जा सका। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा यह फैसला लिया गया कि शव को चारपाई की मदद से पैदल ही 20 किलोमीटर दूर अरलापेंटा ले जाया जाए। शव को चारपाई की मदद से अरलापेंटा तक पहुंचने में ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि अरलापेंटा का ग्रामीण गंभीर बीमारियों से ग्रसित था और पिछले कुछ दिनों से तेलंगाना के भद्राचलम के एक निजी अस्पताल में अपना इलाज करवा रहा था, लेकिन एक समय के बाद पैसों की तंगी की वजह से मरीज को अस्पताल से डिस्चार्ज होना पड़ा।

असली गैंग्स ऑफ जामताड़ा अदालत में दोषी करार

इन्हीं के कारनामों पर बनी थी नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज

रांची, 22 जुलाई (एजेंसियां)। रांची में एक विशेष पीएमएलए अदालत ने शनिवार को जामताड़ा के पांच निवासियों को एक 'संगठित' साइबर अपराध गिरोह संचालित करने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग प्रीवेंशन एक्ट के तहत दोषी ठहराया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। नेटफ्लिक्स पर 'जामताड़ा' नाम की वेब सीरीज 2020 में आई थी। इस शृंखला को झारखंड के इस जिले से कुछ अपराधियों द्वारा संचालित गिरोह द्वारा धोखाधड़ी वाले फोन कॉल करने और बैंक खातों से पैसे निकालने की वास्तविक घटनाओं पर आधारित बताया गया। बाद में पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों ने इन अपराधियों के खिलाफ पूरी ताकत लगा दी, जिनमें से कई युवा थे। आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत दोषी ठहराए गए लोगों में गणेश मंडल (51), उसका बेटा प्रदीप कुमार मंडल (30), संतोष मंडल (51) और उसके बेटे पिंटू मंडल (33) तथा अंकुश कुमार (27) शामिल हैं। सभी पांचों आरोपी जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के मिरगा गांव के निवासी हैं। सूत्रों ने बताया कि अदालत द्वारा सजा 23 जुलाई को सुनाये जाने की उम्मीद है। संघीय जांच एजेंसी ईडी ने मई 2019 में पांचों आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। ईडी ने झारखंड पुलिस की प्राथमिकी और आरोप पत्र का संज्ञान लेते हुए इन साइबर अपराधियों के खिलाफ पीएमएलए के तहत आपराधिक आरोप लगाए। आरोप पत्र में उन पर फर्जी तरीके से बैंक अधिकारी बनकर भोले-भाले लोगों के एटीएम/बैंक खातों से अवैध रूप से धन निकालने और स्थानांतरित करने का आरोप लगाया गया था।

ईडी ने किया था सनसनीखेज खुलासा

ईडी ने कहा था कि उसकी जांच में पाया गया कि 'आरोपियों ने अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर बैंक ग्राहकों, कुछ अन्य व्यक्तियों को धोखा देकर अपने बैंक खातों और परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में धन अर्जित किया और उसे घरों के निर्माण और वाहनों की खरीद में लगाया।'

राज्य की राजधानी रांची से लगभग 210 किलोमीटर दूर स्थित जामताड़ा में 2021 में साइबर अपराध के 76 मामले दर्ज किए गए और 187 जालसाजों को गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2022 के दौरान साइबर अपराध के मामलों में 72 से अधिक मामले दर्ज किए गए और 97 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया।

नई विधानसभा में होगा अगला मानसून सत्र

इसमें बैठ सकेंगे 200 विधायक, 24 मंत्री, एक ही सर्किल में होंगे मंत्रालय-संचालनालय और एसेंबली

रायपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। 28 अगस्त 2020 को कांग्रेस शासन में छत्तीसगढ़ की नई विधानसभा की नींव रखी गई थी। इसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी वर्चुअली शामिल हुए थे। तब सरकार ने प्रदेश की पहली सांसद मिनी माता के नाम पर इसका नाम रखने का फैसला किया था। 2023 में भाजपा की सरकार बनने के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इसके निर्माण की समीक्षा की। करीब 43 माह बाद विधानसभा का निर्माण कार्य 68% पूरा हो चुका है। इस साल दिसंबर तक इसका इन्फ्रास्ट्रक्चर पूरा हो जाएगा और इंटीरियर का काम होगा। पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों इसके लोकार्पण की तैयारी है। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र का आगाज आज से हो रहा है। अगले साल यानी 2025 का मानसून सत्र नए विधानसभा भवन में होगा। ऐसे में हम आपको बताएंगे नए विधानसभा भवन की खासियत। विधानसभा की बिल्डिंग के पास ही अलग से ऑडिटोरियम तैयार किया जा रहा है। यहां 500 लोगों की कैपेसिटी होगी। साथ ही वीआईपी लाउंज, प्री फंक्शन लॉबी, 2 ग्रीन रूम, 2 एडमिनिस्ट्रेटिव रूम, सीढ़ियां, लिफ्ट और दिव्यांगों के लिए रैंप की व्यवस्था की गई है। छत्तीसगढ़ में संवैधानिक व्यवस्था के तहत 13 मंत्री बनाए जा सकते हैं, लेकिन वर्तमान में 11 ही मंत्री है जबकि 2 पद खाली है।

हालांकि यहां 24 मंत्रियों के लिए कक्ष बनाए जा रहे हैं। मंत्रियों के चैंबर सी ब्लॉक में होंगे, यहां एंट्री और एग्जिट के लिए अलग से गेट बनाए गए हैं। विधानसभा में केवल मौजूदा ही नहीं, बल्कि पूर्व विधायकों के लिए भी बैठने की व्यवस्था की जा रही है।

किरंदुल में 'जलजला'

एनएमडीसी का डैम टूटा, पानी में बही गाड़ियां, जान बचाकर भागे लोग

रायपुर/सुकमा/जगदलपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। इस बार की बारिश आफत बनकर आई है। लोग आये दिन भारी बारिश से परेशान हैं। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल नगर में अतिवृष्टि के कारण रविवार को एनएमडीसी का डैम टूट गया। बंगाली कैम्प के ऊपर 11-सी का बांध टूटने से कई मकान पानी की जद में आ गये। पानी का रौद्र रूप देखकर सभी लोग सहम गये। कई लोग जान बचाकर भागे। इस दौरान कई गाड़ियां पानी में बह गईं तो कई जद्दोजहद करती दिखीं। ऐसे में लापता छह वर्षीय बालक घंटों मशक्कत के बाद वापस मिला। सोशल मीडिया पर कई खतरनाक वीडियो सामने आ रहे हैं। अधिक बारिश होने के कारण डैम क्षतिग्रस्त हो गया। इस वजह से कई घर बाढ़ की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इस संबंध में जिला प्रशासन ने तत्काल लोगों को सुरक्षित स्थान ले जाया गया है। इसके अलावा किरंदुल के गाटर पुलिया एवं सीएससी सेंटर के पास भी बारिश से जल जमाव होने से जेसीबी मशीन से रोड की साफ-सफाई की गई। जिला प्रशासन ने निचली बस्तियों में जलभराव को देखते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जा रहा है। इसके साथ ही जिला प्रशासन मौके पर तैनात होकर रेस्क्यू कर रहा है। प्रभावित परिवारों को मंगल भवन में ठहराया गया है। इस दौरान ट्यूशन पढ़ाने जा रहे बच्चे, जो बाढ़ की चपेट में आ गए थे उन्हें भी रेस्क्यू कर बचाया गया। उनको अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वर्तमान में उनकी स्थिति सामान्य है। जिला प्रशासन ने लगातार भारी बारिश के कारण बाढ़ग्रस्त क्षेत्र के समीप रहने वाले लोगों को अन्य जगह शिफ्ट होने की हिदायत दी जा रही है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। सड़क पर कई गाड़ियां बहती नजर आईं। बांध टूटने से वाहन मालिकों को भारी नुकसान पहुंचा है। बस्तर के कई जिलों में बारिश ने आफत मचाई है। सुकमा जिले में बाढ़ के हालात नजर आ रहे हैं। वहीं बीजापुर में भी जनजीवन प्रभावित है। कई गांवों से संपर्क टूट गया है। दूसरी ओर बीजापुर से हैदराबाद जाने वाली मार्ग को भोपालपटनम के आगे रामपुरम कैम्प के पास इंद्रावती नदी व रामपुरम नाले के बैक वाटर ने रास्ता रोक दिया हैं।

ओएसिस स्कूल से 22 कैडिडेट्स को 600 से अधिक अंक

हजारीबाग में इस सेंटर पर 701 छात्रों ने दी थी परीक्षा, एक को मिले 696 मार्क्स

रांची/हजारीबाग, 22 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में सुर्खियों में आए हजारीबाग का ओएसिस स्कूल के रिवाइज्ड रिजल्ट पर सबकी नजर थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दोबारा परिणाम जारी किया गया। इस रिजल्ट के साथ ही ओएसिस स्कूल का परिणाम भी सामने आया है। जारी रिजल्ट के आंकड़े बताते हैं कि इस सेंटर पर 701 छात्रों ने परीक्षा दी थी, जिसमें 22 छात्र ऐसे हैं, जिन्हें 720 अंक की परीक्षा में 600 से अधिक अंक मिले हैं। जबकि, चार छात्र ऐसे हैं, जिन्हें 670 या इससे अधिक अंक प्राप्त हुए हैं। इस स्कूल से सर्वाधिक अंक एक छात्र को मिला है। उसे 720 में 696 अंक हासिल हुए हैं। ऐसा नहीं है कि इस स्कूल के सभी स्टूडेंट्स को अच्छे मार्क्स मिले हैं। 24 सीरियल नंबर वाले छात्र को 685 और 391 सीरियल नंबर वाले छात्र को 675 अंक हासिल हुए हैं। इस स्कूल के सात छात्र ऐसे भी हैं, जिन्हें निगेटिव अंक मिले हैं। इस सेंटर से माइनस 9 और 27 अंक भी छात्र को मिले हैं। बता दें कि ओएसिस स्कूल को इसी साल पहली बार परीक्षा केंद्र बनाया गया था। वहीं, इसके प्राचार्य को सिटी कोऑर्डिनेटर बनाया गया था। वर्ष 2024 से पहले यहां नीट की परीक्षा कभी नहीं हुई थी। एनटीए की ओर से जारी रिवाइज्ड रिजल्ट में ओएसिस स्कूल के अतिरिक्त हजारीबाग में बनाए गए दूसरे चार सेंटर्स का भी रिजल्ट सामने आया है। हजारीबाग के पांचों सेंटर में से सबसे अधिक अंक अधिक पाने वाला छात्र संत जेवियर्स स्कूल परीक्षा केंद्र का है। 107 सीरियल नंबर वाले छात्र को 700 अंक मिला है। सीरियल नंबर 236 को 676 अंक, सीरियल नंबर 237 को 649 अंक और सीरियल नंबर 239 को 650 अंक प्राप्त हुए हैं।

इस सेंटर से 20 से अधिक छात्र ऐसे हैं, जिन्हें 600 से अधिक अंक मिले। यहां 585 छात्रों ने परीक्षा दी थी। इसी तरह डीएवी स्कूल परीक्षा केंद्र में उच्चतम स्कोर 664, विवेकानंद स्कूल में एक छात्र को 692 तो होलीक्रास में एक स्कूल 675 अंक हासिल हुए हैं। नीट पेपर लीक मामले में 28 जून को ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक, उप प्राचार्य मो इम्तियाज को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। पूछताछ में यह खुलासा हुआ था कि नीट पेपर का जो बुकलेट पटना में जला हुआ मिला था, वह ओएसिस स्कूल से निकला था। सीबीआई जांच में यह बात सामने आई है कि हजारीबाग में ही सॉल्वर को इकट्ठा कर नीट के लीक प्रश्न पत्र हल कराए गए थे।

कोयला व्यवसायी रंजीत के दोस्त ने ही रची थी अपहरण की साजिश

पुलिस ने किया चिह्नित

धनबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। गोविंदपुर के कोयला व्यवसायी रंजीत शर्मा के अपहरण को लेकर पत्नी की शिकायत पर गोविंदपुर थाने में 2-3 अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। घटना को लेकर पुलिस की अलग-अलग टीम तेतुलमारी व लोयाबाद थाना क्षेत्र में कई जगहों पर छापेमारी की। घटना में 6 अपराधियों के शामिल होने की बात कही जा रही है। प्रारंभिक अनुसंधान में पुलिस को रंजीत के खास दोस्त पर अहपरण की साजिश रचने का संदेह है। हालांकि अपहृत रंजीत के मोबाइल की जांच में पुलिस को काफी रकम ट्रांजेक्शन के साक्ष्य मिले हैं। उक्त राशि के ट्रांजेक्शन को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस को इस बात का भी संदेह है कि रंजीत का कोयले के अलावा कोई और धंधे से भी जुड़ाव है। मौके पर पकड़ा गया पिंटू चौधरी लोयाबाद कनकनी पासी पट्टी का रहनेवाला है। वह गांजा तस्करी में पूर्व में जेल जा चुका है। पिंटू की निशानदेही पर पुलिस की टीम एकड़ा के राजेश रवानी, गड़ेरिया के विकास महतो, सेंदरा के कुंदन के आवास पर छापेमारी की लेकिन वे नहीं मिले। पुलिस अर्जुन नामक एक अन्य युवक की भी तलाश कर रही है। रविवार को 8 लेन रोड के होटल में डीएसपी हेडक्वार्टर वन शंकर कामती और गोविंदपुर थाना प्रभारी रविकांत प्रसाद ने दुबारा जांच की। होटल में लगे सीसीटीवी को खंगाला। होटलकर्मियों से पूछताछ की। टीम होटल से दो बाइकें जब्त कर ले गई। शनिवार को पुलिस ने इसी होटल से अपहरण करनेवाले दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। एक एसयूवी भी जब्त की थी। गोविंदपुर पुलिस ने उनकी पत्नी के आवेदन पर दो-तीन अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

गैंगस्टर अमन साहू

30 माह में 9वां जेल बदला

गिरिडीह से चाईबासा जेल शिफ्ट, जेल अधीक्षक को दी थी मर्डर की धमकी

रांची, 22 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस गैंगस्टर अमन साहू पर प्रतिबंध लगाने में असफल साबित हो रही है। अमन साहू बीते ढ़ाई साल से पुलिस की गिरफ्त में है, इसके बाद भी वह अपनी एक्टिविटी जेल से संचालित कर रहा है। यही वजह है कि पुलिस उसे बार-बार राज्य के अलग-अलग जेलों में ट्रांसफर कर रही है। गैंगस्टर अमन साहू को बीते ढ़ाई साल में नौ बार अलग-अलग जेलों में रखा गया है। इस बार एक बार फिर उसका ट्रांसफर गिरिडीह से चाईबासा जेल किया गया है। गैंगस्टर अमन साहू को ठीक एक महीने पहले पलामू जेल से गिरिडीह जेल शिफ्ट किया गया था। उसे पलामू जेल से गिरिडीह जेल 20 जून को शिफ्ट किया गया था। इसके बाद एक बार फिर 21 जुलाई को गिरिडीह से चाईबासा जेल शिफ्ट कर दिया गया है। उसे गुपचुप तरीके से गिरिडीह से चाईबासा जेल शिफ्ट किया गया है। लगातार जेल ट्रांसफर होने के बाद भी उसका आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

क्रिप्टो करेंसी के नाम पर 600 करोड़ ठगी

मनेंद्रगढ़/चिरमिरी, 22 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मनेंद्र गढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) और कोरबा जिले में क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी हो गई। आरोप है कि, क्यूएलओएफ कंपनी ने करोड़ों रुपए लोगों से जमा कराया। कुछ महीने पहले विड्रॉल पर रोक लगाई और फिर कंपनी दफ्तर में ताला लगाकर भाग निकले। इसके बाद लोगों ने चिरमिरी थाने में शिकायत दी है, लेकिन मामला अभी दर्ज नहीं हुआ है। वहीं पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल रविवार को समर्थकों के साथ थाने पहुंच गए। उन्होंने ज्ञापन देते हुए कंपनी पर कार्रवाई की मांग की। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया है कि, कंपनी ने लोगों से करीब 600 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि, 10 दिनों में कंपनी पर अगर कार्रवाई नहीं हुई तो वे थाने का घेराव करेंगे। लोगों ने अपनी शिकायत में बताया है कि, क्यूएलओएफ दिसंबर 2023 में क्षेत्र में एक्टिव हुई। क्रिप्टो करेंसी में ट्रेडिंग के लिए एप डाउनलोड कराए गए। शुरू में 3000 रुपए निवेश राशि रखी गई। अप्रैल में कंपनी से जुड़ने की राशि 6000 कर दी गई। जमा राशि पर ब्याज और 1300 रुपए अतिरिक्त देने का झांसा देकर निवेश कराया गया। जून 2024 में कंपनी ने सिस्टम हैक होने की जानकारी दी और सिस्टम अपग्रेड होने तक रुपए निकालने पर रोक लगा दी। केवाईसी कराने के नाम पर अलग से 6000 रुपए सभी से जमा कराए गए। इसके बाद 1 जुलाई से कंपनी पूरी तरह से बंद हो गई। पूर्व विधायक डॉ जायसवाल का दावा है कि, कंपनी ने करीब सात से आठ माह में एमसीबी, कोरिया और कोरबा जिले के 10 लाख लोगों से करोड़ों रुपए जमा कराया।

क्या भारतवंशी कमला होंगीं अमेरिका की राष्ट्रपति

रेस से निकले बाइडेन ने कमला पर लगाया दांव, वे ट्रम्प को टक्कर देने में कितनी कामयाब

वॉशिंगटन, 22 जुलाई (एजेंसियां)। 21 जुलाई, भारतीय समयानुसार रात करीब 11 बजे जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हाथ खींच लिया। उन्होंने 28 जून की प्रेसिडेंशियल डिबेट हारने के करीब एक महीने बाद ये फैसला लिया है। पार्टी लगातार बाइडेन पर दावेदारी वापस लेने के लिए दबाव बना रही थी।

अब अपना नाम वापस लेते हुए बाइडेन ने उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट के तौर पर चुना है। हालांकि अभी कमला के नाम पर पार्टी की मुहर लगनी बाकी है।

कमला राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार चुनी गई तो वे ट्रम्प को टक्कर देने में कितनी कामयाब होंगी, वे 4 वजह जो उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी की बेस्ट उम्मीदवार बनाती हैं।

युवा नेतृत्व से लेकर अंतर्राष्ट्रीय मामलों में महाराथ, ट्रम्प के खिलाफ इन वजहों से बेहतर हैरिस।

युवा नेतृत्वः अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से करीब 20 साल छोटी हैं। अगर वह अपनी पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनाई जाती हैं तो पार्टी के अंदर वह एक नई पीढ़ी का नेतृत्व करेंगी।

इस तरह अमेरिकी युवाओं में बाइडेन की वजह से जो आकर्षण कम हुआ था, वो लोग हैरिस के नाम पर फिर से डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़ेंगे। बीते दिनों में युवाओं के बीच बंदूक, हिंसा, गर्भपात जैसे मुद्दों पर बोलकर हैरिस खूब लोकप्रिय हुई हैं।

भारतीय मूल की कमला हैरिस फिलहाल 59 साल की हैं। वे न सिर्फ बाइडेन बल्कि उम्र में ट्रम्प से भी उम्र में छोटी हैं। दोनों की उम्र में 19 साल का अंतर है। ऐसे में वो ट्रम्प को ज्यादा मजबूती से टक्कर दे पाएंगी।

अंतराष्ट्रीय मामलों को हल करने में माहिरः अमेरिका की राजनीति में देश और विदेश दोनों मामले बेहद अहम होते हैं। कमला हैरिस जो बाइडेन के बाद पार्टी के दूसरे सबसे अनुभवी नेताओं मे से एक हैं। अमेरिका की बड़ी आबादी को लगता है कि वह अंतराष्ट्रीय मामलों में मजबूती से अपनी जिम्मेदारी निभा सकती हैं।

इजराइल या यूक्रेन को लेकर कमला का रुख बाइडेन से ज्यादा स्पष्ट रहा है। वह यहूदी देश इजराइल की कट्टर समर्थक हैं। इंटरनेशनल इश्यू पर स्पष्ट सोच रखने की वजह से वह इजराइल

के कट्टर समर्थक अमेरिकी लोगों का वोट अपनी ओर कर सकती हैं।

ट्रम्प को उन्हीं के अंदाज में जवाब मिलेगाः अमेरिका में चुनावी बिगुल बजने के बाद से डोनाल्ड ट्रम्प लगातर डेमोक्रेटिक पार्टी के विरोध में बयान दे रहे हैं। जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी में सिवाय कमला को छोड़कर ट्रम्प के आरोपों पर कोई नेता साफगोई से नहीं बोल पाता है।

18 जुलाई को उत्तरी कैरोलिना में एक जनसभा के दौरान कमला हैरिस ने ट्रम्प के एजेंडे पर एक-एक कर जोरदार हमला किया।

इसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स में ये चर्चा तेज हो गई कि डेमोक्रेटिक पार्टी में कमला हैरिस एकलौती ऐसी नेता है, जो ट्रम्प को उन्हीं के अंदाज में जवाब दे सकती है। कमला को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाने पर डेमोक्रेटिक पार्टी को इस चीज का भी लाभ मिल सकता है।

बाइडेन की पर्सनालिटी के बजाय ट्रम्प के खिलाफ कैंपेन शुरू होगाः अब तक के चुनाव प्रचार में डोनाल्ड ट्रम्प सीधे जो बाइडेन की पर्सनालिटी को लेकर सवाल करते रहे हैं। वे बाइडेन की उम्र, याद रखने की शक्ति, लड़खड़ाते हुए चलने पर डेमोक्रेट नेता भी बाइडन को लेकर पार्टी में जनमत की मांग कर रहे हैं।

ऐसे में अगर कमला राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाई जाती है तो डेमोक्रेट पार्टी की पूरी ताकत ट्रम्प के खिलाफ चुनावी कैंपेन में लगेगा। इससे फिलहाल ट्रम्प की ओर जा रहा एकतरफा लड़ाई दिलचस्प हो जाएगा

गर्भपातः अमेरिका में गर्भपात के अधिकार को लेकर लगभग 50 साल से बहस है। जब 1972 में अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने रो बनाम वेड मामले में 12 हफ्ते की प्रेगनेंट महिलाओं को गर्भपात की मंजूरी दी थी।

इसके बाद देश दो धड़ों में बंट गया। इसमें एक का मानना है कि गर्भ में बच्चे की जान लेना पाप है, डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी इसका समर्थन करती है।

मलेशिया के 17वें किंग इस्कंदर की ताजपोशी

इनके पास 47 हजार करोड़ की संपत्ति, 300 लग्जरी कारें, बेटा भारतीय सेना में कैप्टन रह चुका

मलेशिया, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मलेशिया में इब्राहिम इस्कंदर की शनिवार को ताजपोशी हुई। इसी के साथ इब्राहिम देश के 17वें महाराज बन गए। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के नेशनल पैलेस में यह समारोह हुआ। इस्कंदर अगले 5 साल तक मलेशिया के राजा रहेंगे। 1957 में ब्रिटेन से आजादी के बाद से मलेशिया में मलय राज्य के शासक बारी-बारी से 5 साल के कार्यकाल के लिए राजगद्दी संभालते आए हैं। ताजपोशी समारोह में मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के अलावा पड़ोसी देश ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोलकियाह और बहरीन के राजा हमद-बिन-इसा-अल-खलीफा भी मौजूद थे। किंग इस्कंदर ने सुनहरे धागों से सजा कोट और साफा पहना हुआ था।

समारोह की शुरुआत में सुल्तान इस्कंदर ने और क्वीन रजा जरिथ सोफिया का मिलिट्री सैल्यूट के सात स्वागत हुआ। इसके बाद सुल्तान को कुरान की एक कॉपी दी गई, जिसे उन्होंने चूमा। फिर इस्कंदर महाराज की ताकत का प्रतीक सोने का खंजर दिया गया। प्रधानमंत्री अनवर ने सुल्तान के प्रति वफादारी की कसम खाई। इसके बाद इस्कंदर को देश का नया महाराज घोषित किया गया। ताजपोशी के बाद

उन्होंने संविधान का पालन करने, इस्लाम को आगे बढ़ाने और मलेशिया में शांति सुनिश्चित करने की शपत ली। समारोह के अंत में 3 बार 'लॉन्ग लिव द किंग' के नारे लगाए गए। इससे पहले 31 जनवरी को इस्कंदर को मलेशिया का नया राजा घोषित किया गया था। सुल्तान इस्कंदर मोटरसाइकिल पर पूरे देश की यात्रा करने के लिए जाने जाते हैं। इसके जरिए वे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानते हैं।

65 साल के इस्कंदर जोहोर के शाही परिवार से आते हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इनके पास 47.33 हजार करोड़ की संपत्ति है। सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर के सबसे बड़े बेटे और मलेशिया के क्राउन प्रिंस टुंकू इस्माइल भारतीय सेना में कैप्टन भी रह चुके हैं।

इसके अलावा सुल्तान के पास 300 लग्जरी कारें हैं, जिनमें से एक उन्हें एडॉल्फ हिटलर ने तोहफे में दी थी। सुल्तान के पास गोल्ड-ब्लू रंग के बोइंग 737 समेत कई प्राइवेट जेट भी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुल्तान इस्कंदर के परिवार के पास एक प्राइवेट आर्मी भी है। मलेशिया के अलावा सिंगापुर में भी सुल्तान की 4 अरब डॉलर की एक जमीन, एक टायसॉल पार्क और बोटैनिकल गार्डन के पास भी जमीन है। सुल्तान इब्राहिम के पास रियल एस्टेट और खनन से लेकर टेलिकम्युनिकेशन और पाम तेल तक कई बिजनेस में हिस्सेदारी है। उनका आधिकारिक निवास इस्ताना बुकिट सिरीन है, जो उनकी बेशुमार दौलत का सबूत है। सुल्तान इस्कंदर के पास बाइक्स का भी एक बड़ा कलेक्शन है। सुल्तान इब्राहिम की पत्नी का नाम जरीथ सोफिया है। वह शाही परिवार से आती हैं। ऑक्सफोर्ड से पढ़ीं सोफिया पेशे से लेखिका हैं और बच्चों के लिए कई किताबें भी लिख चुकी हैं। सुल्तान और सोफिया के पांच बेटे और एक बेटी हैं। सुल्तान के सबसे बड़े बेटे और मलेशिया के क्राउन प्रिंस टुंकू इस्माइल भारतीय सेना में कैप्टन रह चुके हैं। सिंगापुर की न्यूज एजेंसी द स्ट्रेट टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 2007 में टुंकू इस्माइल भारतीय सेना की एक यूनिट का नेतृत्व करने वाले पहले विदेशी बने थे।

दिसंबर 2023 में स्ट्रेट टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में सुल्तान ने कहा था- मैं सरकार की कठपुतली वाला राजा नहीं बनना चाहता। संसद में 222 सांसद हैं, लेकिन बाहर 3 करोड़ जनता है।

इमरान खान बोले- आतंकवादी की तरह पिंजरे में बंद हूं

इस्लामाबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि उन्हें आतंकवादी की तरह पिंजरे में कैद किया गया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, इमरान ने शनिवार को बताया कि वे 7 बाई 8 फीट की जेल में रह रहे हैं। उनकी लंबाई 6 फीट 2 इंच है। इस वजह से उन्हें हिलने-डुलने में मुश्किल हो रही है। इमरान ने कहा कि मैं हमेशा एजेंसियों की निगरानी में रहता हूं। मेरी 24 घंटे निगरानी की जाती है। यहां तक की मुझे किसी से भी मिलने नहीं दिया जाता है। इमरान करीब एक साल से जेल में बंद है। इमरान खान ने कहा कि वह एक दिन जेल से छुट जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह रोज पाकिस्तान के भविष्य के बारे में योजना बनाते हैं। पाकिस्तान की खराब हालत के बीच लोग मुझ पर विश्वास करते हैं। मुझे भगवान पर पूरा विश्वास है। एक दिन न्याय अत्याचार पर विजय प्राप्त करेगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने बताया कि इमरान को जेल में एक एक्सरसाइज साइकिल, एक वर्किंग

गैलरी और एक रसोई दी गई है। उन्हें खाने में शानदार मेनू दिया जा रहा है। इमरान खान पर 100 से ज्यादा मामले चल रहे हैं। इस्लामाबाद की स्थानीय कोर्ट ने उन्हें 5 अगस्त, 2023 को तोशाखाना के केस में दोषी करार दिया था।

इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद के जमान पार्क स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। बाद में उन्हें 2 और मामलों में दोषी करार दिया गया था। अंग्रेजी अखबार डॉन के मुताबिक, अगर इमरान जेल से बाहर आते हैं तो, वे पाकिस्तान में दोबारा चुनाव की मांग को उठाएंगे। इस साल हुए आम चुनाव में इमरान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी आधिकारिक तौर पर हिस्सा नहीं ले पाई थी।

हीरे से मालामाल है सूरज का सबसे करीबी ग्रह

वैज्ञानिकों को मिल गया सबूत, लैब में तैयार कर दी वैसी ही स्थिति

बीजिंग, 22 जुलाई (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने हमारे सौरमंडल के पहले ग्रह में बड़ी मात्रा में हीरे की मौजूदगी की संभावना का पता लगाया है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि बुध ग्रह (मेरक्यूरी) की सतह के नीचे हीरे की एक मोटी परत हो सकती है। लाइव साइंस ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। बीजिंग में सेंटर फॉर हाई प्रेशर साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च के एक कर्मचारी वैज्ञानिक और अध्ययन के सह-लेखक यानहाओ लिन ने कहा कि बुध की अत्यधिक उच्च कार्बन सामग्री ये बताती है कि शायद इस ग्रह के अंदर कुछ खास हुआ है। उन्होंने बताया कि बुध ग्रह में एक चुंबकीय क्षेत्र है। हालांकि, यह पृथ्वी की तुलना में बहुत कमजोर है। इसके साथ ही नासा के मैसेंजर अंतरिक्ष यान ने अपने अध्ययन में बुध की सतह पर असामान्य रूप से काले क्षेत्रों की खोज की है। इसे ग्रेफाइट के रूप में पहचाना गया है। नेचर कम्युनिकेशंस पत्रिका में प्रकाशित

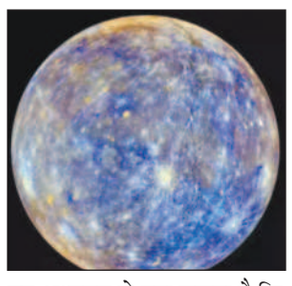

हुए अध्ययन से पता चलता है कि ग्रह की संरचना और असामान्य चुंबकीय क्षेत्र पर प्रकाश डालते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रहों का निर्माण संभवतः एक गर्म लावा महासागर के ठंडा होने से हुआ है। इसी तरह अन्य स्थलीय ग्रहों का विकास हुआ। बुध के बारे में कहा गया है कि यह संभवतः सिलिकेट और कार्बन से भरा हुआ था। ग्रह की बाहरी परत और मध्य मेंटल का निर्माण मैग्मा के क्रिस्टल में बदलने से हुआ, जबकि धातुओं ने पहले इसके भीतर जमकर एक केंद्रीय कोर का निर्माण किया।

ये है हीरे के बनने की वजह

कई सालों तक वैज्ञानिक मेंटल में तापमान और दबाव को कार्बन के लिए सही मानते रहे, जिसमें ग्रेफाइट बनती है। मेंटल से हल्का होने के चलते यह सतह पर तैरता रहता है। हालांकि, 2019 का एक अध्ययन बताता है कि बुध का मेंटल पहले की तुलना में 80 किलोमीटर गहरा हो सकता है। इससे मेंटल-कोर सीमा पर तापमान और दबाव में काफी वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी परिस्थितियां पैदा होंगी जहां कार्बन हीरे में क्रिस्टलीकृत हो सकता है।

बेल्जियम और चीन के शोधकर्ताओं की एक टीम ने इस संभावना को देखने के लिए कार्बन, सिलिका और लोहे का उपयोग करके रासायनिक मिश्रण तैयार किए। शोधकर्ताओं ने इन मिश्रणों में आयरन सल्फाइड की अलग-अलग सांद्रताएं डालीं। वैज्ञानिकों ने मल्टीपल-एनविल प्रेस का उपयोग करके रासायनिक मिश्रणों को 7 गीगापास्कल का दबाव दिया। दबाव की यह मात्रा यह समुद्र तल पर पृथ्वी के वायुमंडलीय दबाव से 70,000 गुना अधिक है। ये कठोर परिस्थितियां बुध के भीतर गहराई में पाई जाने वाली परिस्थितियों को दर्शाती हैं। बुध के कोर-मेंटल सीमा के पास तापमान और दबाव की सटीक माप के लिए कंप्यूटर मॉडल का उपयोग किया।

ये कमप्यूटर सिम्यूलेशन ग्रह के अंदर की स्थितियों की जानकारी प्रदान करते हैं। शोध में पाया गया कि रासायनिक मिश्रण केवल सल्फर मिलाने पर अधिक तापमान पर जमता है। ऐसी परिस्थिति में हीरे के बनने की संभावना अधिक होती है। टीम के कंप्यूटर मॉडल ने सुझाव दिया कि इन बदली हुई परिस्थितियों में बुध के आंतरिक कोर के जमने के दौरान हीरे बन सकते हैं। हालांकि, हीरों की मौजूदगी के बावजूद इनका खनन किया जाना संभव नहीं है। ग्रह पर अत्यधिक उच्च तापमान के अलावा, हीरे सतह से लगभग 485 किमी नीचे स्थित हैं, जिससे इन्हें निकाल पाना असंभव हो जाता है।

पीआईए का निजीकरण करेगी कंगाली से जूझ रही सरकार

संपत्ति और घाटे के बंटवारे के लिए कार्यनीति तैयार

इस्लामाबाद, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कंगाली से जूझ रही पाकिस्तान सरकार अब अपनी सरकारी एरलाइंस के निजीकरण करने की तैयारी में जुट गई है। खबर है कि पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस को अब निजी हाथों में देने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि पीआईए से जुड़ी कुल संपत्तियों की लागत 171.43 अरब रुपये है। निजीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पीआईए की संपत्तियों और ऋण को इसके अधिकार वाली कंपनी और अधिग्रहण करने वाली नई कंपनी के बीच बांट दिया जाएगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पीआईए पर सरकार का कुल 161 अरब रुपये और निजी बैंकों का 267 अरब रुपये बकाया है। यह बकाया पीआईए की अधिकार वाली कंपनी को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। आगे बताया गया है कि पीआईए की कुल 171.43 अरब की संपत्ति में से 146.57 अरब रुपये नए संस्थान को हस्तांतरित किए जाएंगे। इसके अलावा 24.86 अरब रुपये की संपत्ति इसकी आधिकारिक कंपनी के पास रहेगी। आधिकारिक बयान में बताया गया है कि पाकिस्तान सरकार पीआईए के निजीकरण की तैयारी कर रही है। इसकी संपत्तियों और ऋण के बंटवारे के लिए कार्यनीति भी तैयार कर दी गई है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि पीआईए को कुल मिलाकर 830 अरब रुपये का घाटा हुआ है। कुल घाटे में से 202 अरब का वहन पीआईए करेगी। इसके अलावा 628 अरब रुपये का वहन पीआईए की अधिकारिक कंपनी करेगी। बताया गया है कि अधिग्रहण करने वाली नई कंपनी, 55.70 अरब रुपये के घाटे के साथ पीआईए का संचालन करेगी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार निजीकरण की प्रक्रिया के दौरान पाकिस्तान सरकार पीआईए के संचालन को दो हिस्सों में बांट देगी।

घरों के संकट के बीच महिला ने भारतीयों को बताया 'गंदा'

ओटावा, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा में बीते कुछ समय में बेरोजगारी और घरों की कमी का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। इस संकट के लिए एक बड़ा वर्ग भारतीय लोगों पर उंगली उठा रहा है। इसकी वजह ये है कि कनाडा में विदेशियों का एक बड़ा हिस्सा भारत के लोगों का है। विदेशियों की संख्या घटाने को हाल के समय में कनाडा सरकार ने कुछ नियम भी बदले हैं। इस सबके बीच मेघा नाम की सोशल मीडिया यूजर ने कनाडा में भारतीय प्रवासियों के बारे में अपने विचार रखे हैं। एक्स पर की गई उनकी पोस्ट की काफी चर्चा है। लाखों लोग उनकी पोस्ट को देख चुके हैं और बड़ी तादाद में कमेंट कर इस पर अपने विचार साझा किए हैं।

मेघा ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरे माता-पिता और पूरा परिवार कनाडा में रहने वाले भारतीय प्रवासियों से नफरत करते हैं। शायद दूसरे प्रवासियों से भी ज्यादा भारतीयों को हम नापसंद करते हैं क्योंकि उन्होंने हमारी प्रतिष्ठा को भारी नुकसान पहुंचाया है। हालांकि शिक्षित भारतीय प्रवासी शिष्टाचार, अंग्रेजी कौशल और शिष्टाचार के साथ आते हैं लेकिन इनका एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जो ना महिलाओं से सही बर्ताव करना जानता है और ना अच्छे शहरी की तरह रहना जानता हैं।'

मेघा ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, 'अप्रवासियों में एक बड़ी तादाद ऐसे लोगों की भी है, जो समुद्र तटों पर गंदगी फैलाते हैं और महिलाओं को गलत तरह से छूते हैं। ये नए प्रवासी अशिक्षित हैं और इनको नागरिक कर्तव्यों की कोई समझ नहीं है और ना ही वे सीखना चाहते हैं। वर्ग व्यवस्था एक वास्तविक है। यही कारण है कि कनाडा में दक्षिणपंथी ताकतों की मजबूती 80 और 90 के दशक में आए भारतीय प्रवासियों की वजह से है।' मेघा ने ये पोस्ट यह पोस्ट 20 जुलाई को शेयर किया है। दो दिन के अंदर ही इसे 25 लाख व्यू मिल चुके हैं। इस पर हजारों लोगों ने कमेंट भी किया है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'आव्रजन प्रणाली में ऐसा क्या बदलाव आया कि उन्होंने अशिक्षित प्रवासियों को अनुमति देना शुरू कर दिया? मुझे हमेशा लगता था कि अमेरिका और कनाडा की आव्रजन प्रणाली केवल उच्च कुशल, शिक्षित भारतीयों के लिए है।' स्टीवन नाम के एक्स यूजर ने कहा, 'कनाडाई वर्ग भेद को नहीं समझते हैं। वे सबको एक ही श्रेणी में रखते हैं।

श्रीलंकाई तमिल पार्टियां मिलकर लड़ेंगीं राष्ट्रपति चुनाव

बनी सहमति

कोलंबो, 22 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका में इस साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी शुरू कर दी है। श्रीलंकाई तमिल पार्टियों ने प्रमुख तमिल दल आईटीएके का साथ छोड़ दिया। इसके अलावा श्रीलंकाई तमिल पार्टियों ने एक चुनाव में मिलकर एक उम्मीदवार उतारने का फैसला लिया है। इसे लेकर पार्टियों ने सोमवार को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। पिछले सप्ताह चुनाव आयोग ने कहा था कि देश में राष्ट्रपति चुनाव की घोषणा इसी महीने के अंत तक हो जाएगी। आयोग ने 17 सितंबर से 16 अक्तूबर के बीच चुनाव कराने के संकेत दिए थे। चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी तेज कर दी है। सोमवार को जाफना में तमिल ईलम मुक्ति संगठन (टीईएलओ), पीपुल्स लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन ऑफ तमिल ईलम (पीएलओटीई), तमिल प्रोग्रेसिव अलायंस (टीपीए), तमिल नेशनल पीपुल्स फ्रंट (टीएनपीएफ), और ईलम पीपुल्स रिवोल्यूशनरी लिबरेशन फ्रंट (ईपीआरएलएफ) और तमिल पीपुल्स कांग्रेस एसोसिएशन (टीपीसीए) के नेताओं ने चुनाव लड़ने के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसमें तय किया गया कि श्रीलंकाई तमिल दल चुनाव में मिलकर एक आम उम्मीदवार उतारेंगे। समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले दलों में पूर्व उत्तरी मुख्यमंत्री सीवी विग्नेश्वरन की टीपीए भी शामिल है।

वहीं तमिल नेशनल अलायंस में शामिल मुख्य तमिल पार्टी इलंकाई तमिल अरासु कच्छी (आईटीएके) ने समझौते में हिस्सा नहीं लिया।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली ने विश्वास मत जीता

263 सांसदों में से 188 ने समर्थन में किया वोट, 74 ने विरोध में डाले मत

काठमांडू, 22 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली ने संसद में विश्वास मत हासिल कर लिया है। रविवार को हुए बहुमत परीक्षण में केपी ओली को 263 सांसदों में से 188 सांसदों ने अपना समर्थन दिया। वहीं 74 सांसदों ने विश्वास मत के खिलाफ वोट किया। वहीं एक सांसद ने किसी के पक्ष में वोट नहीं किया।

केपी ओली ने 15 जुलाई को चौथी बार नेपाल के पीएम के तौर पर शपथ ली थी। चीन समर्थक माने जाने वाले ओली ने भारत समर्थक शेर बहादुर देउबा के साथ मिलकर सरकार बनाई है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने 12 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, वह संसद में

विश्वासमत हासिल करने में नाकाम रहे। वे सिर्फ 1 साल 6 महीने ही प्रधानमंत्री रह पाए।

दरअसल, इस महीने की शुरुआत में चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल ने प्रधानमंत्री प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल से गठबंधन तोड़ लिया था। इसके बाद उनकी सरकार अल्पमत में आ गई थी। नेपाल के संविधान के आर्टिकल 100 (2) के तहत उन्हें एक महीने में बहुमत साबित करना था। वे ऐसा नहीं कर पाए। फ्लोर टेस्ट में उन्हें 275 में से सिर्फ 63 सांसदों का साथ मिला। नेपाल की नेशनल असेंबली के 194 सांसदों ने उनके खिलाफ वोट किया। उन्हें सरकार बचाने के लिए 138 सांसदों के समर्थन की जरूरत थी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक केपी शर्मा ओली के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और नेपाल के रिश्तों पर थोड़ा असर पर सकता है। केपी ओली सरकार में ही नेपाल ने अपना एक नक्शा जारी किया था जिसपर विवाद खड़ा हो गया था। नेपाल ने मई 2020 में अपना आधिकारिक नक्शा जारी किया, जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा इलाके को नेपाल की सीमा में दिखाया गया था। भारत ने इस पर आपत्ति जाहिर की थी और इस नक्शे को मानने से इनकार कर दिया था।

बांग्लादेश में हसीना का विरोध कहीं बन न जाए भारत विरोधी आंदोलन

दांव पर भारतीय हित, विशेषज्ञ से समझें खतरा

ढाका, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में बीते एक सप्ताह से जारी हिंसा की वजह बने विवादित आरक्षण को देश की सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में रद्द कर दिया है। इसके बाद भी बांग्लादेश में स्थिति तनावपूर्ण और अस्थिर बनी हुई है, जिसने देश में भारतीय हितों को दांव पर लगा दिया है। विपक्षी बांग्लादेश नेशनल पार्टी ने जमात-ए-इस्लामी की मदद से हसीना सरकार को हटाने की धमकी दी है और देश की सेना को प्रभावित करने के लिए अभियान शुरू किया है। एक प्रमुख घटनाक्रम में बांग्लादेश की सेना के 'जूनियर अधिकारियों' के नाम से हस्ताक्षरित एक फर्जी पत्र प्रसारित किया गया, जिसका उद्देश्य सेना प्रमुख पर दबाव डालना था। ढाका स्थित सूत्रों ने ईटी को बताया कि देश का सुरक्षा प्रतिष्ठान प्रधानमंत्री शेख हसीना का समर्थन कर रहा है। इस बीच रविवार को बांग्लादेश की शीर्ष अदालत ने सरकारी नौकरियों में विवादित 30 प्रतिशत आरक्षण को रद्द करने का फैसला सुनाया। इसे हटाने के लिए बांग्लादेश में छात्रों ने बड़ा प्रदर्शन शुरू किया था, जो बीते मंगलवार को हिंसक हो गया। अब तक इन प्रदर्शनों में कम से कम 114 लोग मारे गए हैं। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सरकारी नौकरियों में 93 फीसदी पद योग्यता के आधार पर भरे जाएंगे। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वालों के परिजनों के लिए सिर्फ 5 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी। बाकी 2 प्रतिशत सीटें जातीय अल्पसंख्यकों, ट्रांसजेंडरों और विकलांगों को दी जाएंगी। हसीना के नेतृत्व वाली सरकार ने साल 2018 में कोटा सिस्टम को रद्द कर दिया था, लेकिन हाई कोर्ट ने पिछले महीने सरकार के फैसले को अवैध बताते हुए इसे बहाल कर दिया था, जिसके बाद प्रदर्शन शुरू हो गए थे।

ट्रंप को लेकर मस्क से भिड़े भारतीय मूल के अरबपति

पूर्व राष्ट्रपति को बताया– झूठा, धोखेबाज और दुष्कर्मी

वॉशिंगटन, 22 जुलाई (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप को लेकर अमेरिका के दो दिग्गज कारोबारी आमने-सामने आ गए। दरअसल भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति विनोद खोसला ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप को झूठा, धोखेबाज और दुष्कर्मी बताया। इस पर टेस्ला, एक्स और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एतराज जताया और ट्रंप को सही उम्मीदवार बताया। हालांकि खोसला एलन मस्क से सहमत नहीं हुए और उन्होंने कई सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप की तीखी आलोचना की। विनोद खोसला ने जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की रेस से हटने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में खोसला ने लिखा कि 'अब समय आ गया है कि डेमोक्रेट पार्टी का खुला कन्वेंशन आयोजित किया जाए, जिसमें अधिक उदार उम्मीदवार को चुना जा सके, जो आसानी से डोनाल्ड ट्रंप को हरा सके। गवर्नर व्हिटमर और गवर्नर शैपिरो अच्छे उम्मीदवार हो सकते हैं, जो अमेरिका को मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसे चरमपंथ के बीच फंसने से बचाया जा सके।

एक बेहतर उदारवादी रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए यह अच्छा मौका है।' विनोद खोसला के पोस्ट पर एलन मस्क ने जवाब दिया और खोसला से असहमति जताते हुए लिखा कि 'ऐसा भी नहीं है विनोद, ट्रंप और जेडी वेंस सही उम्मीदवार हैं।' मामला यहीं खत्म नहीं हुआ और खोसला ने एक और पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि 'मेरे लिए एक ऐसे उम्मीदवार का समर्थन करना मुश्किल है, जो झूठ बोलता हो, धोखेबाज हो और महिलाओं को कमतर आंकता हो, साथ ही मेरे जैसे अप्रवासी से नफरत करता हो। वह मेरे टैक्स में कुछ कटौती कर सकते हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि उनकी कमियों को भी स्वीकार किया जाए।

केंद्र सरकार के बजट से राजस्थान को मिल सकती हैं ये सौगातें!

हर वर्ग को इन क्षेत्रों में काफी उम्मीदें

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। मोदी सरकार 3.0 के पहले आम बजट से सभी वर्ग के लोगों को खासी उम्मीदें हैं। केंद्र सरकार की ओर से आम बजट की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। राजस्थान के उद्योग और व्यापार को भी इस बजट से काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि 5 साल के बाद फिर से केंद्र और राज्य में डबल इंजन सरकार है।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण संकेत दे चुकी हैं कि बजट में महिलाओं, किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों पर जोर रह सकता है। कर्मचारी से लेकर कारोबारी और विद्यार्थी समेत हर वर्ग के लोग बजट से राहत की उम्मीद लगाए बैठे हैं। निर्मला सीतारमण मंगलवार को सातवीं बार बजट पेश करेंगी।

मिल सकती है ये सौगातें

अर्थव्यवस्था के लिए क्षेत्रफल की दृष्टि से देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान को विकसित करना होगा। यहां डीएमआईसी, बाडमेर में पेट्रोकेमिकल, कॉम्प्लेक्स जैसे केंद्र द्वारा वित्तपोषित प्रोजेक्ट को गति देनी होगी।

निर्मला सीतारमण वित्त मंत्री के साथ जीएसटी काउंसिल की चेयरपर्सन भी हैं, इसलिए बजट में सरकार जीएसटी से संबंधित विसंगतियों को दूर करेंगी। पहले से स्थापित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के अपग्रेडेशन के लिए विशेष पैकेज की आवश्यकता है, एमएसएमई क्रेडिट कार्ड की भी बजट में उम्मीद है।

विकसित देशों में प्लास्टिक रीसाइक्लिंग पॉलिसी के तहत उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। बजट में सरकार केंद्रीयकृत रीसाइक्लिंग पॉलिसी की घोषणा कर सकती है। इसके साथ किसान सब्सिडी के भुगतान में आ रही बाधाओं को दूर किया जाना चाहिए।

करदाताओं को मिल सकती है राहत

माना जा रहा है कि इस बार करदाताओं को कई तरह की राहत दी जा सकती हैं। टैक्स छूट से लेकर इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव किया जा सकता है। लोगों की मांग है कि इनकम टैक्स की धारा 80सी में दी जाने वाली कटौती सीमा 1.5 लाख से बढ़ाकर दो लाख रुपए कर दी जाए।

टैक्स स्लैब में बदलाव संभव

साथ ही टैक्स स्लैब में भी बदलाव होने चाहिए। नई और पुरानी, दोनों तरह की टैक्स व्यवस्थाओं में बेसिक छूट की लिमिट बढ़ाकर पांच लाख रुपए करने की मांग है। नई व्यवस्था में एचआरए पर टैक्स छूट के साथ या होम लोन के ब्याज पर डिडक्शन की सुविधा की भी मांग है।

लखपति दीदी योजना को मिलेगा बढ़ावा

युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाने के नए उपाय बजट में दिखाई दे सकते हैं तो महिलाओं को लखपति बनाने की भाजपा की योजना को आगे बढ़ाने के लिए सरकार भारी निवेश की घोषणा कर सकती है।

हर वर्ग को राहत की चाह

आम लोगों को होम लोन पर ब्याज के लिए कटौती की सीमा को बढ़ाकर कम से कम 3 लाख रुपए करने की मांग।

युवाओं को...

सरकार पर सबसे ज्यादा दबाव रोजगार के अवसर पैदा करने का है। स्किल डेवलपमेंट और रोजगार पैदा करने वाले क्षेत्रों का बजट आवंटन बढ़ने की संभावना। अग्निवीर जैसी योजना में सैनिकों को ज्यादा वित्तीय लाभ देने का ऐलान किया जा सकता है।

महिलाओं को...

रसोई गैस से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक सब्सिडी दी जा सकती है।

नौकरीपेशा को...

उम्मीद है सरकार आयकर छूट सीमा में बदलाव करेगी। इससे मध्य वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को खासा लाभ होगा।

महंगाई बढ़ने के कारण पुरानी और नई आयकर व्यवस्था में स्टैंडर्ड डिडक्शन को मौजूदा 50,000 से बढ़ाकर एक लाख करने की मांग।

न्यू पेंशन स्कीम को आकर्षक बनाया जा सकता है।

किसानों को...

सरकार किसान सम्मान निधि सालाना 6,000 रुपए से बढ़ाकर 10-12 हजार रुपए कर सकती है। कृषि उत्पादों पर जीएसटी की दरों को कम करने का फैसला हो सकता है।

मजदूरों को...

मनरेगा के तहत मजदूरी दिवस को 100 से बढ़ाकर 150 दिन किया जा सकता है। मनरेगा मजदूरों को कृषि क्षेत्र के साथ जोड़ने का फैसला किया जा सकता है।

कारोबारियों को...

राष्ट्रीय खुदरा कारोबार नीति के तहत 10 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा मिलने की उम्मीद। इसके लिए सिर्फ 6,000 रुपए प्रीमियम के कयास।

महिलाओं को दिए जाने वाले निशुल्क स्मार्टफोन को लेकर आया नया निर्णय

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। पिछली कांग्रेस सरकार में महिलाओं को निशुल्क स्मार्टफोन दिए गए थे। लेकिन बाद में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लग जाने के कारण स्मार्टफोन वितरित नहीं किए जा सके। नई भाजपा सरकार में स्मार्टफोन से वंचित महिलाएं अब स्मार्टफोन मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं। लेकिन सरकार ने अभी तक कोई निर्णय नहीं किया है। लेकिन सोमवार को विधानसभा में सरकार ने स्मार्टफोन को लेकर अपनी राय जरुर व्यक्त कर दी है।

सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया है कि जनवरी 2024 तक राज्य में 24 लाख 56 हजार महिलाओं को निशुल्क स्मार्टफोन वितरित किए गए हैं। इसके बाद इस योजना के तहत गत वर्ष 9 अक्टूबर 2013 को विधानसभा चुनावों की आचार संहिता लागू होने के बाद स्मार्टफोन वितरण करने की योजना को स्थगित कर दिया गया।

इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1811.30 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया था। इसमें से 1745.22 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं॥

विधानसभा में विधायक विकास चौधरी ने सवाल पूछा कि क्या सरकार स्मार्टफोन से वंचित महिलाओं को स्मार्टफोन देने का विचार रखती है। इस पर सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से जवाब आया है कि इस योजना से महिलाओं को हुए लाभ व जनहित का परीक्षण करके स्मार्टफोन योजना पर आगामी निर्णय लिया जाएगा।

भजनलाल सरकार का बड़ा आदेश - अब पटवारियों को उसी गांव में रहना होगा जहां उसकी ड्यूटी निश्चित होगी

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी कामकाज में किसी भी प्रकार की ढिलाई न हो इसलिए सरकार लगातार नए फैसले ले रही है। जनता और ग्रामीणों के सुविधा के लिए भजनलाल सरकार ने एक बडा फैसला लिया है। शनिवार को भजनलाल सरकार ने आदेश जारी करते हुए कहा कि अब पटवारियों को उसी गांव में रहना होगा जहां उसकी ड्यूटी निश्चित होगी। अगर मुख्यालय छोड़ना पड़ता है तो पटवारियों को पहले कलेक्टर से परमिशन लेनी होगी।

लिखित अनुमति कलेक्टर से लेनी होगी

इस संबंध में राजस्व विभाग के नए आदेशनुसार, सरकार ने राजस्थान भू-राजस्व नियम 1957 के नियम 12(1) को संशोधित किया है। जिसमें प्रावधान है कि पटवारी अपने क्षेत्र में उस गांव में निवास करेगा, जो कि कलेक्टर द्वारा उसका मुख्यालय मुकर्रर किया गया हो, जब तक कि उसने अपने क्षेत्र के बाहर रहने की लिखित अनुमति कलेक्टर से न ले ली हो।

पटवारियों का इंतजार करते हैं किसान

आदेश में इस बात का जिक्र किया गया है कि राज्य सरकार के ध्यान में लाया गया है कि कुछ पटवारी अपने हेडक्वाटर पर निवास नहीं कर रहे हैं, जिससे किसानों को अपने काम के लिए पटवारी का इंतजार करना पड़ता है या उसे ऑफिस के कई चक्कर लगाने पड़ते हैं। यह नियमों की सीधे-सीधे अवहेलना की श्रेणी में आता है।

आदेश न मानने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी

अब विभाग ने इन नियमों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए फिर से आदेश जारी किया है। जिसके तहत सभी पटवारियों को आवश्यक रूप से उनके मुख्यालय पर ठहरने के लिए पाबंद किया जाए। इसकी निगरानी उपखंड अधिकारी करेगा। आदेश में बताया गया है कि अगर कोई पटवारी ऐसा नहीं करता है तो उस पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

राज्यपाल कलराज मिश्र का कार्यकाल पूरा

नए का इंतजार, तब तक पद पर बने रहेंगे

जयपुर८, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने आचार्य देवव्रत के स्थान पर 22 जुलाई 2019 को हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का पदभार संभाला, देवव्रत को गुजरात का राज्यपाल बनाया गया।

कलराज मिश्र ने 9 सितम्बर 2019 को राजस्थान में शपथ ली, उनका हिमाचल और राजस्थान दोनों जगह मिलाकर पांच साल का कार्यकाल पूरा हो गया।

8 राज्यों के राज्यपालों की होनी है नियुक्ति

जुलाई 2019 में ही आनंदीबेन पटेल को उत्तरप्रदेश, रमेश बैस को त्रिपुरा का राज्यपाल बनाया गया। बैस ने जुलाई 2021 में झारंखड संभाला और वे फरवरी 2023 से महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। जुलाई 2019 में ही फागु चौहान को बिहार और आर एन रवि को नगालैंड का राज्यपाल बनाया गया। चौहान फरवरी 2023 से मेघालय और रवि सितम्बर 2021 से तमिलनाडू के राज्यपाल हैं। इनके अलावा जुलाई 2019 में ही अनुसुइया उइके को छत्तीसगढ़ और बिस्वा भूषण हरिचंदन को आंध्रप्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया, जिनमें से उइके फरवरी 2023 से मणिपुर में और उनके स्थान पर बिस्वा भूषण हरिचंदन छत्तीसगढ़ में राज्यपाल का पदभार संभाल रहे हैं।

ये है प्रावधान

कार्यकाल पहली नियुक्ति से पांच साल के लिए होता है और उनके स्थान पर नई नियुक्ति होने तक कार्यकाल जारी रहता है।

नए बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष को लेकर चर्चा

पार्टी किसी महिला नेता को इस पद पर बैठा सकती है

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा में नए प्रदेश अध्यक्ष की तलाश तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी इस बार किसी ओबीसी या एससी वर्ग के नेता पर दांव खेल सकती है। चर्चा यह भी है कि पार्टी किसी महिला नेता को इस पद पर बैठा सकती है। दिसम्बर में यूं तो पार्टी में नया प्रदेश अध्यक्ष चुना जाना तय है, लेकिन उपचुनावों को देखते हुए यह विचार चल रहा है कि अगस्त माह में ही क्यों ना नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी जाए, जिससे उपचुनावों में नए जातिगत समीकरणों का फायदा मिल सके।

पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार अगस्त माह में ही नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति पर गंभीर मंथन चल रहा है। पार्टी नेता यह मंथन कर रहे हैं कि एक बार प्रदेश अध्यक्ष बना दिया जाए। इसके बाद दिसम्बर में उसका चुनाव हो जाएगा। इससे पहले सतीश पूनिया, अशोक परनामी के मामले में भी यही हुआ था। इनको पहले प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इसके बाद कुछ समय बाद उनका चुनाव हुआ था।

मूल ओबीसी वर्ग पर ज्यादा फोकस

पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पद पर मूल ओबीसी वर्ग के किसी नेता को नियुक्त करने पर ज्यादा गंभीर है। बताया जा रहा है कि राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, राजेन्द्र गहलोत, पूर्व मंत्री प्रभु लाल सैनी के नाम सियासी हलकों में सबसे ज्यादा चर्चा में है। प्रभुलाल सैनी उपचुनाव में देवली-उनियारा विधानसभा से टिकट भी मांग रहे हैं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी का नाम विस चुनाव के बाद भी प्रदेश अध्यक्ष के लिए चला था और अब भी आरएसएस का एक धड़ा उनके पक्ष में ही है। वरिष्ठ नेताओं का एक धड़ा एससी वर्ग पर भी फोकस चाहता है। लोकसभा चुनावों में एससी आरक्षण को लेकर हुई बयानबाजी के बाद पार्टी यह संदेश देना चाहती है कि वह एससी वर्ग के पक्ष में है और आरक्षण खत्म करने की बात झूठ ही उड़ाई गई। किसी एससी वर्ग की महिला या किसी महिला विधायक पद भी पार्टी दांव खेल सकती है।

दिल्ली का एक धड़ा वर्तमान अध्यक्ष जोशी के पक्ष में भी

पार्टी के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में विस चुनाव जीता गया, लेकिन लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सके। हालांकि, दिल्ली में बड़े नेताओं का एक धड़ा चाहता है कि जोशी प्रदेश अध्यक्ष बने रहें।

जोशी के पक्ष में नेताओं का मानना है कि उन्हें अभी संगठन में ज्यादा काम करने का मौका नहीं मिला है। प्रदेश अध्यक्ष बने अभी सवा साल ही हुआ है। उनके लिए बस एक ही पॉइंट नेगेटिव है और वो है प्रदेश के जातिगत समीकरण। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सीपी जोशी एक ही वर्ग से हैं।

सरकार का बड़ा फैसला

फोन टैपिंग पर केंद्र के खिलाफ दायर मुकदमा वापस लिया

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए फोन टैपिंग मामले में केंद्र सरकार के खिलाफ दायर मुकदमा वापस लेने का फैसला लिया है। राज्य सरकार की ओर से एएजी शिवमंगल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में केस वापस लेने के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया है।

राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार ने बड़ा निर्णय लेते हुए गजेंद्र सिंह शेखावत फोन टैपिंग मामले में केंद्र सरकार के खिलाफ दायर मुकदमा वापस ले लिया है। ये मुकदमा पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में दायर किया गया था।

बता दें कि एएजी शिवमंगल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में केस वापस लेने के लिए प्रार्थना पत्र दायर करते हुए कहा है कि इस केस में कोई मैरिट नहीं बनती है। फोन टैपिंग कांड के बाद पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में यह तर्क दिया गया था कि फोन टैपिंग की जांच दिल्ली पुलिस के पास क्षेत्राधिकार नहीं है और केवल राजस्थान पुलिस को इस एफआईआर की जांच करनी चाहिए।

शिवमंगल शर्मा ने बताया कि रिकॉर्ड और मामले के तथ्यों व परिस्थितियों की जांच की गई। इसमें सामने आया कि मैरिट पर मामला सुप्रीम कोर्ट में चलने लायक नहीं है। इस कारण इसे आगे बढ़ाने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। इन वजह से न्याय हित में सुप्रीम कोर्ट का समय बचाने के लिए मामला वापस लेने का निर्णय किया।

सरकार का बड़ा एक्शन

मास्टरमाइंड के घर पर चला बुलडोजर

चुरू, 22 जुलाई (एजेंसियां)। चूरू। राजस्थान में पेपर लीक मामले में भजनलाल सरकार लगातार सख्त एक्शन ले रही है। इसी कड़ी में अब चूरू में पेपर लीक माफिया यूनिक उर्फ विवेक भांभू के घर पर बड़ी कार्रवाई हुई है। प्रशासन ने पेपर लीक प्रकरण में फरार चल रहे सरगना यूनिक भांभू के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया है। बता दें कि लंबे समय से फरार चल रहे यूनिक भांभू पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

चूरू में नगर परिषद ने यूनिक के अवैध निर्माण को चिन्हित करने के बाद आज दोपहर ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की। यूनिक ने पूनिया कॉलोनी में 114-115 नंबर प्लॉट में मकान बना रखा था। नगर परिषद ने आज अवैध व गैर नियमानुसार बने ढांचे को बुलडोजर से गिरा दिया। इस दौरान भारी तादात में पुलिस जाब्ता भी मौजूद रहा। वहीं, आसपास लोगों की भीड़ भी जमा हो गई।

आरोपी ने इन परीक्षाओं में की धांधली

आरोप है कि वह एसआई भर्ती परीक्षा 2021, जेईएन भर्ती परीक्षा 2021 सहित अन्य भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक कर 500 से अधिक लोगों की सरकारी नौकरी लगवा चुका है। जिनमें से 250 से ज्यादा लोग तो उसके परिवार व रिश्तेदारी में हैं। वो खुद भी पिछली वनपाल भर्ती में वनपाल बना था। ऐसे में आशंका है कि उसने वनपाल और वनरक्षक भर्ती का भी पेपर लीक करवाया था।

यूनिक भांभू ने जयपुर स्थित हसनपुरा की रविंद्र बाल भारती स्कूल से एसआई भर्ती का पेपर चुराया था। इसके लिए स्कूल के कर्मचारी राजेश को दस लाख रुपए दिए थे। पेपर चुराने के बाद गिरोह के साथी जगदीश विश्नोई को वाट्सऐप के माध्यम से पेपर भेजा था। मास्टरमाइंड यूनिक भांभू ही परीक्षा केंद्रों से भी पेपर लीक करवाता था। राजेंद्र यादव ने जयपुर के सरकारी स्कूल में स्ट्रॉन्ग रूम से जेईएन भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करवाने के बाद भांभू के मोबाइल पर ही भेजा था।

यूनिक भांभू पर एक लाख का इनाम

यूनिक उर्फ विवेक भांभू पुत्र जगदीश जाट चूरू की पूनिया कॉलोनी का रहने वाला है। मूल रूप से चूरू का रहने वाला यूनिक भांभू वन विभाग में फॉरेस्टर था। लेकिन, पेपर लीक में नाम सामने आने के बाद वह अलवर प्रशिक्षण केन्द्र से विदेश भाग गया था। एसओजी ने दुबई भागने वाले यूनिक भांभू पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है। साथ ही उसे पकड़ने के लिए एसओजी ने लुकआउट नोटिस जारी करवाया था। लेकिन, वह अभी भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है और दुबई में रह रहा है।

सर्वदलीय बैठक में हनुमान बेनीवाल ने सरकार के सामने रखी मांगें, बोले- 'सरकार को पीछे हटना पड़ेगा'

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र से पहले एनडीए सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और केंद्रीय मंत्री तथा लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा सत्र से पूर्व आयोजित सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेकर कई मुद्दों को रखा।

बैठक में संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू भी बैठक में मौजूद थे। इस पारंपरिक बैठक में कांग्रेस के के. सुरेश, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के असदुद्दीन ओवैसी, राष्ट्रीय जनता दल के अभय कुशवाहा, जनता दल (यूनाइटेड) के संजय झा, आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह, समाजवादी पार्टी (सपा) नेता रामगोपाल यादव और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रफुल्ल पटेल भी मौजूद थे।

इस दौरान राजस्थान के फायर ब्रांड नेता हनुमान बेनीवाल ने कहा जिस तरह किसान आंदोलन के बाद सरकार को पीछे हटना पड़ा, उसी तर्ज पर अब सेना में अग्निवीरों की भर्ती के मामले में सरकार को पीछे हटना पड़ेगा। क्योंकि देश का युवा इस योजना के खिलाफ आंदोलित है। इसलिए इस योजना को बंद करके पहले की तरह नियमित सेना भर्ती प्रारंभ करनी चाहिए।

बेनीवाल ने आगे कहा कि छोटी पार्टियों को बोलने का ज्यादा मौका मिलना चाहिए। उन्होंने नीट यूजी परीक्षा में हुई गड़बड़ी का मसला भी उठाया।

छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर विवि गेट पर छात्रों का अर्धनग्न प्रदर्शन, दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। छात्रसंघ चुनावों की बहाली को लेकर लगातार चल रहे प्रदर्शनों की कड़ी में आज छात्रों ने राजस्थान विश्वविद्यालय के गेट पर अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। छात्रों ने इसके माध्यम से सरकार से छात्र चुनाव बहाल करने की मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री से अपील की और मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। इससे पूर्व गत शनिवार को छात्र नेताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं राज्यपाल कलराज मिश्र के नाम खून से चिट्ठी लिखकर छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग की थी। विधानसभा में भी इस मुद्दे को कई नेताओं द्वारा सदन के पटल पर रखा जा चुका है। प्रदर्शन कर रहे छात्र नेताओं और छात्रों को विश्वविद्यालय गेट से हटाने के लिए पुलिस को हल्के बल का भी प्रयोग करना पड़ा है लेकिन छात्र चुनाव बहाली की बात पर अड़े हुए हैं। छात्रों का कहना है कि अगर सरकार छात्रसंघ चुनाव नहीं करती है तो आगामी उपचुनाव में सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर एनएसयूआई और एबीवीपी दोनों ही प्रदर्शन करने की बात कर रहे हैं। अगर सरकार इसे शीघ्र नहीं मानती है तो छात्र नेताओं द्वारा उग्र प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी जा रही है।

यूट्यूबर से मिलने हजारों किमी दूर से अजमेर पहुंचे दो बच्चे

पुलिस ने चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपुर्द किया

अजमेर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर जिले के एक यूट्यूबर की दीवानगी का आलम देखिये कि हजारों किमी दूर कर्नाटक से दो नाबालिग बच्चे उससे मिलने अजमेर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को दस्तयाब कर चाइल्ड हेल्पलाइन अजमेर के सुपुर्द कर परिजनों से संपर्क किया है। अजमेर के ग्राम बढ़लिया में रहने वाले यूट्यूबर दिलराज की दीवानगी का आलम ऐसा है कि उससे मिलने के लिए दो बच्चे अपना घर छोड़कर हजारों किलोमीटर दूर कर्नाटक से अजमेर आ गए और यूट्यूबर से मिलने के लिए उसके गांव जा पहुंचे। आदर्श नगर थानाधिकारी दिनेश कुमावत ने बताया कि कर्नाटक के कमल नगर थाना जिला बीघर से दो नाबालिग बच्चों के अजमेर में होने की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस ने विशेष अभियान चलाया।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई के निर्देश पर टीम का गठन कर पुलिस ने दोनों बच्चों के मोबाइल टॉवर लोकेशन की आधार पर तलाश शुरू की और नाबालिगों को यूट्यूबर दिलराज रावतके गांव बढ़लिया में होना पाया। ये दोनों बच्चे यूट्यूबर दिलराज के गांव स्थित उसके फार्म हाउस के बाहर खड़े नजर आए, जिस पर पुलिस ने चाइल्ड हेल्पलाइन अजमेर से संपर्क कर काउंसलर प्रेमनारायण गर्ग को मौके पर बुलाकर बच्चों की देखभाल के लिए उनके सुपुर्द किया। बच्चों ने बताया कि वे यूट्यूबर दिलराज रावत (मिस्टर इंडियन हैकर) से मिलने के लिए अजमेर आए थे और उनसे मिलने के लिए उनके फार्म के बाहर खड़े थे। पुलिस ने दोनों नाबालिग बालकों के परिजनों के मोबाइल पर संपर्क किया और उनकी बात करवाई। थानाधिकारी दिनेश कुमावत ने बताया कि दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति सदस्य रूपेश कुमार के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल ने यूओएच का दौरा किया

समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के लिए भारत-अफ्रीका बाजरा संबंधों को बढ़ावा मिलेगा

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विज्ञान और नवाचार विभाग-राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (डीएसआई-एनआरएफ) स्वदेशी ज्ञान प्रणाली उत्कृष्टता केंद्र (सीआईकेएस), क्वाज़ुलु-नताल विश्वविद्यालय, डरबन, दक्षिण अफ्रीका से एक दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद विश्वविद्यालय का दौरा किया। पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में प्रो. विवियन ओजोंग, प्रो. हसन काया, प्रो. योनाह सेलेटी, डॉ. मायाश्री चिनसामी और श्री तेज मोथिबे शामिल थे। कुलपति प्रो. बी. जे. राव ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और हैदराबाद विश्वविद्यालय और क्वाज़ुलु-नताल विश्वविद्यालय के बीच सहयोग के संभावित लाभों को रेखांकित किया। उन्होंने बाजरा के ओमिक्स पर काम करने वाले एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में हैदराबाद विश्वविद्यालय की अनूठी स्थिति पर प्रकाश डाला। प्रो. राव ने उन क्षेत्रों की पहचान करने पर जोर दिया, जहां ज्ञान साझा करने और बाजरा अनुसंधान में क्षमता निर्माण की सुविधा के लिए साझेदारी विकसित करने के लिए मिलकर काम किया जा सकता है। प्रो. काया ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को बाजरा किसानों के आर्थिक विकास और सामाजिक उत्थान में योगदान देने के लिए अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इससे सहमत होते हुए, प्रो. ओजोंग ने हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से समर्थित जेनेरिक डॉक्टरेट डिग्री कार्यक्रमों के साथ-साथ विषयगत प्रशिक्षण और बाजरा के माध्यम से दोनों देशों के छात्रों को शामिल करने की संभावना पर चर्चा की। डॉ. चिनसामी ने अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक और ज्ञानात्मक न्याय के लिए वैश्विक ज्ञान अर्थव्यवस्था में स्वदेशी विज्ञान, नवाचार, प्रौद्योगिकी, सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, भाषाई, राजनीतिक, आर्थिक और व्यावसायिक विचारों को व्यवस्थित करने के लिए सीआईकेएस के अधिदेश को समझाया।

उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि कैसे उनकी यात्रा सीआईकेएस के अधिदेश में योगदान करती है। प्रतिनिधिमंडल ने बाजरा, विशेष रूप से फॉक्सटेल बाजरा और कोदो बाजरा पर चल रही शोध गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए डॉ. मुथमिलारसन की बाजरा प्रयोगशाला का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल तमिल साहित्य से शोध प्रश्न की उत्पत्ति से प्रभावित हुआ, जिसमें चावल या किसी अन्य अनाज की तुलना में बाजरे का अधिक उल्लेख किया गया था। प्रयोगशाला और क्षेत्र में एकीकृत ओमिक्स दृष्टिकोणों के माध्यम से बाजरे की जलवायु लचीलापन और पोषक क्षमता से संबंधित प्रमुख लक्षणों के अंतर्निहित आनुवंशिक निर्धारकों की पहचान करने के लिए किए जा रहे कार्य को प्रतिनिधिमंडल के समक्ष प्रदर्शित किया गया। इसके बाद, प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया और बाजरे पर काम कर रहे छात्रों का साक्षात्कार लिया। प्रतिनिधिमंडल ने सामुदायिक स्तर पर विज्ञान का संचार करने के लिए अफ्रीका और भारत के बीच छात्र आदान-प्रदान की पर्याप्त और बहुमुखी क्षमता का एहसास किया।

प्रतिनिधिमंडल ने अंतर-सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक आदान-प्रदान में अपनी रुचि व्यक्त की, जिससे छात्रों को विविध स्थानीय संदर्भों, विशेष रूप से बाजरे की खेती में वैज्ञानिक समाधानों को अपनाने की अनुमति मिल सके। विज्ञान संचार और सामुदायिक जुड़ाव में कौशल बनाने के लिए विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान की योजना बनाई जाएगी, जटिल अवधारणाओं को स्थानीय समुदायों के लिए व्यावहारिक सलाह में अनुवाद किया जाएगा। ऐसे कार्यक्रम विश्वविद्यालयों, शोध संगठनों और स्थानीय समुदायों के बीच नेटवर्क को मजबूत करते हैं, जिससे चल रहे सहयोग को सुविधाजनक बनाया जा सके। दोनों देशों में स्थानीय बाजरा कृषि पद्धतियों और सामुदायिक जीवन के लिए प्रासंगिक और व्यावहारिक समाधान सुनिश्चित करने के लिए सहयोगी परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

कुल मिलाकर, यह हैदराबाद विश्वविद्यालय और क्वाज़ुलु-नताल विश्वविद्यालय के लिए एक समृद्ध अनुभव प्रदान करने वाली एक उपयोगी यात्रा थी, जो एक मजबूत साझेदारी को बढ़ावा दे सकती है जो सहयोगी अनुसंधान की सुविधा प्रदान करती है, बाजरा की खेती को बढ़ाती है, आजीविका में सुधार करती है, और दोनों देशों में आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन में योगदान देती है। इस संदर्भ में, हैदराबाद विश्वविद्यालय और क्वाज़ुलु-नताल विश्वविद्यालय जल्द ही दोनों देशों में बाजरा पर अनुसंधान को प्रोत्साहित करने, संसाधनों को साझा करने, अकादमिक आदान-प्रदान करने, बाजरा स्टार्ट-अप का समर्थन करने और भारत और दक्षिण अफ्रीका के छात्रों को लाभान्वित करने वाले दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे।

भावसार विजन इण्ड़िया हैदराबाद द्वारा आषाढ़ मास के उपलक्ष्य में जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में मोहन राव देवतराज, प्रवीण पतंगे, घनश्याम पतंगे, श्रीनिवास राव क्षीरसागर, राकेश कुमार गित्ते, राजेश्वर घनाते, शंकर आसुतकर, अश्विनी पतंगे, हेमारानी परंकर, लक्ष्मी गित्ते, अनिता पारेकर तुलसी बगाडे, सुलभा महेन्दरकर, अर्चना सुत्रावे, वंदना आसुतकर एवं अन्य

सिकंदराबाद उज्जैनी महांकाली माता के बोनालु के अवसर पर सिकंदराबाद एवं बोईनपल्ली मार्केट यार्ड हमाली यूनियन द्वारा मोंढा मार्केट में निकाली गई झांकी में भाग लेते हुए व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए गौतम जैन, उपाध्यक्ष गोपाल बंग, महासचिव हरीकिशन बंग, टी रामेश्वर गौड, मधू बाबू, सी रवि चंद्रा, प्रेमाराम चौधरी, हमाली यूनियन महासचिव रवि एवं अन्य उपस्थित थे।

तेरापंथ स्थापना दिवस पर कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वाधान में तेयुप हैदराबाद के द्वारा मंत्र दीक्षा एवं वीतराग कार्यशाला का आयोजन साध्वी शिवमाला के सानिध्य में संपन्न हुआ।

अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा ने कहा कि मंत्र दीक्षा कार्यक्रम बच्चो में अध्यात्म भाव को पुष्ट करता है एवम उनमें संघीय संस्कारों का सृजन करता है। साध्वी अमितरेखा ने सभी बच्चों को धर्म की राह पर चलते हुए अपने संस्कारों को मजबूत करने पर जोर दिया। साध्वी शिवमाला ने सभी बच्चों को मंत्र दीक्षा दिलाई। साध्वी अर्हम प्रभा एवं साध्वी रत्नप्रभा, मुख्य अतिथि एवं जैन सेवा संघ के उपाध्यक्ष सुभाष पिरोदिया ने अपने विचार रखें।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद ने भी आज तेरापंथ स्थापना दिवस एवं ज्ञानशाला संपर्क पखवाड़ा सत्र कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें उत्तर कर्नाटक सभा के अध्यक्ष राजेंद्र जीरावाला की विशेष उपस्थिति रही।

तेयुप ने भी आगामी रविवार को होने वाले कार्यक्रम " भिक्षु विचार दर्शन" कार्यशाला का बैनर विमोचन किया । तेयुप द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में रक्तदान शिविर निरंतर चल रहा है एवम आगामी कार्यक्रमों में हिट युवा फिट युवा, सम्यक दर्शन कार्यशाला इस माह में होगी। जैन संस्कार विधि से सामूहिक जन्मोत्सव का कार्यक्रम भी 28 जुलाई को प्रवचन के बाद रखा गया है।

कार्यक्रम का संचालन अरुण भंडारी एवम रवि प्रकाश कोटेचा ने किया। कार्यक्रम में तेयुप पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र बोथरा, श्रवण कोठारी, प्रवीण श्यामसुखा,वीरेंद्र घोसल के साथ मनीष पटावरी, जिनेन्द्र बैद, प्रकाश दफ्तरी, प्रकाश दुगड़, राहुल गोलछा, आदर्श पिरोदिया, सुदीप नौलखा, महिपाल भोजक की उपस्तिथि थी।

अग्र महिला मंच द्वारा रामदास मठ इस्मानिया बाजार में बच्चों को किताबें, बैग वितरण किए गए। कार्यक्रम में अध्यक्ष दीपा गर्ग, अंजु गोयल, मधु गोयल, वंदना अग्रवाल, सपना कनोडिया, सुनीता बंसल उपस्थित थी।

राष्ट्रीय स्तर के पहलवान रूपलाल ने बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव की मौजूदगी में औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर महासचिव ठाकुर विकास सिंह, उपाध्यक्ष येरम श्रीनिवास, प्रवीण यादव, करण सूर्यवंशी, नरेश और अन्य उपस्थित थे।

किसान बीमा योजना के लिए आवेदन करें : कृषि अधिकारी राजू

मदनूर, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त मदनूर मंडल के कृषि अधिकारी राजू ने कहा कि, 2024 वर्ष के लिए किसान बीमा योजना के लिए किसान भवन सेक्टर आधिकारियों के पास ज्याकर आवेदन करना चाहिए।

18 से 59 वर्ष की आयु वर्ग के किसान जिन्होंने नई पट्टा पास पुस्तक प्राप्त की है और 28 जून 2024 तक आरटी एसआर डिग्री/सामान्य डिग्री के साथ धरणी पोर्टल में पंजीकरण पूरा कर लिया है, उन्हें किसान बीमा योजना के लिए आवेदन करना चाहिए। जिन किसानों के आधार कार्ड में आयु 14 अगस्त 1965 से 14 अगस्त 2006 है वे पात्र हैं। किसान बीमा आवेदन करने के लिए लगने वाले दस्तावेज में किसान पट्टा पास बुक, आधार कार्ड ज़ेरॉक्स, नामांकित व्यक्ति का आधार कार्ड ज़ेरॉक्स, किसान बीमा आवेदन पत्र, आवेदन पत्र कृषक को स्वयं संबंधित कृषि विस्तार अधिकारी को 5 अगस्त तक प्रस्तुत करना होगा। जिन किसानों ने पहले संशोधन परिवर्धन के लिए पंजीकरण कराया है, उन्हें 30 जुलाई से पहले किसी भी संशोधन को सही करना चाहिए।

सीएम ने किया बी सी वर्ग को गुमराह : तुलावार

मदनूर, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी ओबीसी मोर्चा जुक्कल विधानसभा संयोजक संतोष तुलावार तहसीलदार को ज्ञापन देते हुए कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी ने 2023 के चुनावों में बीसी वर्ग के जनता को झूठे आश्वासन देकर सत्ता हासिल कर ली, लेकिन आज इन के तरफ नजर उठाके नहीं देख रहे हैं। ओबीसी मोर्चा जुक्कल विधानसभा संयोजक संतोष तुलावार, ने कहा कि मुख्य मंत्री बी सी को जो आश्वासन दिया है वह तत्काल पूरा करें वरना भाजपा आंदोलन तेज करेगी। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष तुकाराम टेप्पावार, ओबीसी मंडल अध्यक्ष दिलीप पटेल, और यादव, बालकिशन सकरलवार, व्यंकट काले, सुधाकर पटेल, अंजना, प्रवीण देसाई, सुभाष, माधव पटेल, भाजपा मंडल के कार्यकर्ता शामिल थे।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक परशुराम मंदिर जगतग़ीर गुट्टा में संपन्न हुई। साथ ही सत्यनारायण भगवान की पूजा एवं कथा वाचन संपन्न हुआ। समाज के महासचिव सुनील सिंह ने कहा कि समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्र के निर्देश पर यह बैठक बुलाई गई थी। बैठक में चर्चा का विषय परशुराम मंदिर के सौंदर्यीकरण की समीक्षा, मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा और आगामी अष्टयाम कार्यक्रम के आयोजन हेतु विचार विमर्श करना था। समाज के सहसचिव पंकज कुमार, महिला अध्यक्ष उषा शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य मोहन सिंह, अमर सिंह, मुकेश कुमार, तिरूपति राय, पूर्व अध्यक्ष गोविंद राय, आर एस शर्मा, इंद्रदेव सिंह, सुधा राय, डॉ आशा मिश्रा, सुरेंद्र मिश्रा, प्रियंका सिंह, पूजा मिश्रा, राजेश मिश्रा, निश्चला राय आदि बैठक में सम्मिलित हुए। मंदिर में सौंदर्यीकरण के साथ नवग्रह मंदिर निर्माण, शिवलिंग स्थापना, रेणुका माता की स्थापना और मंदिर के मुख्य द्वार पर हनुमान प्रतिमा लगाई जा रही है। कार्यकारिणी ने फ़ैसला लिया कि इन सभी प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा अष्टयाम कार्यक्रम के साथ की जाएगी।

बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रतिवर्ष आयोजित होनेवाले अखंड रामायण और 24 घंटे अनवरत रामधुन (अष्टयाम) कार्यक्रम अपने पूर्व नियोजित दिन 15 और 16 अगस्त को समाज के अपने परशुराम मंदिर में संपन्न होगा।

'स्पेल बी' अंतरराष्ट्रीय चैंपियन आकाश वुकोटी ने बताया सफलता का रहस्य

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री स्वामिनारायण गुरुकुल अंतरराष्ट्रीय विद्यालय में 'स्पेल बी' अंतरराष्ट्रीय चैंपियन मास्टर आकाश वुकोटी ने गुरुकुल का दौरा किया और छात्रों को अपने जीवन की सफलता के रहस्य बताए। अमेरिका में जन्मे आकाश वागोटी मूलतः नेल्लूर के निवासी हैं। उन्होंने जीवन में सफलता के लिए पांच महत्वपूर्ण सूत्र साझा किए और बताया कि कड़ी मेहनत तथा एकाग्रता से कैसे सफलता प्राप्त की जा सकती है।

आकाश ने विद्यार्थियों के साथ सवाल-जवाब भी किए ताकि उन्हें सही मार्गदर्शन मिल सके। गुरुकुल परिसर की भव्यता, सुंदरता, स्वच्छता और सांस्कृतिकता देखकर वे अत्यंत प्रभावित हुए। शुकवल्लभदास स्वामी ने आकाश को सम्मानित किया और उनकी सफलता के लिए बधाई दी।

सिद्ध संपुट सहित श्री हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन 4 अगस्त को

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिमायत सागर कोतवाल गुड़ा, आनंद कन्वेंशन के समीप स्थित संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर में सिद्ध संपूर्ण सहित हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन आगामी 4 अगस्त को किया गया है। अयोध्या धाम से चातुर्मास हेतु पधारे श्री श्री 108 स्वामी गोपालाचारी के सानिध्य में यह आयोजन संपन्न होगा।

आठ कर्मचारियों को 'महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान कर्तव्य के प्रति सतर्कता और समर्पण दिखाने के लिए 8 कर्मचारियों को महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों ने भी भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। डिवीजनों से मैन ऑफ द मंथ पुरस्कार विजेता सिकंदराबाद डिवीजन-1, विजयवाड़ा डिवीजन-1, गुंटकल डिवीजन-5 और नांदेड़ डिवीजन-1 शामिल हैं। महाप्रबंधक ने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के लिए पुरस्कार विजेताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को अधिक सतर्क रहने और सुरक्षा के रखरखाव के लिए ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे। अरुण कुमार जैन ने जोन में भारी बारिश के मद्देनजर मानसून संबंधी सावधानियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रैक के साथ-साथ 24/7 मानसून गश्त को मजबूत करने और ट्रैक के पास पुलों, आरओबी/आरयूबी और जल निकायों पर अधिक ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने रेलवे पुलों पर जल प्रवाह के स्तर की निगरानी करने और संवेदनशील स्थानों पर भूस्खलन पर नजर रखने का भी निर्देश दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को मानसून के मौसम के मद्देनजर जोन में एक महीने तक विशेष सुरक्षा अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को समय की पाबंदी में सुधार के लिए संभावित स्थानों पर गति प्रतिबंधों को कम करने के निर्देश दिए। श्री अरुण कुमार जैन ने यात्री सुविधाओं पर आगे चर्चा की। उन्होंने विभिन्न स्टेशनों पर उपलब्ध पानी की टंकियों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां भी आवश्यक हो, पुरानी पानी की टंकियों को बदला जाए। उन्होंने जोन में एफओबी मरम्मत की प्रगति की भी समीक्षा की और एफओबी पर यात्रियों के आवागमन को आसान बनाने के लिए लक्ष्य समय के भीतर काम पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोन में स्मोक डिटेक्टरों और अग्निशामक यंत्रों के स्टॉक की स्थिति की समीक्षा की और उन्होंने अधिकारियों को सभी अग्नि सुरक्षा उपकरणों के पर्याप्त स्टॉक को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चालक दल के काम के घंटों पर भी चर्चा की और सभी मंडल रेल प्रबंधकों को चालक दल के सदस्यों को दिए जाने वाले उचित आराम की सावधानीपूर्वक योजना बनाने का निर्देश दिया।

भाग्यनगर गोशाला में लायंस क्लब द्वारा चारा वितरित

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लायंस क्लब ऑफ़ हैदराबाद समर्पण के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में लोअर टैंक बंड स्थित भाग्यनगर गौशाला में पशु आहार, रोटी, सब्जिया, गुड़ आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम में तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल उपस्थित थे। उन्होंने बताया की तेलंगाना गोशाला फेडरेशन द्वारा अनोखी इको फ्रेंडली राखी बनाई जा रही है। इस राखी की खासियत यह है कि यह राखी गोबर से बनी हुई है। इसमें फल एवं सब्जियों के बीज भी मिलाये गए है जिससे की इसके टूटने के बाद इसे घर पर ही खाद या गमलों में मिला सकते हैं। यह पूरी तरह से प्लास्टिक मुक्त है। एक तरह से यह स्वदेशी के रूप में काम में लिया जा सकता है।

बैठक को संस्था के जोनल चेयरमैन महेन्दर गुप्ता, प्रताप नारायण संघी आदि ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती निर्मला संघी, उपाध्यक्ष दीपक साध, प्रेमचंद मुणोत, श्री प्रवीण गुप्ता,राजेंदर खेतान, विनीता खेतान, सारिका गुप्ता, नीता गुप्ता, वंदना साध आदि उपस्थित थे।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का जांच शिविर संपन्न

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा शिवभागासजी श्री नारायणजी बंसल सेवा ट्रस्ट व अग्रवाल समाज राणी सति दादी घांसी बाजार शाखा के सहयोग से131 वां निशुल्क मेडिकल कैम्प चेलापुरा स्थित बालपन प्ले स्कूल में संपन्न हुआ।

शिविर श्री भगवान महावीर विकलांग समिति हैदराबाद, मेडिकवर अस्पताल बेगमपेट, एलसीएस डंडू आई इंस्टीट्यूट वेस्ट मारेडपल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की गई। साथही नेत्र जांच के पश्चात 90 जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मे और 6 के लिए निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। दंत जांच, आर्थोपेडिक, स्त्री रोग, एक्यूपंक्चर सेवा प्रदान की गई। अवसर पर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा1 विकलांग रोगियों के लिए सुविधा प्रदान की गई।

शिविर में पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार शरद ब.पित्ती, अग्रवाल सेवा दल एवं कैम्प के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, निखिल रानासरिया, उर्मिला अग्रवाल, शारदा देवी अग्रवाल, हरि प्रसाद अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, नवल किशोर अग्रवाल, राम किशन अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, प्रभा अग्रवाल, मिनेश अग्रवाल, प्राची अग्रवाल, रिंकू गर्ग, हेमा अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, सविता अग्रवाल, सुशीला केडिया, कविता गोयल, अनमोल अग्रवाल, कनक गर्ग, सुनयना नरसरिया, बबीता गर्ग, अजय तुलस्यान, राधेश्याम बियानी, मनोज सिंह, अग्र महिला मंच, दीपा गर्ग, अंजू गोयल, समाज सेवी, गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, शेख फरीद, अमरनाथ अग्रवाल, बजरंग लाल अग्रवाल, पित्ती लेमिनेशन के सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की नूतन टीम गठित

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की आम सभा और नूतन टीम का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें डॉ श्रीकृष्ण मित्तल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया । उन्होंने श्याम चौधरी को महा सचिव, अरुण सुल्तानिया कोषाध्यक्ष, सीताराम अग्रवाल चेन्नई प्रथम उपाध्यक्ष, एमडी अग्रवाल गोवा द्वितीय उपाध्यक्ष, सुभाष अग्रवाल हैदराबाद चेयरमैन, मंगल चंद अग्रवाल आईपीपी नियुक्त किया। साथही भूतपूर्व अध्यक्ष हरिशंकर भावसिंहका, सज्जन रूंगटा, रामनिवास गुप्ता, संतोष पटवारी और बिपिनराम अग्रवाल मार्गदर्शक, सतीश मित्तल जैन बैंगलोर, सलाहकार, महेश अग्रवाल को गौसेवा समिति संयोजक, बनवारीलाल गोएंका बेल्लारी और पंकज आर्य मैसूर सह सचिव तथा सभी संबद्ध समाजों के अध्यक्ष तथा सचिव पदेन कार्यसमिति सदस्य की घोषणा की।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर भजन संध्या में उमड़े भक्तगण

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजी नगर स्थित श्री आईमाता मंदिर (बडेर) में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रसादी के लाभार्थी छोगाराम सोलंकी, पारसीगुटा उपाध्यक्ष भंवर बाई, बालाजी नगर अध्यक्ष जयराम पंवार, उपाध्यक्ष नारायण लाल बर्फा, सचिव हरिलाल चोयल, कोषाध्यक्ष नरेश सोलंकी, घेवर चन्द्र चोयल, देवासी समाज अध्यक्ष सांवलराम देवासी, आईमाता भजन मंडली द्वारा अचलाराम हाम्बड़ , मोहनलाल भायल, महिला मंडल जमना बर्फा, हन्जा बर्फा, पुष्पा देवी चोयल, कमला चोयल भंवर देवी लचेटा सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अगरकर बोले-फिटनेस की वजह से हार्दिक को टी-20 कप्तानी नहीं

हेड कोच गंभीर ने कहा- रोहित-कोहली वर्ल्ड कप 2027 खेल सकते हैं

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम सोमवार (22 जुलाई) को रवाना हो गई। यह भारतीय टीम के नए मुख्य कोच के तौर गौतम गंभीर का पहला असाइनमेंट होगा। दौरे पर रवाना होने से पहले गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर प्रेस से मुखातिब हुए। दोनों ने हार्दिक पंड्या को टी20 कप्तान न बनाने से लेकर रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य तक पर जवाब दिए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अजीत अगरकर से सवाल हुआ कि क्या हार्दिक पंड्या और केएल राहुल भविष्य में भी कभी कप्तान नहीं होंगे? कुछ ऐसा ही सवाल ऋषभ पंत को लेकर हुआ। उन्होंने कहा कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए हार्दिक पंड्या

फिट नहीं थे। यह उनके (चयनकर्ताओं) लिए चुनौती की बात थी, लेकिन रोहित शर्मा के होने से काम आसान हो गया। उन्होंने शुभमन गिल को लेकर भी बड़ी बात कही।

पंत,राहुल और पंड्या के लिए दरवाजे बंद नहीं

अगरकर ने कहा कि जहां तक नेतृत्व की भूमिका का सवाल है तो केएल राहुल,ऋषभ पंत और यहां तक कि पंड्या जैसे पूर्व उपकप्तानों के लिए दरवाजे बंद नहीं हुए हैं। उन्होंने पंत को लेकर कहा, "सबसे पहले हमें उन्हें वापस खिलाने की जरूरत है। वह एक खिलाड़ी के तौर पर हमारे लिए अहम हैं।उन्होंने बहुत ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है। हम देखेंगे कि वह क्या कर सकते हैं? हम किसी ऐसे व्यक्ति पर फिर से बोझ नहीं डालना चाहते, जो खेल से एक साल से अधिक समय के बाद वापस आ रहा है।"

रोहित शर्मा ने काम आसान कर दिया

अगरकर ने केएल राहुल को लेकर कहा, "केएल पिछले कुछ समय से टी20 का हिस्सा नहीं है। हमारे पास बटन रीसेट करने का मौका है। हमारे पास योजना बनाने के लिए थोड़ा और समय है। हम कोशिश करना चाहते हैं और देखना चाहते हैं...सच कहूं तो अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 से पहले जब हार्दिक चोटिल थे,तो हमारे लिए थोड़ी चुनौती थी। उस समय रोहित खेल नहीं रहे थे, लेकिन फिर भी उपलब्ध थे। उन्होंने हमारे लिए काम बहुत आसान बना दिया कि वह आकर खेल सकते थे। हम नहीं चाहते कि आगे फिर से ऐसी स्थिति आए।"

शुभमन गिल अनुभव के साथ-साथ सीनियर खिलाड़ियों से भी सीखेंगे

अगरकर ने कहा कि चयनकर्ता चाहते थे कि उपकप्तान शुभमन गिल अनुभव के साथ-साथ सीनियर खिलाड़ियों से भी सीखें। उन्होंने कहा, "शुभमन एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जो हमें लगता है कि तीनों प्रारूपों का खिलाड़ी हैं। पिछले एक साल में उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। आप कोशिश करते हैं कि कोई ऐसा खिलाड़ी हो जो सीनियर खिलाड़ियों से भी सीख सके। सूर्या और रोहित अभी भी टीम में हैं तो हमें अचानक वैसी चुनौतियों का सामना न करना पड़े। आप किसी के चोटिल होने या फॉर्म खराब होने पर कप्तान की तलाश न कर रहे हों। उन्होंने कप्तानी के गुण दिखाए हैं। हम कोशिश करना चाहते हैं और उन्हें वह अनुभव दिलाना चाहते हैं, जो वह आगे दिखा सके। जीवन में कोई गारंटी नहीं होती,लेकिन इस समय यही विचार है।"

युकी भांबरी और ओलिवेट की जोड़ी ने जीता स्विस ओपन पुरुष युगल खिताब

फाइनल में हम्बर्ट और मार्टिन की जोड़ी को दी मात

पेरिस, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उगो हम्बर्ट और फैब्रिस मार्टिन को फाइनल में हराकर स्विस ओपन एटीपी टूर टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल वर्ग का खिताब जीत लिया। भांबरी-ओलिवेट की जोड़ी ने खिताबी मुकाबले में हम्बर्ट और मार्टिन की जोड़ी को तीन सेट तक चले मैच में हराया।

भांबरी और ओलिवेट की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने इस एटीपी 250 क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वियों को 3-6, 6-3, 10-6 से पराजित किया। फाइनल मैच एक घंटे छह मिनट तक चला जिसमें दोनों जोड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी लेकिन आखिर में भांबरी और ओलिवेट की जोड़ी विजेता बनी। 32 वर्षीय भांबरी का यह तीसरा एटीपी युगल खिताब है। इस भारतीय खिलाड़ी ने ओलिवेट के साथ मिलकर दूसरा खिताब जीता। उन्होंने लॉयड हैरिस के साथ 2023 मैलोर्का चैंपियनशिप में अपना पहला एटीपी खिताब जीता था। भांबरी ने ओलिवेट के साथ मिलकर इस साल अप्रैल में बीएमडब्ल्यू ओपन का खिताब जीता था। भांबरी 24 जून को युगल रैंकिंग में शीर्ष 50 में पहुंचे थे और इस जीत से विश्व रैंकिंग में उनकी स्थिति और बेहतर होगी।

हॉकी पूर्वी क्षेत्र चैंपियनशिप में ओडिशा की पुरुष टीम ने जीता खिताब

झारखंड बना महिला वर्ग का चैंपियन

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा की हॉकी टीम ने जूनियर पूर्वी क्षेत्र चैंपियनशिप के पुरुष फाइनल में जीत हासिल कर खिताब पर कब्जा जमाया। वहीं, झारखंड ने महिला वर्ग का फाइनल जीता। दोनों ने क्रमशः पुरुष और महिला खिताब अपने नाम किया। ओडिशा हॉकी संघ ने पुरुष वर्ग की स्पर्धा के फाइनल में हॉकी झारखंड को 2-0 के अंतर से मात दी। वहीं, हॉकी झारखंड ने महिला वर्ग के फाइनल में नियमित समय में 1-1 की बराबरी के बाद शूटआउट में हॉकी बंगाल को 4-3 से पराजित किया।

पेस और अमृतराज अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल

यह उपलब्धि पाने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। युगल में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी लिएंडर पेस और टेनिस प्रसारक अभिनेता और खिलाड़ी विजय अमृतराज शनिवार को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी बन गए। यह दोनों दिग्गज ब्रिटिश टेनिस पत्रकार और लेखक रिचर्ड इवांस के साथ हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए। पेस ने टेनिस को बतौर करियर चुनने से पहले फुटबॉल और हॉकी में भी हाथ आजमाया था और अंततः ओलंपिक पदक विजेता के रूप में अपने हॉकी-कप्तान पिता का अनुसरण किया।

पेस बोले- मेरे लिए सम्मान की बात

पेस ने कहा, 'इस मंच पर सिर्फ खेल के दिग्गजों के साथ ही नहीं, जिंदगी के हर दिन मुझे प्रेरित करने वाले लोगों के साथ होना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इसलिए नहीं कि आपने सिर्फ ग्रैंडस्लैम जीते हैं, इसलिए नहीं कि आपने हमारे खेल को आकार दिया बल्कि इनमें से हरेक व्यक्ति ने उस दुनिया को आकार दिया जिसमें हम रहते हैं।'

अमृतराज ने जीते कई खिताब

70 वर्षीय अमृतराज ने 1970 में डेब्यू किया था और 1993 में संन्यास ले लिया था। इस दौरान उन्होंने 15 एटीपी एकल खिताब और 399 मैच जीते और एकल में सर्वश्रेष्ठ 18वीं रैंकिंग भी हासिल की। उन्होंने भारत को 1974 और 1987 में डेविस कप फाइनल में पहुंचाने में मदद की थी।अमृतराज ने कहा, 'मैं इस अविश्वसनीय और विशिष्ट समूह में शामिल होने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस समूह ने इस खेल को गौरव दिलाया है।'

अभिनय भी कर चुके अमृतराज

अपने खेल के दिनों के बाद अमृतराज ने मानवीय कारणों में मदद की। साथ ही भारत में एटीपी और डब्ल्यूटीए कार्यक्रमों का समर्थन किया और जेम्स बॉन्ड और स्टार ट्रेक फिल्म सीरीज में अभिनय किया। अमृतराज ने कहा, 'यह सिर्फ मेरे, मेरे परिवार, मेरे माता-पिता के लिए ही नहीं, बल्कि मेरे सभी साथी भारतीयों और मेरे देश के लिए जो पूरी दुनिया में रहते हैं, के लिए एक सम्मान है।'

पेस ने करियर में 18 ग्रैंडस्लैम जीते

पेस युगल और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे हैं। उन्हें अमृतराज युवा अकादमी में खेलने के बाद खिलाड़ी वर्ग में चुना गया था। पेस और अमृतराज ने भारत को हॉल ऑफ फेम में प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां राष्ट्र बनाया। पेस ने कहा, 'मैं अपने हर एक देशवासियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, जो उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहे। आप सभी मेरे लिए प्रेरणा थे, समर्थन थे, मेरा मार्गदर्शन करने की ताकत थे जब मुझे खुद पर विश्वास नहीं था।

पेस करियर ग्रैंड स्लैम भी जीत चुके

पेस ने पुरुष और मिश्रित युगल दोनों में करियर ग्रैंड स्लैम जीते। उन्होंने 2012 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर पुरुषों में और 2016 फ्रेंच ओपन पर कब्जा करके मिश्रित में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने ब्राजील के फर्नांडो मेलिगेनी को 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर 1996 अटलांटा ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उनका एकमात्र एटीपी एकल खिताब 1998 में न्यूपोर्ट घास पर उसी स्थान पर आया था जहां उन्हें शामिल किया गया था।

पेस ने पिता की कही बातों को किया याद

पेस ने कहा, 'जैसा कि मेरे पिता ने हमेशा मुझसे कहा कि अगर आप खुद पर भरोसा करते हैं, आप कड़ी मेहनत करते हैं, आप सिर्फ पुरस्कार राशि और ट्रॉफी जीतने के लिए ही नहीं बल्कि आप दुनिया को प्रेरित करने के लिए ऐसा करते हैं। सात ओलंपिक में देशवासियों के लिए खेलना, उन सभी डेविस कप में राष्ट्रगान के लिए खड़े होना और यह साबित करना कि हम एशियाई ग्रैंडस्लैम जीत सकते हैं और अपने क्षेत्र में नंबर एक भी बन सकते हैं मेरे लिए सम्मान की बात थी।

नीरज चोपड़ा की चोट पर कोच बार्टोनिट्ज ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है और भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा से इसमे दमदार प्रदर्शन करने की उम्मीद है। ओलंपिक से ठीक पहले नीरज की चोट से चिंता बढ़ा दी थी, लेकिन अब उनके जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने इस बारे में बड़ा अपडेट दिया है। बार्टोनिट्ज ने नीरज की फिटनेस को लेकर सभी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि अब टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को किसी तरह की परेशानी नहीं है और अब वह कड़ी तैयारियों में जुट गए हैं।

जांघ में दर्द के कारण गोल्डन स्पाइक से हटे थे नीरज

नीरज ने 28 मई को एहतियातन ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हटने का फैसला किया था क्योंकि उन्हें जांघ में कुछ दर्द महसूस हुआ था। उन्होंने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जोरदार वापसी की थी। फिर चोपड़ा ने सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भी नहीं खेलने का फैसला किया और कहा कि यह

प्रतियोगिता उनके कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी। लेकिन फिटनेस देखी जाए तो उनका सत्र बिल्कुल सही नहीं रहा है। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने वाले 26 वर्षीय नीरज 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए एक बार फिर देश के सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं। पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा छह अगस्त को क्वालीफिकेशन दौर से शुरू होगी जिससे अभी इसे शुरू होने में दो हफ्ते हैं।

'चोट की कोई समस्या नहीं'

बार्टोनिट्ज करीब पांच साल से नीरज से जुड़े हैं। बार्टोनिट्ज ने कहा कि अब चीजें पटरी पर आ गई हैं। उन्होंने कहा, सब कुछ योजना के अनुसार है। फिलहाल जांघ की चोट की कोई समस्या नहीं है, यह ठीक है। उम्मीद है कि ओलंपिक तक ऐसा ही रहेगा। ओलंपिक में भाला फेंक की स्पर्धा शुरू होने अभी दो सप्ताह का समय बचा है इसलिए ट्रेनिंग का स्तर बढ़ा दिया गया है। वह पूरा थ्रोइंग सत्र कर रहे हैं। हम सुबह में स्प्रिंटिंग, जंपिंग, थ्रोइंग या वेटलिफ्टिंग के सत्र रखते हैं। सुबह और शाम दो सत्र होते हैं जिसमें प्रत्येक दो से ढाई घंटे तक का होता है।

बार्टोनिट्ज ने कहा कि नीरज का तरीका टोक्यो ओलंपिक से पहले अपनाए गए तरीके जैसा ही है जिसमें वह टूर्नामेंट के बजाय ट्रेनिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं और वह अपने ग्रोइन पर दबाव कम करने के लिए अपनी ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूती देने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सामान्यतः भाला फेंकना तेजी से भागते हुए अच्छी तरह रुककर भाला फेंकने (ब्लॉकिंग) पर निर्भर करता है। भागते हुए आप जितनी अधिक ऊर्जा से आएंगे, उतना ही बेहतर होगा।

पदक की संभावना पर नहीं की भविष्यवाणी

इस सत्र में शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों में से किसी ने भी असाधारण प्रदर्शन नहीं किया है और बार्टोनिट्ज ने हमेशा की तरह कहा कि वह नीरज की पदक की संभावनाओं की भविष्यवाणी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ओलंपिक में काफी कुछ दांव पर लगा होता है और काफी दबाव होता है जिससे कुछ भी हो सकता है। आंकड़ों के आधार पर पदक का अनुमान लगाना मुश्किल है। सभी शीर्ष एथलीट अपनी सर्वश्रेष्ठ तैयारी कर रहे है। वे पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और पदक जीतना चाहते हैं। उनकी तरह ही हम भी दावा कर सकते हैं कि नीरज जीत सकते हैं। पर पदक जीतने की संभावना पक्षपातपूर्ण हो सकती हैं जिसमें गड़बड़ी भी हो सकती है।

पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी जरमनप्रीत ने जाहिर की विशेष इच्छा

तैयारी पर दिया ये बयान

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक के लिए जगह बनाने से चूकने वाले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह पेरिस खेलों से ओलंपिक में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। जरमनप्रीत ने इससे पहले एक विशेष इच्छा जाहिर की और बताया कि वह अपनी मां कुलविंदर कौर को पेरिस में उन्हें पदार्पण करते देखना चाहते हैं। जरमनप्रीत विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और एशियाई खेल जैसे बड़े टूर्नामेंटों का हिस्सा रहे हैं।

डोपिंग के कारण झेलना पड़ा था प्रतिबंध

नीदरलैंड के ब्रेडा में 2018 चैंपियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम में पदार्पण करने के बाद से वह 106 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। वह हांगझोउ एशियाई खेल 2023 में स्वर्ण और राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। जरमनप्रीत को 2016 से 2018 के बीच डोपिंग मामले में दो साल का प्रतिबंध झेलना पड़ा था, लेकिन उससे उबरकर उन्होंने वापसी की और जूनियर विश्व कप खेलने का मौका चूकने के

बाद अब ओलंपिक खेलने जा रहे हैं।

जरमनप्रीत ने कहा, मैं कोशिश कर रहा हूं कि अपनी मां को पेरिस ओलंपिक दिखा सकूं। उन्हें गर्व हो कि उनका बेटा सबसे बड़ा टूर्नामेंट खेल रहा है। मैं हर मैच से पहले मां से बात करता हूं। उनको हॉकी के बारे में कुछ नहीं पता लेकिन मुझे कहती हैं कि ऐसे खेलना, वैसे खेलना। वह मेरी पहली कोच होती हैं। मैंने चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी देखने उनको बुलाया था। यूं तो मैंने विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, एशियाई खेलों में भाग लिया है लेकिन ओलंपिक पहला है। ओलंपिक का दबाव अलग ही होता है जिसमें पूरी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें आती है।

उन्होंने कहा कि वह सकारात्मक सोच के साथ पेरिस जा रहे हैं और उन्हें अपने अनुभव और मानसिक दृढता पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, दबाव की वैसे कोई बात नहीं है क्योंकि इन टीमों के साथ काफी मैच खेल चुके हैं। हम सकारात्मक सोच के साथ ही जा रहे हैं।

हमारा जवाबी हमला सर्वश्रेष्ठ है और हम रफ्तार से हॉकी अच्छी खेल खेल रहे हैं। हम इस पर ही जोर देंगे कि काउंटर पर ज्यादा खेलें। हमने ओलंपिक से पहले प्रो लीग में आठ मैच खेले और ऑस्ट्रेलिया से भी टेस्ट खेला जिसमें काफी कुछ सीखने को मिला। मुझे यकीन है कि हम पेरिस से खाली हाथ नहीं लौटेंगे।

चामरी अट्टापट्टू ने रचा इतिहास : महिला टी20

एशिया कप में ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी बनीं

दांबुला, 22 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका की कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने सोमवार को मलेशिया के खिलाफ महिला एशिया कप के मुकाबले में इतिहास रच दिया। अट्टापट्टू टी20 प्रारूप में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अट्टापट्टू के शानदार शतक की मदद से मलेशिया के खिलाफ दमदार स्कोर बनाया। अट्टापट्टू ने इस दौरान 69 गेंदों पर नाबाद 119 रनों की पारी खेली। अट्टापट्टू के बल्ले से 14 चौके और सात छक्के निकले। श्रीलंका ने ग्रुप-बी के इस मैच में मलेशिया को 144 रनों के बड़े अंतर से हराया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने विशमी गुणारत्ने का विकेट जल्दी गंवा दिया था। इसके बाद अट्टापट्टू ने हर्षिता समरविक्रमा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी निभाई। फिर उन्होंने अनुष्का संजीवनी के साथ तीसरे विकेट के लिए 115 रनों की साझेदारी की। अट्टापट्टू ने 35 गेंदों

पर अपना अर्धशतक पूरा किया और टीम को मजबूती दी। 18वें ओवर के बाद अट्टापट्टू ने आक्रमक अंदाज में खेलना शुरू किया और आइना हमिजा हाशीम पर एक चौका और दो छक्के जड़े। फिर अट्टापट्टू ने आइसा एलिसा पर 19वें ओवर की शुरुआत में एक चौका लगाया। श्रीलंका की पारी के अंतिम ओवर में अट्टापट्टू ने 63 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। विनफ्राइड दुराइसिंगम की ओवर के तीसरी गेंद पर उन्होंने शानदार छक्का लगाया और टूर्नामेंट में इतिहास रच दिया।

अट्टापट्टू के इस दमदारी पारी के दम पर श्रीलंका ने मलेशिया के खिलाफ 20 ओवर में चार विकेट पर 184 रन बनाए। जवाब में मलेशिया की टीम 19.5 ओवर में महज 40 रनों पर सिमट गई। मलेशिया की ओर से एल्सा हंटर ने सर्वाधिक 10 रन बनाए और वह दहाई अंक तक पहुंचने वाली टीम की एकमात्र बल्लेबाज रहीं। अट्टापट्टू ने टी20 करियर का अपना तीसरा शतक जड़ा। वह अब तक 136 मैचों में 24.44 के औसत से 3153 रन बना चुकी हैं। उन्होंने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड के खिलाफ शतक लगाए थे। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में अट्टापट्टू सुजी बेट्स, हरमनप्रीत कौर, मेग लैनिंग, स्मृति मंधाना, स्टेफनी टेलर और सोफी डिवाइन के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाली सातवीं बल्लेबाज हैं।

नॉर्डिया ओपन के फाइनल में राफेल नडाल को लगा तगड़ा झटका, बोर्गेस ने 6-3, 6-2 से हराया

बस्ताड, 22 जुलाई (एजेंसियां)। वह पेरिस में रोलां गैरो पर ओलंपिक में खेलने की तैयारी में हैं। उन्होंने पहले दौर में स्वीडन के महान खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को हराया। 38 वर्ष के नडाल ने विम्बलडन में भाग नहीं लिया था। वह पिछले डेढ़ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं।

स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल को तगड़ा झटका लगा है। नॉर्डिया ओपन के फाइनल मैच में उन्हें नूनो बोर्गेस के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सातवीं वरीयता प्राप्त पुर्तगाल खिलाड़ी ने स्पेन के अनुभवी खिलाड़ी को 6-3, 6-2 से हराया।

जीत के बाद बोर्गेस क्या बोले बोर्गेस?

नडाल 2022 फ्रेंच ओपन के बाद पहली बार एटीपी टूर पर किसी प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। बोर्गेस ने एकतरफा जीत के बाद कहा, यह शानदार है, टेनिस में कभी-कभी ऐसा होता है जिसकी आप उम्मीद नहीं करते है। मुझे पता है कि यहां हम सभी चाहते थे कि राफा (नडाल) जीते, मेरे अंदर का एक हिस्सा भी यही चाहता था, लेकिन दूसरा हिस्सा मुझे कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित कर रहा था।

19 की उम्र में जीता था खिताब

नडाल ने स्वीडन में 2005 में 19 वर्ष की उम्र में खिताब जीता था, जिसके बाद वह पहली बार यहां खेल रहे थे। वह पेरिस में रोलां गैरो पर ओलंपिक में खेलने की तैयारी में हैं। उन्होंने पहले दौर में स्वीडन के महान खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को हराया। 38 वर्ष के नडाल ने विम्बलडन में भाग नहीं लिया था। वह पिछले डेढ़ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं।

पेद्दावागु के सभी विस्थापित लोगों का समर्थन करेंगे: पोंगुलेटी

मंत्री ने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की, इंदिराम्मा घर बनाने का वादा

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास और सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने सोमवार को उस क्षेत्र का निरीक्षण किया जहां बीती 18 जुलाई को हुई भारी बारिश के कारण पेद्दावागु परियोजना ढह गई थी। मंत्री ने कलेक्टर जितेश वी. पाटिल, एसपी रोहित राज, स्थानीय विधायक जारे आदिनारायण के साथ, नष्ट हुई परियोजना स्थल का दौरा किया और दुख व्यक्त किया कि परियोजना इतनी जर्जर हो गई है। स्थानीय अधिकारियों के माध्यम से पूरी जानकारी ली जाती है। बाद में मंत्री पोंगुलेटी स्वयं कोयारंगपुरम, गुम्मादावल्ली और कोथुर गांवों में 51 बाढ़ प्रभावित लोगों के घर गए और पीएसआर ट्रस्ट के माध्यम से वित्तीय सहायता सौंपी। उन्होंने कोथुर गांव में विद्युत दुर्घटना में मारे गए शिवा के परिवार से मुलाकात की और वित्तीय सहायता प्रदान की। उन्होंने वहां के निवासियों को सांत्वना देते हुए कहा कि राज्य सरकार उनके साथ खड़ी रहेगी। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कोइरंगापुरम गांव में एक संवाददाता सम्मेलन में बात करते हुए राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकार उन सभी लोगों का पूरा ख्याल रखेगी जिन्हें नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि 400 एकड़ जमीन रेत के टीलों से ढकी हुई है।

हटाने के लिए 10 हजार देने की घोषणा की गयी है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की कपास और धान की फसल बर्बाद हो गई है, उन्हें बीज मुफ्त दिए जाएंगे। बाढ़ में बही प्रत्येक भेड़ के मालिक को धनराशि दी जाएगी। बाढ़ के कारण अपने घर खोने वाले सभी लोगों को इंदिराम्मा घर दिए जाएंगे। मंत्री ने आश्वासन दिया कि अधिकारियों को नोटिस दिया है।

मंत्री पोंगुलेटी ने कहा कि परियोजना के तीन गेटों से 40,000 क्यूसेक बाढ़ छोड़ी जाएगी, और जब 70,000 क्यूसेक बाढ़ आई, तो अधिकारियों की लापरवाही के कारण परियोजना विफल हो गई। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अगर सही समय पर गेट हटा दिए गए होते तो ऐसा खतरा नहीं होता था। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों को पहले ही कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि उन्होंने आज सुबह मुख्यमंत्री से बात की और तत्काल मरम्मत के लिए 8 करोड़ रुपये स्वीकृत किये।

जब स्थानीय किसानों ने कुछ लोगों पर पेद्दावागु परियोजना की भूमि पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया तो मंत्री पोंगुलेटी ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। कलेक्टर को बारिश कम होने के बाद पूरा सर्वे कराने का आदेश दिया। मंत्री पोंगुलेटी ने कहा कि उन्होंने 41 खेत मजदूरों को बचाने के लिए तुरंत आंध्र प्रदेश राज्य सरकार के मुख्य सचिव से बात की और हेलीकॉप्टर की मदद से उन्हें बचाया। इस मौके पर उन्होंने तेलंगाना सरकार की ओर से एपी सरकार को धन्यवाद दिया।

केसीआर ने कवि दशरथी को याद किया

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सीएम केसीआर ने आज प्रख्यात कवि दशरथी को बहुमुखी प्रतिभा के धनी योद्धा के रूप में सम्मानित किया, जिन्होंने तत्कालीन किसानों में राजशाही के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष की भावना को प्रज्वलित किया और जिन्होंने अपनी कविता के माध्यम से दुनिया को तेलंगाना की गरिमा दिखाई। उन्होंने यह भी कहा कि दशरथी ने अपने साहित्य के माध्यम से समाज से लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की प्राप्ति के लिए उन्होंने जो संघर्ष किया, उसमें दशरथी द्वारा दी गई प्रेरणा शामिल थी। तेलंगाना के स्वाभिमान की आवाज और अभ्युदय कवि के रचयिता दशरथी कृष्णमाचार्य की शताब्दी जयंती के अवसर पर बीआरएस प्रमुख केसीआर ने उनके द्वारा प्रज्वलित भावना को याद किया। केसीआर ने कहा कि तेलंगाना के स्वाभिमान को सर्वोच्च शिखर पर स्थापित करने वाले दाशरथी की कविता और साहित्य तेलंगाना की भावी पीढ़ियों के लिए शाश्वत प्रेरणा हैं

शमशीरगंज में सड़क पर गिरा पेड़ 10 घायल

तीन वाहन भी हुए क्षतिग्रस्त

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के शमशीरगंज में सोमवार दोपहर सड़क पर पेड़ गिरने से कम से कम 10 लोग घायल हो गए। इस घटना में तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस के अनुसार, दो दशक से भी ज़्यादा पुराना एक बड़ा पेड़ सोमवार दोपहर करीब 2 बजे अचानक उखड़कर व्यस्त सड़क पर गिर गया। सड़क पर चल रहे कुछ पैदल यात्री और ऑटो रिक्शा और स्कूटर पर सवार तीन लोग पेड़ की चपेट में आ गए।

यह देखते ही स्थानीय लोग बचाव के लिए दौड़े और सभी को बाहर निकाला। दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत थी, जिन्हें ऑटो रिक्शा और एम्बुलेंस से स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने जीएचएमसी अधिकारियों को सूचित किया और लकड़हारों की एक टीम शाखाओं को काटने के लिए पहुंची। इस घटना के कारण व्यस्त फलकनुमा से चारमीनार रोड पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, विशेष अभियान दल (एसओटी), एलबी नगर जोन टीम के साथ जवाहर नगर पुलिस ने दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों की पहचान ओमा राम उर्फ ओम प्रकाश, चेराई गांव, ओसियां तहसील, जोधपुर, राजस्थान के बढ़ई के रूप में हुई है। वह उपभोक्ता, ट्रांसपोर्टर और पेडलर है)। इससे पहले, वह इसी तरह के मामले (अफीम, पोस्ता भूसा) में शामिल था, जिसमें राजस्थान राज्य के ओसियां पुलिस स्टेशन के एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/18, 29 के तहत अपराध संख्या 207/2015 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

दूसरा आरोपी सांवला राम, चंदानगर, लिंगमपल्ली और मूल निवासी रंगाला, जालौर, राजस्थान (उपभोक्ता/विक्रेता) है। जबकि विकास उर्फ मुकेश, पिपलिया मंडी, मंदसौर जिला, मध्य प्रदेश का किसान, विक्रेता फरार है।पुलिस ने 40 किलोग्राम पोस्ता भूसा, 10 ग्राम एमडीएमए, 10,000/- रुपये की शुद्ध नकदी, तीन मोबाइल फोन, एक वाई-फाई डोंगल जब्त किया। कुल जब्त मादक पदार्थ की कीमत लगभग 45 लाख रुपये है। राचकोंडा पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने कहा कि 21 जुलाई की शाम को एक गुप्त सूचना पर, एसओटी एलबी नगर टीम ने जवाहर नगर पुलिस के साथ मिलकर जवाहर नगर थाने की सीमा के अंतर्गत थिम्माईपल्ली (वी), कीसरा की ओर जाने वाले मलकाराम गांव के बाहरी इलाके के पास आरोपियों को पकड़ा और उनके कब्जे से 40 किलोग्राम पोस्ता भूसा, 10 ग्राम एमडीएमए, 10 हजार रुपये की शुद्ध नकदी, तीन मोबाइल फोन और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए प्रयास जारी हैं। पुलिस ने लोगों और छात्रों से अपील की कि प्रतिबंधित नारकोटिक्स पदार्थों और दवाओं की खरीद, बिक्री, परिवहन और सेवन करना एनडीपीएस अधिनियम की धारा 31 ए के अनुसार 10 साल की कैद और मौत की सजा का दंडनीय अपराध है। उन्होंने समाज से भी अनुरोध किया कि वे इस खतरे को रोकने में पुलिस की मदद करें।

केटीआर ने नए राष्ट्रीय आपराधिक कानूनों पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के तारकरामा राव ने एक खुला पत्र जारी कर मांग की है कि राज्य सरकार और सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर अपनी स्थिति सार्वजनिक रूप से घोषित करें। अपने खुले पत्र में, केटीआर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विभिन्न समूहों से भारी विरोध झेलने वाले इन कठोर कानूनों की मौलिक नागरिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं पर अतिक्रमण करने के लिए निंदा की जा रही है। उन्होंने बताया कि आलोचकों को डर है कि ये कानून संभावित रूप से देश के भीतर एक पुलिस राज्य की स्थापना कर सकते हैं। केटीआर ने बताया कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों ने पहले ही इन कानूनों का विरोध किया है और इस बात पर जोर दिया है कि तेलंगाना सरकार को नागरिक अधिकारों के चैंपियन के रूप में राज्य की ऐतिहासिक प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए एक स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इन नए आपराधिक कानूनों को वैसे ही लागू करेगी या अन्य राज्यों द्वारा निर्धारित उदाहरणों का अनुसरण करते हुए संशोधन पेश करेगी। केटीआर ने रेवंत रेड्डी की कांग्रेस सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, और उनसे इन नए कानूनों की निरंकुश धाराओं में संशोधन की मांग करते हुए केंद्र सरकार को एक पत्र भेजने को कहा है। उन्होंने आगामी विधानसभा सत्र में एक प्रस्ताव भी केंद्र सरकार को भेजने की मांग की है। केटीआर ने चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर राज्य सरकार को सत्तावादी और जनविरोधी माना जाएगा। नए आपराधिक कानून, जिन्होंने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (आईईए) की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) को शामिल किया है, 1 जुलाई से पूरे देश में लागू हो गए हैं। इन कानूनों के कई प्रावधानों और धाराओं को बुनियादी नागरिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन के रूप में देखा जाता है। नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं और कानूनी विशेषज्ञों का तर्क है कि ये कानून पुलिस और सरकार को असंगत रूप से लाभ पहुंचाते हैं, जो वैध विरोध और आंदोलन को दबाते हैं। उन्होंने कहा कि आलोचकों द्वारा उठाए गए कई प्रमुख मुद्दों में शामिल हैं।

जंगल से एयरलिफ्ट की गई पुलिस टीम

भारी बारिश के कारण जंगल में फंसी पुलिस

5 दिन पहले विशेष अभियान के लिए जंगल गई थी टीम

मुलुगु, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एलीमेडी वन क्षेत्र के पास तलाशी अभियान के बाद लौटते समय बारिश में फंसी एक पुलिस टीम को सोमवार को हवाई मार्ग से निकाला गया। रिपोर्ट के अनुसार, टीम 5 दिन पहले एक विशेष अभियान के लिए जंगल में गई थी और लौटते समय वे पेनुगोलू वागु के पास फंस गए, जो दो दिन पहले भारी बारिश के पानी के कारण उफान पर था। सोमवार को जब बाढ़ कम हुई, तो पुलिस टीम को हेलीकॉप्टर से वाजीदु ले जाया गया। वाजिदु में उतरने के बाद पुलिस टीम को तुरंत मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, क्योंकि वे 5 दिनों से जंगल में फंसे हुए थे।

जन अपीलों के त्वरित समाधान पर हो फोकस: आयुक्त अम्रपाली काटा

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त अम्रपाली काटा ने अधिकारियों को समय-समय पर सार्वजनिक रूप से प्राप्त याचिकाओं को हल करने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी है। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित एक सार्वजनिक संबोधन में, आयुक्त आम्रपाली ने पूरे क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली और धैर्यपूर्वक प्रत्येक की समस्या को सुना और अपील स्वीकार की। मामलों को संबंधित अधिकारियों को सौंपकर तत्काल कार्रवाई कर समाधान करने का निर्देश दिया गया। इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आदेश दिया कि वे अविलंब पब्लिक रेडियो में आने वाली फरियादों पर ध्यान दें और समस्याओं के समाधान के लिए पहल करें। इस मौके पर प्रजावाणी आए कुछ याचिकाकर्ताओं ने डबल बेडरूम मकानों के आवंटन की मांग की, लेकिन उन्होंने याचिकाकर्ताओं को समझाया कि यह केवल जीएचएमसी के अधिकार क्षेत्र में मकान बनाने और लाभार्थियों को ऐसे मकान आवंटित करने की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि प्रधान कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई के दौरान कुल 32 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जबकि अन्य 11 प्रार्थना पत्र टेलीफोन के माध्यम से प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों में से 15 टाउन प्लानिंग, ट्रांसपोर्ट 1, सीवीओ/रेवेन्यू 2, सीएम एंड एचओ 2, स्पोर्ट्स 2, इंजीनियरिंग मेंटेनेंस 3, वेटरनरी 2, एचएमडब्ल्यूएसएसबी 2, एस्टेट्स 1 और हाउसिंग 2 थे। आयुक्त ने कहा कि दूरभाष पर 11 शिकायतें प्राप्त होने पर उन्हें समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजने का निर्देश दिया गया। छह जोन में कुल 81 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से सर्वाधिक 42 आवेदन कुकट पल्ली जोन में प्राप्त हुए। इसी तरह, सेरिलिंगमपल्ली से 20, चारमीनार से 8, सिकंदराबाद से 7, एलबीनगर से 1 और खैरताबाद से 3 अनुरोध प्राप्त हुए।शअतिरिक्त आयुक्त श्रीवास्तव, नलिनी पद्मावती, सत्यनारायण, चंद्रकांत रेड्डी, सीसीपी राजेंद्रप्रसाद नाइक, सीएम एंड एचओ डॉ. पद्मजा, एसएनडीपीसी ई कोटेश्वर राव, मुख्य मूल्यांकन अधिकारी महेश कुलकर्णी, हाउसिंग, एसई, इंजीनियरिंग डिप्टी सीई, संबंधित विभागों के अधिकारी और अन्य उपस्थित थे।

राज्य में होगी भरपूर बारिश और फसल

प्रसिद्ध जोगिनी ने उज्जैनी महाकाली मंदिर में की भविष्यवाणी

कहा- सभी लोग होंगे खुशहाल, ठीक हो जाएंगी पुरानी बीमारी

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर के प्रसिद्ध ज्योतिषी ने तेलंगाना राज्य में इस साल भरपूर बारिश, भरपूर फसल और सभी के लिए खुशहाली की भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा कि जो लोग मुझ पर विश्वास करते हैं, मैं हमेशा उनके साथ रहूंगा। आप सभी को भरपूर भोजन, पानी मिलेगा और लोग अपनी पुरानी बीमारी से ठीक हो जाएंगे। भविष्यवक्ता, मातंगी स्वर्णलता, देवी महाकाली को बुलाने के लिए मिट्टी के बर्तन के ऊपर खड़ी थीं। महाकाली मंदिर के गर्भगृह में सन्नाटा छा गया, क्योंकि भविष्यवक्ता ने रंगम अनुष्ठान शुरू किया, जिसमें जनरल बाजार की सड़कों पर कतार में खड़े सैकड़ों भक्तों के लिए आने वाले वर्ष की भविष्यवाणी करना शामिल है।

रंगम में कहा कि अगर आप खुशी-खुशी अपना प्रसाद (बोनम) लेकर आएंगे, तो मैं उसे स्वीकार करूंगी। महिलाएं और यहां तक कि छोटी लड़कियां भी मुझे किसी भी आकार या आकृति का बोनम चढ़ा सकती हैं। मैं बोनालू समारोह के दौरान किए गए प्रबंधों और अनुष्ठानों से खुश हूं।

बड़ी संख्या में भक्तों, परिवार के सदस्यों, पुजारियों, मंदिर अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ज्योतिषी ने लोगों को कठोर शारीरिक श्रम पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। मधुमेह जैसी आधुनिक जीवनशैली की बीमारियों से निपटने के बारे में पूछे गए सवाल पर ज्योतिषी ने कहा कि अंधाधुंध दवाइयों का सेवन न करें। इसके बजाय, बाहर जाकर खेतों में कड़ी मेहनत करें। तब आप निश्चित रूप से खुश रहेंगे।

दैवज्ञ ने मंदिर के अधिकारियों को अगले 5 सप्ताह तक विशेष पूजा और अनुष्ठान जारी रखने की सलाह भी दी। भविष्यवक्ता ने कहा कि बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की देखभाल करना मेरी जिम्मेदारी है। मैं इस पूरे साल उनकी रक्षा करूंगा। जो लोग मुझ पर विश्वास करते हैं, मैं हमेशा सुनिश्चित करूंगा कि वे अपने जीवन में खुश रहें। प्रसिद्ध रंगम उत्सव के बाद जुलूस निकाला गया।

आंध्र के विकास के रोडमैप पर सीएम ने की चर्चा

नायुडू ने कैबिनेट, विधायकों, एमएलसी के साथ की मीटिंग

अमरावती, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने कहा कि सरकार के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनका समाधान लोगों के हित में करना होगा। सोमवार को सत्तारूढ़ टीडीपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के विधायकों और एमएलसी के साथ बैठक में उन्होंने राज्य के विकास के लिए रोडमैप तैयार किया। विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण के बाद मुख्यमंत्री ने विधायकों और विधान पार्षदों के साथ विस्तृत बैठक की, जिसमें उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और सभी मंत्री भी शामिल हुए।

पिछली सरकार के कारण आपात स्थितियों के लिए कोई धनराशि नहीं :

बैठक के दौरान सीएम चंद्रबाबू ने मुख्य रूप से विधान परिषद और विधानसभा में विभिन्न वर्गों से संबंधित चर्चा के मुद्दों, एनडीए सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों के परिणामों, दोनों सदनों के सदस्यों की कार्यशैली और उनकी जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित किया। मुख्यमंत्री ने विधायकों और विधान पार्षदों से कहा कि लोगों ने हम पर अपार विश्वास जताते हुए हमें सत्ता सौंपी है। हमें सुशासन प्रदान करते हुए काम करना चाहिए और उस विश्वास को बनाए रखना चाहिए। सीएम चंद्रबाबू ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने जनता के लिए बनाई गई व्यवस्थाओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति बहुत खराब है।

दि गुजराती सोश्यल वेल्फेयर सोसाइटी
5-1-718/2, SVM होटल, दूसरा माला, कुशल चेम्बर्स, बैंक स्ट्रीट, कोठी, हैदराबाद-95. फोन : 040-24756299
THE GUJARATI SOCIAL WELFARE SOCIETY
5-1-718/2, SVM Hotel, 2nd Floor, Kushal Chambers, Bank Street, Koti, Hyd-95. Ph: 040-24756299
40वीं वार्षिक साधारण सभा की सूचना
40th ANNUAL GENERAL BODY MEETING
दि गुजराती सोश्यल वेल्फेयर सोसाइटी के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि 40वीं वार्षिक साधारण सभा की बैठक 2023-2024 का आयोजन गुरुवार 15 अगस्त 2024 को सायं 4 बजे, आर्य वैश्य अभ्युदया संगम, 1-8-144 से 152 (133) पी.जी. रोड, ममता स्वीट्स के बाजू, सिकन्दराबाद में होगी। इस अवसर पर केवल सोसाइटी के सभी सदस्य सादर आमंत्रित हैं।
तत्पश्चात सह-भोज की व्यवस्था रखी गई है।
This is to inform to all members of the society that 40th Annual General Body Meeting 2023-2024 will be conducted On Thursday, 15th August 2024 at 4 pm at Arya Vysya Abhyudaya Sangam, 1-8-144 to 152 (133), P.G. Road, Beside Mamta Sweets, Secunderabad. All the society members only are invited to attend the meeting. Followed by Dinner.
समाज पहचान पत्र अनिवार्य है
Soceity ID Card is Mandatory
अध्यक्ष / PRESIDENT जिग्नेश दोशी JIGNESH DOSHI
सचिव / SECRETARY योगेश तुरख्रिया YOGESH TURAKHIA
कोषाध्यक्ष / TREASURER हेतल सामानी HETAL SAMANI

आंध्र के प्रतीकों की मूर्तियों की मांग से तेलंगाना पहचान पर छिड़ी बहस

हैदराबाद, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सचिवालय के सामने तेलुगु तल्ली और पोट्टी श्रीरामुलु की प्रतिमाएं स्थापित करने की मांग फिर से उठने से एक नई बहस छिड़ गई है। जहां आंध्र प्रदेश के लोग इसे तेलुगु लोगों को एकजुट करने के प्रयास के रूप में देखते हैं, वहीं तेलंगाना के कई लोग इसे क्षेत्रीय विशिष्टता की कीमत पर तेलुगु लोगों को एकजुट करने के पहले के प्रयासों की तर्ज पर राज्य पर एक गैर-तेलंगाना पहचान थोपने का प्रयास कह रहे हैं। एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और हैदराबाद निवासी, आंध्र प्रदेश निवासी केके मोहन ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से सचिवालय के सामने तेलुगु तल्ली और पोट्टी श्रीरामुलु की मूर्तियों को फिर से स्थापित करने की अपील की। दोनों मूर्तियों को पिछली बीआरएस सरकार ने नए सचिवालय भवन के निर्माण के दौरान हटा दिया था।

बाद में, बीआरएस सरकार ने सचिवालय के सामने तेलंगाना तल्ली प्रतिमा स्थापित करने के लिए जगह निर्धारित की। हालांकि, कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद इस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया और रेवंत रेड्डी ने उसी स्थान पर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित करने की नींव रखी, जिसके लिए तेलंगाना समर्थकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हुई। विवाद को और हवा देते हुए आंध्र प्रदेश के प्रतीकों को दर्शाने वाली मूर्तियों की मांग फिर से उठ रही है। तेलंगाना के कई लोगों का मानना है कि यह तेलंगाना की अनूठी पहचान के लिए खतरा है। बीआरएस, जो एकमात्र मजबूत क्षेत्रीय आवाज थी, अब सत्ता में नहीं है, इसलिए इन चिंताओं को बल मिला है। आलोचकों का तर्क है कि ये मांगें उन आधिपत्यवादी शक्तियों की वापसी का संकेत देती हैं, जिनके खिलाफ तेलंगाना ने दशकों तक लड़ाई लड़ी है।

कई नेटिजन्स ने सोशल मीडिया पर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं, जिसमें कहा गया कि तेलंगाना विरोधी शक्तियां बढ़ रही हैं और रेवंत रेड्डी के उनके पक्ष में हाल ही में दिए गए बयानों से उन्हें बल मिला है। उन्हें डर है कि ये मांगें स्वशासन और क्षेत्रीय गौरव को कमजोर करने की कोशिश हैं, जिसे हासिल करने के लिए तेलंगाना ने कड़ी मेहनत की है। वे हैदराबाद में तेलुगु और राष्ट्रीय एकता की आड़ में ऐसी ताकतों के उदय को तेलंगाना पर फिर से नियंत्रण स्थापित करने की रणनीतिक चाल के रूप में देखते हैं।

हैदराबाद में रहने वाले आंध्र प्रदेश के कुछ नेटिजन्स ने ऐसे अनावश्यक मुद्दों को सामने लाने और दोनों राज्यों के लोगों के बीच दरार पैदा करने के खिलाफ़ सुझाव दिया, जबकि तेलंगाना के लोगों ने ऐसी अतार्किक मांगों की जरूरत पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या आंध्र प्रदेश सचिवालय में ये दोनों मूर्तियां हैं। कुछ लोगों ने आगे बढ़कर पूछा कि क्या आंध्र प्रदेश के लोग आंध्र प्रदेश सचिवालय के सामने तेलंगाना तल्ली की मूर्ति स्थापित करेंगे।

विधायकों ने 'राजनीतिक हत्याओं' को लेकर अभिभाषण में डाली बाधा

विपक्ष ने 'राजनीतिक हत्याएं बंद करो' के लगाए नारे

अमरावती, 22 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को आंध्र प्रदेश विधानसभा और विधान परिषद के संयुक्त सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण को बाधित किया और बाद में राज्य में 'राजनीतिक हत्याओं' और बिगड़ती कानून एवं स्थिति के विरोध में बहिर्गमन किया। 'राजनीतिक हत्याएं बंद करो', 'लोकतंत्र बचाओ' और 'हमें न्याय चाहिए' के नारे लगाते हुए वाईएसआरसीपी सदस्यों ने बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल एस अब्दुल नजीर के भाषण को बाधित किया। राज्यपाल ने जैसे ही अपना भाषण शुरू किया, विपक्षी विधायक और विधान पार्षद, जिन्होंने काले स्कार्फ़ पहने हुए थे, राज्य में राजनीतिक रूप से प्रेरित हत्याओं पर अपनी असहमति व्यक्त करने के लिए खड़े हो गए। हंगामे के बीच उन्होंने अपना भाषण पढ़ना जारी रखा। कुछ देर तक नारेबाजी जारी रहने के बाद वाईएसआरसीपी के सदस्य सदन से बाहर चले गए।

'लोकतंत्र बचाओ' के नारे लगाते हुए जगन और वाईएसआरसीपी विधायक विधानसभा की ओर बढ़े। हालांकि, पुलिस ने उन्हें विधानसभा गेट पर ही रोक दिया। पुलिस कर्मियों ने वाईएसआरसीपी विधायकों के हाथों में मौजूद तख्तियां और कागज छीन लिए और फाड़ दिए। जगनमोहन रेड्डी ने पुलिस कर्मियों से सवाल किया कि उन्हें ऐसा अधिकार किसने दिया है? वाईएसआरसीपी विधायकों ने पुलिस के व्यवहार पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.